YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-128 ❐ सोमवार, 08 जून 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

आगामी 2029 के लोकसभा चुनाव तक केन्द्र में कांग्रेस और उत्तर प्रदेश में सपा विपक्ष की भूमिका से हट जाएगी। जनता नया विकल्प तलाश लेगी। उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य रविवार को फिरोजाबाद में अहिल्याबाई होल्कर जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे थे। केशव मौर्य

विद्यार्थी परिषद् ने देश में सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना का वातावरण बनाया : सुनील आंबेकर 11

पंजाब कांग्रेस ने झाड़ू तोड़कर विरोध प्रदर्शन किया 12

घरेलू एलपीजी सिलेंडर 29 रुपये महंगा

कैनविज टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली । घरेलू रसोई गैस एलपीजी सिलेंडर रविवार से 29 रुपये महंगा हो गया है। इस बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज से 14ण्2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942 रुपये का हो गया है। हालांकि वाणिज्यिक इस्तेमाल वाले 19 किलोग्राम के सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से घरेलू रसोई गैस के दाम दूसरी बार बढ़ाये गये हैं। इससे पहले 07 मार्च को इसमें 60 रुपये की बढ़ोतरी की गयी थी। इस दौरानए वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में भारी.भरकम वृद्धि हो चुकी है। गत 01 जून को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में इसकी कीमत 42 रुपये बढ़ाकर 3ए113ण्50 रुपये कर दी गयी थी। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से दिल्ली वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम 1ए373 रुपये बढ़ चुके हैं। इस साल फरवरी में इसकी कीमत 1ए740ण्50 रुपये थी।

भारतीय दुनिया में सबसे कम कीमत पर रसोई गैस प्राप्त करने वालों में शामिल हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को 14.2 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर प्रभावी रूप से 642 रुपये में मिल रहा है। दिल्ली में सामान्य उपभोक्ता 942 रुपये में सिलेंडर खरीद रहे हैं, जबकि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में एक सिलेंडर की आपूर्ति लागत 1,600 रुपये से अधिक हो चुकी है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) सहायता पहले चार रिफिल पर दी जाती है। इस प्रकार उन्हें सालाना 1,200 रुपये की सहायता मिलती है। गैर-उज्ज्वला उपभोक्ता भी बाजार आधारित लागत की तुलना में लगभग 700 रुपये कम कीमत पर सिलेंडर प्राप्त कर रहे हैं।

मंत्रालय ने बताया कि भारत में उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए प्रभावी एलपीजी कीमत 642 रुपये है, जबकि पाकिस्तान में समान मात्रा का सिलेंडर 1,046 रुपये, नेपाल में 1,207 रुपये, बांग्लादेश में लगभग 1,225 रुपये और श्रीलंका में 1,241 रुपये का है। वहीं, अमेरिका में इसकी कीमत लगभग 1,755 रुपये, ऑस्ट्रेलिया में 1,765 रुपये और कनाडा में 2,411 रुपये के बराबर है। मंत्रालय के अनुसार, भारत अपनी एलपीजी आवश्यकता का बड़ा हिस्सा आयात करता है और इसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तय होने वाले सऊदी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) से प्रभावित होती है। फरवरी में एलपीजी का सऊदी सीपी 542.50 डॉलर प्रति टन था, जो जून 2026 तक बढ़कर 790 डॉलर प्रति टन पहुंच गया। इस अवधि में इसमें लगभग 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

मंत्रालय ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के बावजूद भारत ने अपनी ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को बनाए रखा। देश में किसी भी पेट्रोलियम उत्पाद की कमी नहीं हुई और एलपीजी की बॉटलिंग तथा वितरण सामान्य रूप से जारी रहा।

घरेलू एलपीजी की बढ़ती लागत का पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर नहीं डाला गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां और केंद्र सरकार लागत तथा खुदरा मूल्य के बीच अंतर को वहन कर रही हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक घरेलू एलपीजी पर संचयी अंडर-रिकवरी लगभग 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 41,338 करोड़ रुपये थी। इस मद में केंद्र सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति को मंजूरी दी है। मंत्रालय ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत अब तक 10.58 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

❐ दुनिया में सबसे सस्ती रसोई गैस पाने वाले देशों में भारत, उज्ज्वला लाभार्थियों को 642 रुपये में मिल रहा सिलेंडर: केंद्र

एलपीजी कीमतों में बढ़ोतरी पर खरगे का केंद्र पर हमला, बोले- बढ़ती महंगाई ने बिगाड़ा आम जनता का बजट

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी को लेकर केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों ने आम लोगों, खासकर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों की आर्थिक परेशानियों को बढ़ा दिया है। महंगाई के कारण घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है और आम उपभोक्ताओं की रसोई का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस दावे का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने संसद में पश्चिम एशिया में संघर्ष जैसी परिस्थितियों के बावजूद 41 देशों से ईंधन आपूर्ति के विविधीकरण की बात कही थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि यदि सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति के इतने व्यापक विकल्प विकसित कर लिए हैं, तो ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी एलपीजी की ● शेष पेज 11 पर

'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र के साथ नितिन नवीन ने झारखंड भाजपा को दिया 2029 का लक्ष्य, संगठन मजबूती पर जोर

एजेंसी

रांची,। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने झारखंड भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का मंत्र देते हुए वर्ष 2029 के लक्ष्य को लेकर अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश टीम का गठन आगामी राजनीतिक चुनौतियों और वर्ष 2029 के लक्ष्य को ध्यान में रखकर किया गया है तथा यही टीम भविष्य के चुनावी अभियान का नेतृत्व करेगी। नितिन नवीन रविवार को अपने दो दिवसीय झारखंड प्रवास के दूसरे और अंतिम दिन प्रदेश कार्यालय में आयोजित महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रदेश पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, प्रदेश मीडिया टीम, प्रवक्ता, सोशल मीडिया और आईटी सेल के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम् के साथ हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा झारखंड का मजबूत राजनीतिक आधार रही है और भविष्य में भी रहेगी। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बावजूद जनता के बीच भाजपा के प्रति विश्वास और समर्थन कायम है। उन्होंने स्वीकार किया कि पार्टी जनता का भरोसा पूरी तरह जीतने में सफल नहीं रही, लेकिन अब निराशा को आशा में बदलने और संगठन को नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ाने का समय है। नितिन नवीन ने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रियता बढ़ाने, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और जनता के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आज विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है, जिसके करोड़ों सदस्य और लाखों सक्रिय कार्यकर्ता हैं। ऐसे में संगठन की ताकत को और प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ता और कार्यक्रम दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रदेश से लेकर मंडल स्तर तक नियमित ● शेष पेज 11 पर

सिर्फ 5 दिन की सुनवाई बाद इंसाफ: बांग्लादेश में 8 साल की बच्ची के रेप-हत्या मामले में ऐतिहासिक फैसला, आरोपी दम्पति को

बांग्लादेश । बांग्लादेश की एक अदालत ने आठ साल की बच्ची के बलात्कार और हत्या के मामले में एक दंपति को रविवार को मौत की सजा सुनाई। अदालत ने सिर्फ पांच दिन की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुनाया, जिसके मद्देनजर अभियोजकों ने इसे देश में हत्या के किसी मुकदमे का सबसे तेजी से निपटारा करार दिया। ढाका मेट्रोपॉलिटन बाल उत्पीड़न रोकथाम न्यायाधिकरण ने घटना के 19 दिन बाद दोषियों की सजा का डलान किया। इस मामले ने देशभर में आक्रोश पैदा किया और महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ हिंसा को लेकर चिंताएं फिर बढ़ा दीं। न्यायमूर्ति मसरूर सालेकिन ने सोहेल राणा और उसकी पत्नी स्वप्ना खातून को मौत की सजा सुनाई तथा उन पर क्रमशः पांच लाख टका और दो लाख टका का जुर्माना भी लगाया। उन्होंने जुर्माने की राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति सालेकिन ने कहा, ''उन्हें (दोषियों को) फांसी की सजा सुनाई जाती है।'' उन्होंने कहा कि अगर दोषी जुर्माना अदा नहीं करते हैं, तो उनकी चल और अचल संपत्तियों को जब्त कर नीलाम किया जा सकता है, ताकि राशि की वसूली की जा सके। अभियोजकों के मुताबिक, अदालत में आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद पांच दिन के भीतर सुनवाई पूरी कर फैसला सुना दिया गया, जिससे यह बांग्लादेश के इतिहास में सबसे तेजी से निपटाया जाने वाला हत्या का मामला बन गया। कोई भी निजी वकील दंपति की पैरवी करने को तैयार नहीं हुआ, जिसके ● शेष पेज 11 पर

बंगाल में भी लागू होगी 'आयुष्मान भारत' योजना, केंद्र और राज्य सरकार के बीच सोमवार को होगा समझौता

नई दिल्ली । पश्चिम बंगाल सरकार सोमवार को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' में शामिल होने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करेगी। इसके साथ ही बंगाल इस विश्व की सबसे बड़ी सार्वजनिक वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा योजना को लागू करने वाला देश का 36वां राज्य बन जाएगा। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार इस योजना के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) और पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के बीच नई दिल्ली के विज्ञान भवन में समझौता ● शेष पेज 11 पर

संक्षेप

कोलकाता में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस पर बाइक रैली में शामिल हुए दिलीप घोष

कोलकाता। कोलकाता में अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रविवार को कोलकाता पुलिस और अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर से एक विशेष बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में भाजपा नेता दिलीप घोष भी शामिल हुए।

रैली की शुरुआत अमेरिकी वाणिज्य दूतावास से हुई। इसके बाद बाइक सवारों ने विक्टोरिया मेमोरियल, प्रिंसेप घाट और लालबाजार का चक्कर लगाया और फिर वापस अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पहुंचकर रैली का समापन किया।

कार्यक्रम में अमेरिकी महावाणिज्यदूत कैथी जाईलश-डियाज, अमेरिकी सैनिकों के साथ कोलकाता पुलिस के महिला और पुरुष अधिकारी भी मौजूद रहे। रैली में अमेरिकी कंपनी की प्रसिद्ध हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों का उपयोग किया गया।

इस अवसर पर दिलीप घोष ने कहा कि भविष्य में भारत और विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में सुपरबाइक चलाने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छी और सुरक्षित सड़कें बनने से देश-विदेश की विभिन्न सुपरबाइकों को यहां चलाने का अवसर मिलेगा।

भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक: विदेश मंत्रियों ने की व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो के साथ 8वीं भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्रालय के अनुसार दोनों मंत्रियों ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। साथ ही, उन्होंने राजनीतिक, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री, व्यापार और निवेश, फार्मा और स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल, ऊर्जा, कनेक्टिविटी, अंतरिक्ष, शिक्षा, कांसुलर और सांस्कृतिक क्षेत्रों तथा लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। मंत्रियों ने इस बात पर गौर किया कि राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच हुई बातचीत ने द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान की है।

नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव : शिवराज सिंह

एजेंसी

❐ विदिशा में दो दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर में दूसरे दिन भी शामिल हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री

विदिशा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने के लिए गांव-गांव में समितियों का गठन किया जाएगा और व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज ही स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र की मजबूत नींव होता है, इसलिए इस अभियान को समाज के हर वर्ग का सहयोग मिलना आवश्यक है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को विदिशा के मेडिकल कॉलेज में निशुल्क कैंसर जांच शिविर के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नशा मुक्ति अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हम सब मिलकर नशे के खिलाफ ऐसी सामाजिक शक्ति खड़ी करेंगे, जो आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दे सके। उन्होंने नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि इच्छुक लोग 8929629475 पर मिस्ड कॉल देकर या फिर कैटेगरी में अपना पंजीयन करा सकते हैं। दरअसल, विदिशा मेडिकल कॉलेज में केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान की पहल पर यह दो दिवसीय निशुल्क कैंसर जांच शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में विदिशा संसदीय क्षेत्र सहित दूसरे जिलों के मरीजों की भी कैंसर जांच की गई। उन्होंने कहा कि यह सेवा का महायज्ञ लगातार आगे बढ़ रहा है और जांच के दौरान बड़ी संख्या में कैंसर के संदिग्ध मामलों का सामने आना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि केवल जांच और परामर्श तक यह अभियान सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रत्येक मरीज के उपचार की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान टाटा मेमोरियल अस्पताल और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही। हर मरीज के उपचार की बनेगी अलग कार्ययोजना केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि, ● शेष पेज 11 पर

विपक्षी गठबंधन की बैठक में 23 दल होंगे शामिल, 8 जून को नई दिल्ली में बैठक

नई दिल्ली । कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी। जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि, उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है, जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं, संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है। साथ ही युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात हो रहा है। सरकार निवेश के माहौल ● शेष पेज 11 पर

दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, सीबीएसई में कक्षा 9-10 के लिए तीसरी भाषा लागू करने पर रोक की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर सीबीएसई के कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा को अनिवार्य रूप से लागू करने के निर्णय पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न केवल बिना पर्याप्त तैयारी के लिया गया है बल्कि सीबीएसई की संचालन परिषद के पूर्व निर्णय के भी विपरीत है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर दिग्विजय सिंह का पत्र साझा करते हुए कहा कि कक्षा 9 और 10 के पाठ्यक्रम में तीसरी भाषा को मनमाने और बिना योजना के शामिल किया जा रहा है। यह सीबीएसई संचालन परिषद के अपने निर्णय और शैक्षणिक नियोजन के स्थापित मानकों के विपरीत है।

प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में दिग्विजय सिंह ने कहा कि उन्हें सीबीएसई के कक्षा

9 के विद्यार्थियों के अभिभावकों के एक समूह की ओर से ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसमें सत्र के बीच में तीन-भाषा नीति लागू करने का विरोध किया गया है। उन्होंने अभिभावकों की चिंताओं को वास्तविक बताते हुए इस विषय पर तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता जताई। दिग्विजय सिंह ने कहा कि सीबीएसई की संचालन परिषद ने दिसंबर 2025 की बैठक में पाठ्यचर्या समिति की उस सिफारिश को मंजूरी दी थी, जिसमें कहा गया था कि भाषाओं के ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध होने तक वर्तमान भाषा व्यवस्था जारी रखी जाए। इसके बावजूद सीबीएसई ने 15 मई को जारी परिपत्र में 1 जुलाई से कक्षा 9 में तीसरी भाषा लागू करने के निर्देश दे दिए।

उन्होंने कहा कि एनसीईआरटी ने अभी तक संबंधित भाषाओं की ग्रेडेड पाठ्य पुस्तकें जारी नहीं की हैं और सीबीएसई फिलहाल कक्षा 6 की पुस्तकों के उपयोग की सिफारिश कर रहा है। इससे हजारों विद्यालयों की शैक्षणिक योजना प्रभावित होने की आशंका है। पत्र में दिग्विजय सिंह ने दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों की विशेष परिस्थितियों का भी उल्लेख भी किया। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में हिन्दी व्यापक रूप से नहीं बोली जाती और कई स्थानीय जनजातीय भाषाएं सीबीएसई की मान्यता प्राप्त भाषाओं की सूची में शामिल नहीं हैं। संस्कृत को तीसरी भाषा के रूप में अपनाने की संभावना बढ़ रही है लेकिन योग्य संस्कृत शिक्षकों और उपयुक्त पाठ्य पुस्तकों की गंभीर कमी है।

दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वर्तमान सत्र के कक्षा 9 के विद्यार्थियों के लिए इस नीति के क्रियान्वयन को तत्काल प्रभाव से स्थगित किया जाए। इस मामले पर न्यायालय में सुनवाई लंबित है और अगली सुनवाई 15 जुलाई को निर्धारित ● शेष पेज 11 पर

विकसित भारत में समाज की होगी बड़ी भूमिका : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि भारत आज दुनिया में अवसरों की सबसे बड़ी भूमि के रूप में उभर रहा है। विशाल बाजार, युवा शक्ति और नवाचार की अपार संभावनाओं के बल पर देश विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठन, उद्योग जगत, व्यापारी समुदाय और युवा उद्यमी सामूहिक प्रयासों से इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समाज आगे बढ़ेगा तो देश भी आगे बढ़ेगा।

बिरला आज माहेश्वरी इंटरनेशनल बिजनेस फाउंडेशन (एमआईबीएफ) की ओर से आयोजित 'माहेश्वरी और विकसित भारत-2047' कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जेके माहेश्वरी, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के

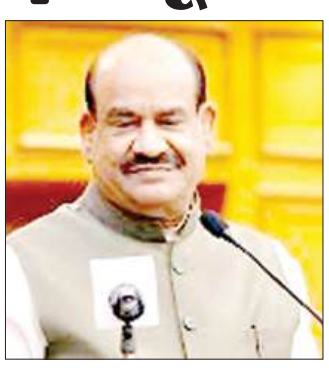

अध्यक्ष संतोष कुमार लोहाटी, एमआईबीएफ के संस्थापक अध्यक्ष प्रशांत माहेश्वरी, दीपक माहेश्वरी, उद्योगपति आनंद राठी, पूर्व सांसद श्याम जाजू सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष का सम्मान किया गया तथा प्रकाश पांडे द्वारा लिखित कोठारी बंधुओं पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भी किया गया।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश के विकास में माहेश्वरी समाज की गौरवशाली विरासत, इतिहास और योगदान महत्वपूर्ण रहा है। समाज ने व्यापार, उद्योग, सेवा और सामाजिक कार्यों के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। समाज की प्रतिष्ठा से ही व्यक्ति की प्रतिष्ठा बढ़ती है और समाज के संस्कार ही व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य केवल सरकारों के प्रयासों से पूरा नहीं होगा, बल्कि विभिन्न सामाजिक संगठनों, व्यापारिक संस्थाओं और उद्यमियों के सामूहिक योगदान से इसे साकार किया जा सकेगा। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को एक मंच पर लाकर विचार-विमर्श, सहयोग और समन्वय के माध्यम से नई संभावनाओं का निर्माण किया जा सकता है।

बिरला ने कहा कि आज भारत के पास दुनिया के सबसे बड़े बाजारों में से एक है और यहां व्यापार, उद्योग, स्टार्टअप, सेवा क्षेत्र तथा नवाचार के लिए अपार संभावनाएं मौजूद हैं। व्यापार और उद्योग से जुड़े लोग केवल आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि लाखों लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य भी करते हैं।

माहेश्वरी समाज के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज ने देश के विभिन्न हिस्सों में कठिन परिस्थितियों में भी व्यापार और सेवा के माध्यम से विश्वास कायम किया है। पूर्वोत्तर सहित देश के दूरदराज क्षेत्रों में समाज के लोगों ने आर्थिक गतिविधियों के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने महात्मा गांधी के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में उद्योग जगत की भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के शासनकाल में भी बिरला, टाटा और बजाज जैसे उद्योगपति परिवारों ने देश की आजादी के संघर्ष में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष ● शेष पेज 11 पर

पेपरलीक प्रकरण में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं: रामदास आठवले

एजेंसी

❐ -केन्द्रीय मंत्री ने कांग्रेस पर समाज में फूट डालने का लगाया आरोप

वाराणसी। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने देश में लगातार हो रही परीक्षा संबंधी गड़बड़ियों और पेपर लीक के मामलों से विरोधी दलों के साथ छात्रों के निशाने पर आए केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बचाव किया। केन्द्रीय मंत्री आठवले ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान या किसी अन्य को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन सरकार को इससे सीख लेकर भविष्य में इस तरह की गड़बड़ियां न हो, इस पर भी काम करने की जरूरत है।

केन्द्रीय मंत्री रविवार को वाराणसी में सर्किट हाउस में मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पेपर लीक करने वालों को खिलाफ सख्त प्रावधान करने जा रही है और जो भी लोग भी इस लीक मामले में शामिल रहे हैं, उन्हें सख्त सजा दी जाएगी। इस मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस सांसद राहुल पर निशाना साधते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी भ्रम फैला रहे है। वह संविधान की किताबें लेकर चलते हैं, लेकिन संविधान की बातें नहीं करते हैं। कांग्रेस पर समाज में फूट डालने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि तत्कालीन कांग्रेस की सरकारों ने मंडल कमीशन की रिपोर्ट वर्षों तक दबाए रखा। विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार जब आई तो उन्होंने सिफारिश को लागू कर हर वर्ग के साथ सामाजिक न्याय किया। आठवले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने सही मायने में सामाजिक न्याय को प्रस्तुत किया है। 2014 से ही यह सरकार आर्थिक, आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा, वैश्विक बल्कि सामाजिक मोर्चे पर भी सफल रही है। ईरान-अमेरिका युद्ध के सवाल पर केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि यह युद्ध केवल दो देशों का ही नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक को क्षति पहुंचा रहा है। युद्ध से हर व्यक्ति प्रभावित है। भारत हमेशा से ● शेष पेज 11 पर

निपुण 2.0 की तैयारी तेज, योगी सरकार कक्षा 5 तक मजबूत करेगी सीखने की बुनियाद

❒ कार्ययोजना के अंतर्गत हिंदी और गणित विषयों के लिए प्रारूप अधिगम लक्ष्य तैयार कर लिए गए है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार बुनियादी शिक्षा सुधार के अगले चरण की तैयारी में जुट गई है। निपुण भारत मिशन के माध्यम से कक्षा 1 से 3 तक आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) को मजबूत करने के बाद अब सरकार इसकी पहुंच कक्षा 5 तक बढ़ाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

इसके लिए हिंदी, अंग्रेजी, गणित और पर्यावरण अध्ययन (ईवीएस) विषयों के लिए नए अधिगम लक्ष्य और दक्षताएं निर्धारित की जा रही हैं। निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार इन दक्षताओं और लक्ष्यों को 20 जून तक अंतिम रूप देकर अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।हाल ही में यह कार्य-योजना अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में प्रस्तुत की गई। बैठक में निपुण भारत मिशन के विस्तार, कक्षा 3 से 5 तक अधिगम लक्ष्यों के निर्धारण, शिक्षक परामर्श प्रक्रिया तथा क्रियान्वयन रणनीति की प्रगति की समीक्षा की गई। इसी के आधार पर मिशन के अगले चरण की रूपरेखा को आगे बढ़ाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में निपुण भारत मिशन शिक्षा सुधार का मजबूत आधार बन चुका है। अब निपुण 2.0 के माध्यम से सरकार आधारभूत शिक्षा सुधार को अगले स्तर पर ले जाने की तैयारी कर रही है। कक्षा 3 से 5 तक मिशन के विस्तार से बच्चों की सीखने की निरंतरता मजबूत होगी, विषयगत समझ बेहतर होगी और विद्यालयों में अधिगम परिणामों को नई गति मिलेगी।

कार्ययोजना के अंतर्गत हिंदी और गणित विषयों के लिए प्रारूप अधिगम लक्ष्य तैयार कर लिए गए हैं। आगामी चरण में अंग्रेजी और ईवीएस विषयों के लिए भी लक्ष्यों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इन लक्ष्यों के माध्यम से विद्यार्थियों की कक्षावार सीखने की उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा, जिससे शिक्षकों को शैक्षणिक योजना निर्माण और अधिगम मूल्यांकन में सहायता मिलेगी।

निपुण 2.0 की रूपरेखा को व्यावहारिक और विद्यालयों की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए शिक्षकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इस दिशा में 12 शिक्षकों के साथ वर्चुअल परामर्श आयोजित किया जा चुका है। साथ ही कम से कम 10 शिक्षकों की सहभागिता के साथ परामर्श कार्यशाला आयोजित कर प्रस्तावित दक्षताओं और अधिगम लक्ष्यों का सत्यापन एवं परिष्करण किया जाएगा। इसके लिए व्यापक हितधारक परामर्श प्रक्रिया भी संचालित की जा रही है, ताकि अंतिम रूप से तैयार ढांचा विद्यालयों की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

कक्षा 3 से 5 के लिए दक्षताओं और अधिगम लक्ष्यों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद निपुण संकल्प कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला के माध्यम से जिला एवं ब्लॉक स्तर के शैक्षणिक नेतृत्व, शिक्षकों और अकादमिक टीमों को नए ढांचे से जोड़ा जाएगा तथा इसके प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति तैयार की जाएगी।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता: ए के शर्मा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने आज मधुबन क्षेत्र स्थित इंदिरा गांधी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, डुमरी मर्यादपुर, मऊ में आयोजित एडिप एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, ट्राईसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरण वितरित किए। कार्यक्रम में 2500 से अधिक लाभार्थियों को विभिन्न प्रकार के सहायक उपकरण प्रदान किए गए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि मधुबन और दोहरीघाट क्षेत्र के विकास एवं जनसेवा से उनका जुड़ाव आज का नहीं है। कोरोना काल के दौरान भी उन्होंने निरंतर क्षेत्र के लोगों की सहायता की और तब से लेकर आज तक क्षेत्र के विकास एवं जनकल्याण के लिए लगातार प्रयासरत हैं।

मधुबन, दोहरीघाट एवं मऊ के विकास के लिए हरसंभव प्रयास जारी रहेंगे

मंत्री श्री शर्मा ने कहा कि मऊ जनपद को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि मधुबन, दोहरीघाट और पूरे मऊ जिले के विकास में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी तथा सड़क, बिजली, पेयजल, नगरीय सुविधाओं एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से क्षेत्र का चौतरफा विकास सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान हजारों दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली। लाभार्थियों ने मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल एवं अन्य सहायक उपकरण प्राप्त कर सरकार एवं जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित जन प्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं क्षेत्रीय नागरिकों का मंत्री श्री शर्मा ने हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

दुबग्गा, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली क्षेत्र में एक 35 वर्षीय युवक ने कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना ग्राम सिकरौरी की है। जहां निवासी सुनील यादव (35) पुत्र स्वर्गीय रणधीर सिंह का शव उनके घर के कमरे में फांसी के फंदे से लटका मिला। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया जानकारी में सामने आया है कि 6 जून की शाम करीब 7 बजे सुनील यादव ने अपने कमरे में छत पर लगे पंखे से साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी देर तक कोई प्रतिक्रिया न मिलने पर परिजनों ने दूसरे रास्ते से कमरे में प्रवेश किया, जहां सुनील फंदे से लटके मिले। परिजन उन्हें तत्काल उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर, केजीएमयू लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के भाई जितेंद्र सिंह उर्फ विक्की यादव ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि सुनील नशे का आदी था और आशंका है कि उसने नशे की हालत में यह कदम उठाया। दुबग्गा पुलिस ने पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। मामले में अन्य आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

नगराम में नशे के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, घर से गांजा बेच रही महिला गिरफ्तार

नगराम, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ नगराम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने रविवार की दोपहर ग्राम करोरा निवासी फूलमती गौतम के घर पर छापेमारी कर उसके कब्जे से 785 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि महिला घर से ही चोरी-छिपे गांजा बिक्री का कारोबार कर रही थी। तलाशी के दौरान गांजा 161 छोटी और 2 बड़ी पुड़ियों में रखा हुआ मिला। आरोपी महिला के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध नशे के कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पीएम पार्क टेक्सटाइल योजना में किसानों ने उठाई 'एक योजना, एक रेट' मुआवजे की मांग

माल,लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के माल स्थित अटारी में प्रस्तावित पीएम पार्क टेक्सटाइल योजना एवं रैथा से अटारी तक प्रस्तावित आउटर रिंग रोड संपर्क मार्ग के लिए अधिग्रहित की जा रही भूमि के मुआवजे को लेकर किसानों ने एक बैठक आयोजित कर शासन-प्रशासन से ''एक योजना, एक रेट'' के आधार पर मुआवजा निर्धारित करने की मांग की है। बैठक में ग्राम अउ मऊ, खखरा, कोलवा, धनौर, रनीपारा सहित दर्जनों गांवों के किसान शामिल हुए। किसानों का कहना है कि अधिग्रहित भूमि का मूल्यांकन एक समान दर पर किया जाए तथा आम के पेड़ों का भी उचित और एकरूप मुआवजा निर्धारित किया जाए, जिससे किसी किसान के साथ भेदभाव न हो। बैठक का नेतृत्व मलिहाबाद के पूर्व विधायक प्रत्याशी जगदीश रावत ने किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसान अपनी जमीन और बागों के उचित मूल्य को लेकर चिंतित हैं। किसानों की मांग है कि भूमि एवं पेड़ों के मुआवजे की दरें पारदर्शी तरीके से तय की जाएं। किसानों ने निर्णय लिया कि वे जल्द ही संबंधित अधिकारियों से मिलकर अपनी मांगों को प्रमुखता से रखेंगे और भूमि अधिग्रहण के संबंध में उचित मुआवजा सुनिश्चित कराने का अनुरोध करेंगे। बैठक में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर एकजुटता का प्रदर्शन किया।

काजीखेड़ा में लगने वाला बड़े बाबा का मेला संपन्न

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। गोसाईगंज इलाके के गांव काजीखेड़ा में गाँव के बाहर स्थित बड़े बाबा देवस्थान पर प्रतिवर्ष लगने वाला मेला सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया । मेले में बड़ी संख्या में दुकाने मौजूद थी। मेला देखने पहुंचे लोग अपनी पसंद के सामान खरीदते हुए दिखाई दिए तो मेलार्थियों के मनोरंजन के लिए लिए आल्हा गायन का कार्यक्रम चल रहा था। मेला प्रबंधक सुरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि यह मेला 40 वर्षों निरंतर चल रहा है। इसने गाँव और क्षेत्र वासियों का सहयोग रहता है। उन्होंने कहा कि मेला लगातार प्रगति कर रहा है।

क्रिकेट खेलने जा रहे युवक लाठी-डंडों से हमला

लखनऊ , कैनविज टाइम्स संवाददाता। सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में क्रिकेट खेलने जा रहे एक युवक पर लाठी-डंडों से हमला किया गया। यह घटना 4 जून 2026 की शाम करीब 5:30 बजे हुई, जब वैभव तिवारी अपने दो दोस्तों शुभ यादव और आर्यन साहू के साथ मछली फार्म की ओर जा रहा था। सूबेदार रविंद्र कुमार तिवारी के बेटे वैभव तिवारी पर एक सफ़ेद रंग की स्विफ्ट कार (यूपी 32 आरजे 5506) से उतरे दो युवकों ने हमला किया। उन्होंने वैभव को गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा। खेत में मौजूद लोगों के शोर मचाने पर हमलावर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर जब वैभव के पिता रविंद्र कुमार तिवारी घटनास्थल पर पहुंचे, तो वहां मौजूद चरवाहों ने बताया कि दो युवक गाड़ी से उतरकर बच्चे को बेरहमी से पीट रहे थे। चरवाहों ने हमलावरों की पहचान अमित रावत पुत्र राम हरक निवासी निजामपुर मजगवां और रोहित पुत्र सुखराम निवासी भुय्यन पुरवा हसनपुर खेवली के रूप में की। सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

लखनऊ-हरदोई हाईवे पर चलती कार में लगी भीषण आग, बाल-बाल बचा चालक

मलिहाबाद, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ-हरदोई राष्ट्रीय राजमार्ग के मुजासा फ़्लाईओवर पर दोपहर में एक चलती कार में अचानक आग लग जाने से हड़कंप मच गया। कार में आग लगते ही चालक ने तत्काल वाहन रोककर बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस के अनुसार रविवार दोपहर करीब 1 बजे फोर्ड इकोस्पोर्ट कार यूपी 30 एजे 0786 लखनऊ से हरदोई की ओर जा रही थी। कार चला रहे अब्दुल बासित पुत्र मोहम्मद शाहिद निवासी रेलवेगंज, हरदोई अचानक वाहन से धुआं निकलता देख सतर्क हो गए। कुछ ही देर में कार में आग भड़क उठी। चालक ने तत्परता दिखाते हुए वाहन से बाहर निकलकर खुद को सुरक्षित कर लिया। घटना की जानकारी मिलते ही मलिहाबाद पुलिस और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंच गई। दमकल कर्मियों ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक वाहन का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। गनीमत रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस ने बताया कि स्थिति पूरी तरह सामान्य है और यातायात व्यवस्था भी सुचारु रूप से संचालित कराई गई। मामले की जांच की जा रही है।

दहेज हत्या के आरोपी वांछित बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, तमंचा व बाइक बरामद

कैनविज टाइम्स सवाददाता

ढखेरवा,पढ़ुआ-खीरी। पढ़ुआ थाना पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे वांछित आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी रॉबिन अली पुत्र मैकू निवासी ग्राम ढखेरवा खालसा थाना पढ़ुआ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पढ़ुआ थाना क्षेत्र में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को यह सफलता मिली। क्षेत्राधिकारी निघासन के पर्यवेक्षण और थाना प्रभारी पढ़ुआ के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा आरोपी की तलाश की जा रही थी। दरअसल, थाना सिंगाही क्षेत्र के ग्राम सिंगाही देहात निवासी शहनाज पुत्री सिराजुद्दीन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। परिजनों की तहरीर पर मृतका के पति रॉबिन अली, ननद रुखसाना, भाई छोटू, ससुर मैकू, बहनोई इकबाल व सास के विरुद्ध पढ़ुआ थाने में दहेज उत्पीड़न व दहेज हत्या के संबंध में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस टीम द्वारा लगातार दबिश दी जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि वांछित आरोपी रॉबिन अली ढखेरवा खालसा क्षेत्र में मौजूद है। सूचना पर पुलिस टीम ने ढखेरवा खालसा तिराहा गन्ना सेंटर के पास घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी ने पुलिस टीम पर अवैध तमंचे से फायर कर दिया और भागने का प्रयास किया। आत्मरक्षा और आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा, जिंदा व खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सीडी डीलक्स बरामद हुई है। घायल आरोपी को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल खीरी भेजा गया है। पढ़ुआ थाना प्रभारी मोहित पुंडीर ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी दहेज हत्या के मामले में वांछित था। और पुलिस पर फायरिंग कर भागने की कोशिश कर रहा था। बरामदगी के संबंध में अलग से मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से कई शिकायतें दर्ज हैं।

जुए के फड़ पर महिगवां पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच गिरफ्तार

❒ थाना प्रभारी महिगवां राधेश्याम मौर्य का बड़ा एक्शन, जुआ खेलते 5 आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी,एडीसीपी उत्तरी ट्विंकल जैन एवं एसीपी बीकेटी विकास पांडेय के निर्देशन में अपराध एवं अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना महिगवां पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने जुए के फड़ पर छापेमारी कर पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

मौके से नगदी और ताश के पत्ते बरामद किए गए हैं।थाना प्रभारी महिगवां राधेश्याम मौर्य के नेतृत्व में पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम उनई स्थित माता मंदिर के पास तालाब किनारे बाग में कुछ लोग हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश देकर पांच आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संदीप कुमार (25 वर्ष) निवासी ग्राम उनई, अमित कुमार (18 वर्ष) निवासी ग्राम उनई, रफीक (34 वर्ष) निवासी ग्राम धरौरा, कुलदीप (30 वर्ष) निवासी ग्राम किशुनपुर थाना इटौंजा तथा छोटू उर्फ छुट्टन (35 वर्ष) निवासी ग्राम मिश्रीपुर थाना महिगवां के रूप में हुई है।पुलिस ने जुए के फड़ से 18 हजार रुपये नकद एवं 52 ताश के पत्ते बरामद किए। वहीं गिरफ्तार अभियुक्तों की तलाशी के दौरान 1,380 रुपये अतिरिक्त बरामद हुए। इस प्रकार कुल 19,380 रुपये नकद बरामद किए गए।इस संबंध में थाना महिगवां पर धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।कार्रवाई करने वाली टीम में थाना प्रभारी राधेश्याम मौर्य, उपनिरीक्षक सतीश सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक गौरी शंकर यादव, कांस्टेबल प्रदीप कुमार, अरविंद कुमार, आकाश कुमार, बनारसी, संजय कुमार गौतम, रणविजय तथा अश्वनी राठौर शामिल रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, समावेशी और जनहितकारी बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री के निर्णय का आयुष मंत्री ने किया स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ, समावेशी और जनहितकारी बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत आयुष चिकित्सा पद्धतियों को भी शामिल किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि आयुर्वेद, यूनानी एवं होम्योपैथी जैसी आयुष पद्धतियों की आईपीडी सेवाओं को योजना से जोड़ा जाए, ताकि काशी एवं प्रदेशवासियों को पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से भी कैशलेस उपचार की सुविधा प्राप्त हो सके। इस निर्णय के बाद मरीजों को आयुष चिकित्सा के तहत बिना आर्थिक बोझ के गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध हो सकेगा। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, गरीब एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के लिए यह पहल किसी बड़ी राहत से कम नहीं मानी जा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहजता और सम्मानपूर्वक पहुंचे। प्रदेश के आयुष मंत्री डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने मुख्यमंत्री के इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में नया मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को जनसामान्य तक पहुंचाने के लिए प्रभावी और दूरदर्शी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि आयुष चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक तकनीक और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़कर एक मजबूत एवं भरोसेमंद स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित की जा रही है, जिससे हर नागरिक को सुलभ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिल सके।

सिगरा स्थित कैम्प कार्यालय पर मीडिया से बात चीत के बाद पीआरओ गौरव राठी द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कहा कि कैशलेस इलाज की यह सुविधा विशेष रूप से गरीब, ग्रामीण और जरूरतमंद मरीजों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी। सरकार की प्राथमिकता है कि आर्थिक अभाव किसी भी व्यक्ति के उपचार में बाधा न बने और प्रत्येक नागरिक को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार पर कसा तंज, शिक्षा, बेरोजगारी और महिलाओं की सुरक्षा पर जताई चिंता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। महाराजगंज के बछरावां रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने आयोजित बुद्ध जन्मोत्सव समारोह में जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंच से सरकार को जमकर घेरा। उन्होंने अपने संबोधन में देश में शिक्षा के गिरते स्तर, पेपर लीक की घटनाओं, सरकारी कंपनियों के निजीकरण, बढ़ती बेरोजगारी, महिलाओं की सुरक्षा और उनके साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार पर चिंता जताई। इसके अलावा उन्होंने 47,764 स्कूलों के बंद होने और शिक्षकों से असंगत मांगों जैसे मुद्दों पर भी सरकार की आलोचना की।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने उपस्थित जनता से भारतीय संविधान का सम्मान करने और जाति-पाति, उच्च-नीच के भेदभाव को मिटाकर ङ्कमनुष्य एक है, जियो और जीने दोङ्क की विचारधारा अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा, ''सनातन सूर्य और ऑक्सीजन की तरह समानता सभी को मिलनी चाहिए, जाति या पाति के भेद से कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।'' मौजूदा सरकार पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार समाज में जातिगत और निजी भेदभाव का भ्रम फैलाकर लोगों को आपस में लड़वा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि चाहे कोई भी विदेशी व्यक्ति हमारे देश की महिला से विवाह करे या हमारे देश का व्यक्ति विदेश की महिला से विवाह करे, बच्चे समान होंगे, इसका अर्थ है कि मानवता और समानता से बड़ा कोई भेदभाव नहीं स्वामी प्रसाद मौर्य ने बढ़ती महंगाई, रसोई गैस के बढ़ते दाम और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने देश के आर्थिक संकट पर भी अपने विचार साझा किए और जनता को जागरूक होने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में स्वामी प्रसाद मौर्य के साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश शत्रुघ्न मौर्य, प्रेमचंद मौर्य (जिलाध्यक्ष जनता पार्टी), कोरी सुभाष चन्द्र लहरी (प्रदेश अध्यक्ष), ब्रम्ह कुमार मौर्य, छोटेलाल मौर्य, बाला प्रसाद मौर्य, जगजीवन मौर्य, रामनरेश मौर्य, विजय कुमार मौर्य, राम नारायण मौर्य, रामबचन मौर्य समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ससुराल में युवक की संदिग्ध मौत पर बवाल हत्या का मुकदमा दर्ज कराने की मांग

❒ परिजनों ने रोका अंतिम संस्कार, प्रदर्शन के बाद चार पर केस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। क्षेत्र के ओनई जंगल मजरे जतुवा गांव निवासी एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले ने रविवार को तूल पकड़ लिया। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा। उन्होंने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज किए जाने तक अंतिम संस्कार करने से इंकार कर दिया और शव रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। कई घंटे तक चले हंगामे और प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ, जिसके बाद परिजनों ने अंतिम संस्कार किया।

जानकारी के अनुसार, ओनई जंगल निवासी 24 वर्षीय बृजेश कुमार का शव शनिवार सुबह उसकी ससुराल गोलहा मजरे थुलवासा स्थित एक कमरे में गमछे के फंदे से लटका हुआ मिला था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि बृजेश की हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया। परिजनों ने बताया कि शव फंदे से लटका जरूर था, लेकिन उसके पैर जमीन पर मुड़े हुए थे, जिससे उन्हें घटना संदिग्ध प्रतीत हुई।

मृतक के बड़े भाई ने घटना के तुरंत बाद पुलिस को तहरीर देकर ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या की आशंका जताई थी। परिजनों का आरोप है कि तहरीर देने के बावजूद एक दिन तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसी नाराजगी के चलते रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचते ही परिवार और ग्रामीणों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने स्पष्ट कहा कि जब तक आरोपितों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज नहीं किया जाएगा, तब तक अंतिम संस्कार नहीं किया जाएगा।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार मौके पर पहुंचे। बढ़ते तनाव और ग्रामीणों की भीड़ को देखते हुए कई थानों की पुलिस भी बुला ली गई। इसके बावजूद परिजन अपनी मांग पर अड़े रहे। गांव में कई घंटों तक तनावपूर्ण माहौल बना रहा और प्रशासन लगातार परिजनों को समझाने का प्रयास करता रहा।दोपहर करीब 12 बजे उपजिलाधिकारी गौतम सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त किया कि उनकी तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की ओर से कार्रवाई का भरोसा मिलने के बाद परिजन शांत हुए और अंतिम संस्कार के लिए सहमत हुए।

इसके बाद मृतक बृजेश के बड़े भाई की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मृतक की पत्नी सोमवती, साली फूलमती, ससुर देवता दीन तथा सास माधुरी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मृतक के ससुराल पक्ष के चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण क्षेत्र में हुई इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी की निगाहें पुलिस जांच पर टिकी हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि युवक की मौत आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश छिपी हुई है।

रेलवे ने कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के लिए की विशेष व्यवस्थाएं

प्रयागराज । उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) द्वारा 08, 09 एवं 10 जून को आयोजित कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2026 के दौरान परीक्षार्थियों की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज मंडल ने व्यापक एवं विशेष व्यवस्थाएं की हैं। इसके लिए मंडल कार्यालय स्थित वार रूम में अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। परीक्षार्थियों एवं अन्य यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आवश्यकता पड़ने पर परीक्षा विशेष ट्रेनों का संचालन भी किया जाएगा।

यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने रविवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रयागराज मंडल द्वारा परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रयागराज जंक्शन, कानपुर सेंट्रल, अलीगढ़ जंक्शन, इटावा तथा मिर्ज़ापुर स्टेशनों पर अतिरिक्त रेक उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल विशेष ट्रेनों का संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त परीक्षा अवधि के दौरान प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन, टिकट व्यवस्था, सुरक्षा एवं यात्री सुविधाओं के लिए विशेष कार्ययोजना लागू की गई है।

दिव्यांगजनों के जीवन में बदलाव ला रही योगी सरकार की पेंशन योजना

- योजना से लाभार्थियों को आर्थिक सुरक्षा और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिला है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के लाखों दिव्यांगजनों के जीवन में दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान/पेंशन योजना से सकारात्मक बदलाव आएं हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित इस योजना से लाभार्थियों को आर्थिक सुरक्षा और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिला है।

लाभार्थियों का कहना है कि समय पर पेंशन मिलने से दवा, भोजन और अन्य जरूरी खर्चों को पूरा करने में मदद मिल रही है। कई परिवारों के लिए यह पेंशन जीवनयापन का सहारा बन गई है। लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री योगी की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की यह पहल उनके जीवन को आसान और सुरक्षित बना रही है। पेंशन से घर की आर्थिक स्थिति को मिली मजबूतीबाराबंकी की रहने वाली आशा और उनके पति हरिलाल ने बताया कि पेंशन मिलने से उनके घर की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए कहा कि सरकार की इस सहायता से परिवार को बड़ी राहत मिली है। हरिलाल ने बताया कि उनकी पत्नी आशा एक हाथ से दिव्यांग हैं, जबकि वह स्वयं सांस की गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं।

स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण वह नियमित रूप से काम नहीं कर पाते हैं। ऐसे में दिव्यांग पेंशन उनके परिवार के लिए जीवनरेखा का काम कर रही है।योगी सरकार से पेंशन राशि बढ़ाने की मांगहरिलाल ने बताया कि समय पर पेंशन मिलने से दवा और अन्य आवश्यक जरूरतों का खर्च निकल जाता है, जिससे उन्हें आर्थिक सहायता के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता है। उन्होंने बताया कि उनकी चार बेटियां हैं और सीमित आय के बीच परिवार का भरण-पोषण करना किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन पेंशन मिलने से काफी सहारा मिला है।पेंशन योजना दिव्यांगजनों के लिए साबित हो रही उपयोगीइसी तरह लखनऊ के गोसाईगंज निवासी 35 वर्षीय कौशल को भी पिछले 5-6 साल से पेंशन का लाभ मिल रहा है।

कौशल ने बताया कि योगी सरकार आने के बाद उन्हें दिव्यांग पेंशन का लाभ मिलना शुरू हुआ है। उन्हें प्रत्येक तीन महीने पर तीन हजार रुपये की पेंशन मिलती है, जिससे उनके जीवन-यापन में काफी मदद मिलती है। कौशल बाएं पैर से दिव्यांग हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा समय पर पेंशन दिए जाने से उनकी आर्थिक परेशानियां काफी हद तक कम हुई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की यह योजना दिव्यांगजनों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हो रही है।पेंशन से मिल रही बड़ी राहतः लाभार्थीलखनऊ के रहने वाले लाभार्थी रजनीश ने भी योजना की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें पिछले कई वर्षों से दिव्यांग पेंशन का लाभ मिल रहा है।

उन्होंने बताया कि वह खेती-किसानी के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं, लेकिन सरकार की ओर से मिलने वाली पेंशन उनके लिए बड़ी राहत साबित हो रही है।योगी सरकार में लाखों दिव्यांगजनों को मिल रही सहायताप्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 में इस योजना के तहत 12 लाख से अधिक पात्र दिव्यांगजनों को आर्थिक सहायता मिली है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र लाभार्थी को प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जा रही है। योगी सरकार की इस पहल से ऐसे दिव्यांगजन, जिनके पास आजीविका का कोई स्थायी साधन नहीं है और जो अपनी शारीरिक स्थिति के कारण नियमित कार्य करने में असमर्थ हैं, उन्हें बड़ी राहत मिल रही है।

अपना दल एस की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । अपना दल एस जनपद लखनऊ की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सुल्तानपुर मार्ग पर स्थित रहमतनगर गांव में सम्पन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरिओम पटेल ने किया द्यकार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में किसान मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष किसान राम कुमार पटेल मौजूद रहे। इस आयोजन में राज बहादुर पटेल (मुंशी जी)

अति विशिष्ट अतीत के रूप में उपस्थित रहें और विशिष्ट अतिथि परमेश्वर दीन धीमान रहे द्य पार्टी में संगठन विस्तार परचर्चा की गई। 2 जुलाई को बोधिसत्व डॉक्टर सोने लाल पटेल की जयंती समारोह मनाया जाना है । कार्यक्रम जन स्वाभिमान दिवस के रूप में मनाया जाएगा।इस मौके पर अधिक से अधिक संख्या लोगों के पहुंचने का आग्रह किया गया।

किसान मंच के जिला अध्यक्ष दिलीप पटेल के द्वारा संगठन के उपाध्यक्ष प्रमोद पटेल, जिला उपाध्यक्ष किसान मंच शोभित पटेल, जिला उपाध्यक्ष हिमांशु गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष किसान मंच कुलदीप वर्मा, जिला महासचिव किसान मंच राम सिंह धीमान , जिला कोषाध्यक्ष किसान मंच हनुमान प्रसाद गौतम , जिला महासचिव किसान मंच पवन वर्मा गुड्डू , जिला महासचिव किसान मंच अंकित वर्मा , जिला सचिव किसान मंच शैलेंद्र पटेल, विधानसभा अध्यक्ष मोहनलालगंज किसान मंच कल्याण सिंह रावत , विधानसभा उपाध्यक्ष किसान मंच मोहनलालगंज होरीलाल , एवं जिला सचिव किसान मंच ज्ञानेंद्र वर्मा , जिला उपाध्याय महिला मंच पूजा साहू , जिला उपाध्याय अल्प संख्याक मंच मोहम्मद रियाज को मनोनयन पत्र देने व माला पहनकर उनका स्वागत किया गया।

कार्यक्रम का संचालन राहुल पटेल ने किया ।कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष कन्हैया लाल पटेल जिला सचिव, तुसार साहू , जिला सचिव सुरेश रावत जोगी, जिला महासचिव युवा मंच , सुचान पटेल, विधान सभा अध्यक्ष मोहन लाल गंज ,राम करण रावत, जोन अध्यक्ष गोसाई गंज , बाबू लाल गौतम , समेत तमाम कार्यकर्ता साथी उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ ने ऐशबाग स्टेशन पर निःशुल्क शीतल जल एवं शर्बत किया वितरित

- दोनों ग्रुपों के लगभग 30 स्काउट एवं गाइडों सहित उनके लीडरों ने सक्रिय सहभागिता की

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । पूर्वोत्तर रेलवे भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ ने रविवार को ऐशबाग स्टेशन पर यात्रियों एवं आमजन की सुविधा के लिए निःशुल्क शीतल जल एवं शर्बत वितरण सेवा का आयोजन किया। भीषण गर्मी के दृष्टिगत ''जल ही जीवन है'' विषय को केंद्र में रखकर आयोजित इस सेवा कार्यक्रम का संचालन कोहिनूर गाइड ग्रुप, ऐशबाग की ग्रुप लीडर रुक्मणी शर्मा तथा अजंता स्काउट ग्रुप, ऐशबाग के ग्रुप लीडर नसीम अख्तर, चंदन यादव एवं स्काउट मास्टर मनीष पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में भूमिका शर्मा,वर्षा कुमारी आरोही सिंह, विनीता हेल, पिरषा शर्मा , अमित यादव, अंकित शर्मा, संदीप सिंह, दिलीप यादव, मोहम्मद अदनान, नीरज आनंद, आयुष्मान सिंह, आयुष सिंह, आर्यन वर्मा, मनीष आनंद आदि दोनों ग्रुपों के लगभग 30 स्काउट एवं गाइडों सहित उनके लीडरों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए यात्रियों को शीतल जल एवं शर्बत वितरित किया। इस अवसर पर जिला संघ के पूर्व एवं वर्तमान पदाधिकारियों के साथ ही पूर्व पार्षद गणेश कनौजिया, आर एन गर्ग , अरविंद वर्मा कमर्शियल डिपार्टमेंट के फूलचंद ,जैन सिंह एवं वहां उपस्थित रेल कर्मचारियों ने भी अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। यात्रियों द्वारा इस जनसेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम की सराहना की गई। कार्यक्रम के माध्यम से स्काउट एवं गाइड संगठन द्वारा सेवा, अनुशासन एवं जनकल्याण की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

भारतीय जन उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मीडिया प्रभारी बने धीरेन्द्र मिश्रा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । जानकीपुरम के नहर रोड शुक्ला चौराहा स्थित भारतीय जन उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय पर रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों, जिला अध्यक्षों, महामंत्रियों तथा विभिन्न इकाइयों के अध्यक्ष एवं महामंत्रियों ने सहभागिता की। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों एवं भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने एक महीने का विशेष सदस्यता अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस अभियान की समीक्षा भी जाएगी। बैठक के दौरान सभी पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से वरिष्ठ पत्रकार धीरेन्द्र मिश्रा को भारतीय जन उद्योग व्यापार मंडल का प्रदेश मीडिया प्रभारी मनोनीत किया। मनोनयन की घोषणा के बाद संगठन की ओर से उन्हें पटका पहनाकर, पुष्पगुच्छ एवं श्रीमद्भागवत गीता भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में धीरेन्द्र मिश्रा का अनुभव, सक्रियता एवं समर्पण संगठन को नई दिशा प्रदान करेगा। उनकी प्रतिभा, कार्यकुशलता और लगन से संगठन की गतिविधियों एवं व्यापारियों की आवाज को व्यापक स्तर पर प्रभावी ढंग से पहुंचाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा। भारतीय जन उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. डी. सिंह बैसवारा ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह केवल आशा ही नहीं, बल्कि संगठन के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों का पूर्ण विश्वास है कि धीरेन्द्र मिश्रा अपने दायित्वों का उत्कृष्ट निर्वहन करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बंद पड़ी फैक्ट्री में पेड़ से लटका मिला युवक का शव

बख्शी का तालाब, लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के गोसाईनपुरवा गांव में एक चाय कारोबारी का शव गांव के बाहर स्थित बंद पड़ी फैक्ट्री परिसर में आम के पेड़ से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक रविवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे सूचना मिली कि गोसाईनपुरवा गांव में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान पता चला कि गोसाईनपुरवा मजरा देवरी रुखारा निवासी प्रेमचंद गोस्वामी (50) का शव गांव के बाहर स्थित मुकेश जिंदल की बंद पड़ी फैक्ट्री के परिसर में आम के पेड़ से दुपट्टे के फंदे के सहारे लटका मिला। परिजनों और स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि प्रेमचंद देवरी रुखारा रेलवे क्रॉसिंग के पास चाय और समोसे की दुकान चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में दो पुत्र और एक पुत्री हैं। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए।पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

गाड़ी बुकिंग के बहाने बुलाकर युवक से मारपीट, जान से मारने की धमकी देने का आरोप

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में गाड़ी बुकिंग के बहाने बुलाकर एक युवक के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फैजाबाद निवासी अनुज यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उन्हें एक वाहन बुकिंग के सिलसिले में शाम करीब 9 बजे विनय नामक व्यक्ति की गाड़ी रिपेयरिंग की दुकान पर बुलाया गया था। आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद बातचीत के दौरान कुछ लोग मौके पर आ गए और विवाद शुरू हो गया। पीड़ित का आरोप है कि अनुज, तुषार, विशाल, अर्जुन, रितेश समेत कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज की। विरोध करने पर आरोपियों ने कथित तौर पर मारपीट शुरू कर दी, जिससे उन्हें चोटें आईं। घटना के बाद पीड़ित का चिकित्सीय परीक्षण भी कराया गया। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी जाते समय जान से मारने की धमकी देते हुए बोले कि यदि दोबारा सामने आए तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद चिनहट थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पति और उसके परिजनों पर मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने अपने पति और उसके परिजनों पर मारपीट, प्रताड़ना तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। मामले में चिनहट थाने में प्रार्थना पत्र देकर एफआईआर दर्ज करने की गुहार लगाई गई है। पीड़िता पूनम राजपूत निवासी ग्राम नन्दपुर मजरा सरायशेख, थाना चिनहट ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि उसकी शादी वर्ष 2023 में हिंदू रीति-रिवाज से हुई थी। विवाह में उसके परिवार द्वारा अपनी सामर्थ्य के अनुसार वाहन, नकद धनराशि और अन्य घरेलू सामान दिया गया था। पीड़िता का आरोप है कि शादी के बाद से ही पति और ससुराल पक्ष के लोग उसके साथ दुर्व्यवहार करते रहे। उसने बताया कि पूर्व में भी इस संबंध में शिकायत की गई थी, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। आरोप है कि पति द्वारा लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। शिकायत के अनुसार, हाल ही में फोन पर हुए विवाद के दौरान पति ने उसे और उसकी बच्ची को जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद जब पीड़िता अपने परिजनों के साथ संबंधित लोगों से बात करने पहुंची तो वहां मौजूद लोगों ने कथित रूप से गाली-गलौज की और मारपीट पर उतारू हो गए। पीड़िता ने बताया कि स्थिति बिगड़ने पर उसके भाई ने डायल-112 पर सूचना देकर पुलिस को बुलाया, जिसके बाद मामला शांत हुआ। महिला का कहना है कि उसे और उसकी बच्ची को अब भी जान-माल का खतरा बना हुआ है। पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

चिनहट में मोबाइल स्टोर पर चाकू लेकर पहुंचा पूर्व कर्मचारी, कर्मचारियों में दहशत

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट क्षेत्र स्थित एक मोबाइल स्टोर में घुसकर कर्मचारियों से मारपीट, गाली-गलौज, तोड़फोड़ और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ब्लिंकिट मोबाइल स्टोर के फ्रेंचाइजी मालिक हर्षित सिंह ने पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप लगाया है कि रात स्टोर का पूर्व कर्मचारी रूपेश मिश्रा, जो अक्टूबर 2025 तक वहां कार्यरत था, हाथ में चाकू लेकर स्टोर पहुंचा। उसने स्टोर में मौजूद कर्मचारियों के साथ अभद्रता करते हुए गाली-गलौज की, मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के अनुसार, हंगामे के दौरान स्टोर की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया गया। घटना में एक एलसीडी समेत अन्य सामान क्षतिग्रस्त हो गया। इस घटना के बाद कर्मचारियों में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त हो गया है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस को सीसीटीवी फुटेज सहित अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध कराए हैं और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

जयकारों से गूंजा करोरा का श्री बालाजी धाम, सुंदरकांड और रुद्राभिषेक के बाद हुआ विशाल भंडारा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नगराम, लखनऊ । नगराम क्षेत्र के करोरा स्थित प्राचीन श्री बालाजी महाराज मंदिर में धार्मिक आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ, रुद्राभिषेक एवं विशाल भंडारे का आयोजन धूमधाम से किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर में उमड़ती रही और पूरा वातावरण भगवान के जयकारों से गूंज उठा।

कार्यक्रम का आयोजन द्विवेदी टीवीएस एजेंसी के बृजेश कुमार द्विवेदी के मुख्य संयोजन में कराया गया। उन्होंने बताया कि श्री बालाजी महाराज का यह मंदिर क्षेत्र का प्राचीन आस्था स्थल है, जहां नियमित रूप से पूजा-पाठ, अनुष्ठान और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए आगामी 13 जून को मंदिर परिसर में विशेष रुद्राभिषेक का आयोजन भी किया जाएगा। धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं ने सुंदरकांड पाठ में सहभागिता की और भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अश्वनी द्विवेदी, मधुसूदन तिवारी, अमरेश तिवारी, गोविंद तिवारी समेत बड़ी संख्या में भक्तगण मौजूद रहे।

बीमा कंपनी में 8.05 लाख रुपये की हेराफ़ेरी करने वाला वांछित आरोपी गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सरोजनी नगर, लखनऊ । पुलिस ने बीमा कंपनी में करीब 8.05 लाख रुपये की वित्तीय हेराफ़ेरी करने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी को उन्नाव जिले के गदनखेड़ा बाईपास से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, मेसर्स स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता संदीप सिंह द्वारा थाना सरोजनीनगर में शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत में बताया गया था कि कंपनी की लखनऊ शाखा में एसोसिएट पद पर कार्यरत कर्मचारी शुभांशु सिंह ने विभिन्न बीमा पॉलिसियों की गलत बिक्री कर वित्तीय अनियमितताएं कीं। तीन शिकायतकर्ताओं से प्राप्त शिकायतों में कुल 8 लाख 5 हजार रुपये की धनराशि के गबन और हेराफ़ेरी का आरोप सामने आया था।कंपनी की आंतरिक जांच में आरोप सही पाए जाने पर आरोपी कर्मचारी को सेवा से निष्कासित कर दिया गया और मामले की रिपोर्ट पुलिस को दी गई। इसके आधार पर थाना सरोजनीनगर में मु0अ0सं0 164/2025 के तहत धारा 316(5) एवं 318(4) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया गया, जिसकी विवेचना उप निरीक्षक दीपेन्द्र कुमार सिंह द्वारा की जा रही है।पुलिस द्वारा लगातार दबिश दिए जाने के बावजूद आरोपी गिरफ्तारी से बचता रहा। इस बीच माननीय न्यायालय जेएम प्रथम, लखनऊ द्वारा उसके विरुद्ध 21 फरवरी 2026 को गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) भी जारी किया गया था।सूचना तंत्र को सक्रिय कर रही पुलिस टीम को 6 जून 2026 को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर रात करीब 11:30 बजे गदनखेड़ा बाईपास, जनपद उन्नाव से आरोपी शुभांशु सिंह (31 वर्ष), पुत्र उदयप्रताप सिंह, निवासी ग्राम सरायमंगली, पोस्ट भगन्तनगर, थाना बिहार, जनपद उन्नाव को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ने कंपनी में कार्यरत रहते हुए विभिन्न बीमा पॉलिसियों की गलत बिक्री और वित्तीय अनियमितताओं के माध्यम से 8.05 लाख रुपये की हेराफ़ेरी की थी। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है।सरोजनीनगर पुलिस का कहना है कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ में दो थाना क्षेत्रों में अधेड़ समेत दो लोगों ने लगाई फांसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलग-अलग थाना क्षेत्र में रविवार को एक अधेड़ समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर लिया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।बीकेटी थाना क्षेत्र के ग्राम गोसाईनपुरवा मजरा देवरी रुखारा निवासी प्रेमचंद्र गोस्वामी (50) क्रासिंग के पास चाय का होटल चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। शनिवार की देर रात को उन्होंने गांव के बाहर स्थित मुकेश जिन्दल की बंद पड़ी फैक्ट्री के परिसर में लगे आम के पेड़ पर दुपट्टे से फंदा बनाकर आत्महत्या कर लिया।

अभाविप उत्तर इकाई का पुनर्गठन, डॉ. भारती राय बनी डालीगंज नगर इकाई अध्यक्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) लखनऊ उत्तर द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में डालीगंज नगर इकाई के पुनर्गठन कार्यक्रम का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लखनऊ महानगर अध्यक्ष डॉ. अशोक मोरल, विभाग संगठन मंत्री पुष्पेन्द्र बाजपेयी, संगठन मंत्री अभिषेक बाजपेयी, जिला संयोजक अभिषेक सिंह तथा लखनऊ विश्वविद्यालय इकाई मंत्री आर्यन कुशवाहा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संगठन के विस्तार, छात्र हितों एवं आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा के उपरांत नवीन दायित्वों की घोषणा की गई।

पुनर्गठन के अंतर्गत डॉ. भारती राय को डालीगंज नगर इकाई अध्यक्ष, डॉ. राहुल पाण्डेय, डॉ. हरि एवं डॉ. अंजलि को उपाध्यक्ष, विनायक सिंह को नगर इकाई मंत्री तथा आयुष तिवारी, अंश बिश्नोई एवं अंशिका को सह मंत्री का दायित्व प्रदान किया गया। स्टूडेंट्स फॉर डेवलपमेंट (एसएफडी) आयाम में हिमांशु रावत को संयोजक तथा सत्या पटेल एवं सलोनी चौरसिया को सह संयोजक नियुक्त किया गया। राष्ट्रीय कला मंच में मानसी पाण्डेय को संयोजक तथा आयुष वर्मा एवं अंश पाठक को सह संयोजक बनाया गया।

खेलो भारत आयाम में मयंक यादव को संयोजक एवं रिया पाण्डेय को सह संयोजक तथा प्रतियोगी परीक्षा आयाम में श्रद्धा राज को संयोजक एवं मनमीत सिंह को सह संयोजक का दायित्व सौंपा गया। साथ ही नमन गुप्ता, आयुषी विमल एवं अंचल वर्मा को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में दायित्व प्रदान किया गया।

इस अवसर पर नवनियुक्त नगर इकाई अध्यक्ष डॉ. भारती राय ने कहा कि, ''अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा प्रदान किए गए दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं उत्तरदायित्व के साथ किया जाएगा। संगठन के माध्यम से छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व विकास, शैक्षणिक उन्नयन एवं राष्ट्र निर्माण के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने का निरंतर प्रयास किया जाएगा।'' वहीं नगर इकाई मंत्री विनायक सिंह ने कहा कि, ''परिषद के कार्यकर्ता छात्र हितों के संरक्षण, परिसर की समस्याओं के समाधान तथा सकारात्मक छात्र नेतृत्व के निर्माण के लिए सदैव सक्रिय रहेंगे। डालीगंज नगर इकाई संगठन के विचारों को समाज एवं छात्र समुदाय तक प्रभावी रूप से पहुंचाने का कार्य करेगी।'' कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पदाधिकारियों ने सभी नवनियुक्त दायित्ववान कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं गतिशील बनाने का आह्वान किया।

जानकीपुरम थाना क्षेत्र में बड़े भाई ने की छोटे भाई की हत्या

- जानकीपुरम विस्तार सेक्टर थ्री निवासी रामानंद मिश्रा के दो पुत्र अभिषेक और आर्यन में हुए विवाद हुई घटना

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के जानकीपुरम थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर को आपसी विवाद में बड़े भाई ने सिलेण्डर से प्रहार करके छोटे भाई की हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और आरोपित को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

थाना प्रभारी विनोद कुमार तिवारी ने बताया कि जानकीपुरम विस्तार सेक्टर थ्री निवासी रामानंद मिश्रा के दो पुत्र अभिषेक और आर्यन में विवाद हो गया। मारपीट के दौरान बड़े भाई अभिषेक मिश्रा ने छोटे भाई आर्यन मिश्रा को सिलेण्डर से चोट पहुंचाई। घटना के उपरांत घायल आर्यन मिश्रा को उनके चाचा परमानन्द उपचार के लिए ट्रॉमा सेंटर, लखनऊ ले गए, जहां इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजकर आरोपित अभिषेक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस परिजनों से तहरीर प्राप्त कर नियमानुसार अभियोग पंजीकृत करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

ग्रीष्मकालीन इंटरएक्टिव गतिविधि खुशियों की पाठशाला में बच्चों ने रंगों से बिखेरी प्रतिभा

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह की प्रेरणा एवं अपर मुख्य सचिव संस्कृति एवं पर्यटन अमृत अभिजात के मार्गदर्शन में कराये जा रहे शैक्षिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत रविवार को राज्य संग्रहालय, लखनऊ की ओर से खुशियों की पाठशाला ग्रीष्मकालीन इंटरएक्टिव गतिविधि के अंतर्गत विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए एक पेड़ मां के नाम, ह्लरंगों की मस्ती, अलंकरण में अभिव्यक्ति तथा ह्लऑन द स्पॉट क्विज जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें बच्चों ने अत्यंत उत्साह एवं रुचि के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उपस्थित अभिभावकों एवं संग्रहालय में आने वाले दर्शकों ने भी सक्रिय सहभागिता कर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

देश का युवा बेरोजगारी, महंगाई और अवसरों की कमी से जूझ रहा: तनवीर खां

❐ बंडा में समाजवादी पीडीए पंचायत आयोजित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

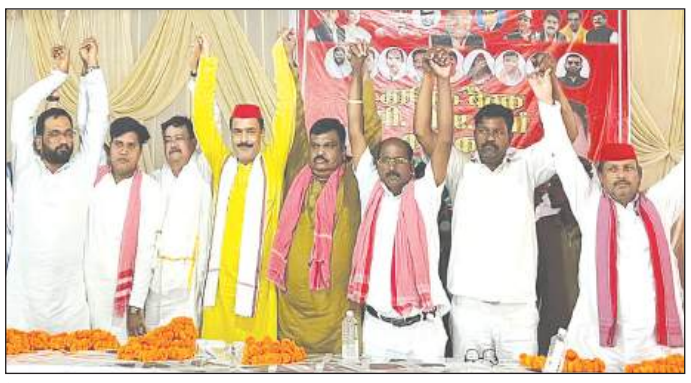

शाहजहांपुर। पुवायां विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक बंडा स्थित एक मैरिज लॉन में विशाल समाजवादी पीडीए पंचायत का आयोजन सपा नेता जितेंद्र प्रसाद गौतम ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सपा जिलाध्यक्ष और विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व एमएलसी अमित यादव, पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा, सपा जिला महासचिव रंणजय सिंह यादव, सपा विशेष आमंत्रित सदस्य नीरज मिश्रा आदि का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया।

इस दौरान सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खां ने कहा कि आज देश का युवा बेरोजगारी, महंगाई और अवसरों की कमी से जूझ रहा है, जबकि किसान बढ़ती लागत, महंगे डीजल, खाद-बीज और अपनी उपज का उचित मूल्य न मिलने से परेशान है। भाजपा सरकार ने युवाओं को रोजगार और किसानों को समृद्धि का जो सपना दिखाया था, वह आज अधूरा साबित हुआ है। लगातार बढ़ती महंगाई ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है, इसलिए जनता बदलाव चाहती है। समाजवादी पार्टी युवाओं के भविष्य, किसानों के सम्मान और आम जनता को महंगाई से राहत दिलाने के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। जनता के सहयोग से आने वाले समय में एक ऐसी सरकार बनेगी जो विकास, सामाजिक न्याय और जनहित के एजेंडे पर काम करेगी।

पूर्व एमएलसी अमित यादव ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने उन्हें बेरोजगारी और निराशा के अलावा कुछ नहीं दिया। समाजवादी पार्टी युवाओं को रोजगार, बेहतर शिक्षा और सम्मानजनक अवसर देकर उनके सपनों को नई उड़ान देने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में पूर्व विधायक रोशनलाल वर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अंत में सपा नेता जितेंद्र प्रसाद गौतम ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस मौके पर डॉ. जितेंद्र वर्मा, मिश्रीलाल पटेल, ब्रह्मानंद मिश्रा, प्रेमपाल वर्मा, सुनील सागर, राहुल यादव, समर्थ यादव, इलियास अंसारी, प्रमोद सिंह, कौशल यादव, भारत लाल, राजीव यादव, मुकेश गौरव, परवेज खां, राजकुमार शर्मा, बादाम सिंह, मनीषा राज, रीना देवी, फूलमती, कमला देवी, पुष्पा देवी, शशिवाला प्रधान, राजरानी देवी, गीता देवी, अनुपा देवी, संगीता देवी आदि सैकड़ों सपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सपा नेता पीएल गौतम ने किया।

परीक्षा परिणाम में हुई देरी से अधर में कृषि छात्रों का भविष्य

❐ परीक्षा परिणाम न आने से एजीटीए की भर्ती छूटने का डर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। सिधौली-महमूदाबाद मार्ग पर पहाड़ापुर स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय से संबंधित हजारीलाल महाविद्यालय के कृषि संकाय के आठवें सेमेस्टर के छात्रों का परीक्षा परिणाम अभी तक लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा जारी नहीं किया गया है। इससे छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है।

छात्र महेंद्र, सत्यम, अंकित, दीपक, विवेक और हिमांशु का कहना है कि हर वर्ष जून के प्रथम सप्ताह तक रिजल्ट आ जाता था। इस बार परीक्षा संबंधी सारी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद भी परिणाम घोषित नहीं हुआ। छात्रों ने आरोप लगाया कि कॉलेज प्रबंधन द्वारा कुछ छात्रों की बकाया फीस न जमा होने के कारण परीक्षा रिकॉर्ड समय से विश्वविद्यालय को नहीं भेजे गए, जिससे यह देरी हो रही है। 11 जून है आवेदन की अंतिम तिथि, अन्य विश्वविद्यालयों ने जारी किया परिणाम छात्रों के मुताबिक, कानपुर के सीएसजेएम विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेजों का कृषि संकाय का रिजल्ट आ चुका है। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि प्राविधिक सहायक भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 11 जून है। अगर समय पर रिजल्ट नहीं आया, तो छात्र इस बड़ी भर्ती से वंचित रह जाएंगे। छात्रों ने शासन-प्रशासन से परीक्षा परिणाम तत्काल जारी कराने की मांग की है।

वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य रामलाल यादव व परीक्षक महेंद्र यादव का कहना है कि जब लखनऊ विश्वविद्यालय ने कृषि संकाय से संबंधित किसी भी महाविद्यालय का परीक्षा परिणाम अभी तक जारी ही नहीं किया है, तो इसमें हम क्या करें? कॉलेज की तरफ से सभी जरूरी कार्य और प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने का आरोपी गिरफ्तार

❐ महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने खुशनूद और महजूद के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। थाना सदर बाजार पुलिस ने नाबालिग के साथ छेडछाड़ करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

शुक्रवार को थाना सदर बाजार क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि इसी थाना क्षेत्र के मोहल्ला एमनजई जलालनगर के रहने वाले याकूब अली के पुत्र खुशनूद और महजूद ने उसकी नाबालिग पुत्री के साथ छेडछाड की। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उसे गंदी- गंदी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। महिला की तहरीर के आधार पर पुलिस ने खुशनूद और महजूद के खिलाफ पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। रविवार को पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर वांछित अभियुक्त खुशनूद को ढाका तालाब के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने अभियुक्त खुशनूद के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना सदर बाजार के उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार के साथ कास्टेवल बिट्टू कुमार मौजूद रहे।

तमंचा-कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

शाहजहांपुर। जनपद में अपराध की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना कोतवाली पुलिस ने बीती रात गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर बरेली-सीतापुर हाईवे से करीब 200 मीटर की दूरी पर एक युवक को पकड़ा। जिसके कब्जे से पुलिस टीम ने एक देशी तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया। पकड़ा गया अभियुक्त थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला आनंदपुरम कालोनी का रहने वाला रजत सोनी पुत्र राजेन्द्र सोनी है। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्त रजत सोनी के खिलाफ आम्र्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया और विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया। जहां से पुलिस अभिरक्षा में उसे जेल भेज दिया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थाना कोतवाली के उपनिरीक्षक भूपेन्द्र राणा के साथ कास्टेवल रोहित कुमार और रिक्रूट कास्टेवल श्रीकांत यादव मौजूद रहे।

चोरी के मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

रायबरेली। थाना क्षेत्र में चोरी के एक मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 38/26 से संबंधित वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अभिषेक कुमार पुत्र पारसनाथ निवासी ग्राम भैयापुर मजरे हिलहा को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त चोरी के एक मामले में काफी समय से वांछित चल रहा था।पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को नहर पुल हिलहा के पास से धर दबोचा। गिरफ्तारी के बाद उसे थाने लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की गई।थाना प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि अभियुक्त के विरुद्ध दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 38/26 में विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा।

छत्रपति शिवाजी महाराज राज्याभिषेक दिवस पर शरबत प्याऊ एवं लैया वितरण का भव्य आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

महमूदाबाद, सीतापुर। छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस के पावन अवसर पर विश्व मानवाधिकार कानून एवं अपराध नियंत्रण ट्रस्ट भारत के नगर अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा एवं उनके सहयोगी आलोक कुमार वर्मा सहित अन्य सहयोगियों द्वारा बस स्टॉप, महमूदाबाद पर शरबत प्याऊ एवं लैया वितरण भंडारे का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व विधायक नरेंद्र सिंह वर्मा द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के राष्ट्रीय संरक्षक एस.एस. दिनकर तथा राष्ट्रीय न्यूज़ एडिटर एवं मीडिया प्रमुख अनुज कुमार जैन ने भी पुष्प अर्पित कर छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, यात्रियों एवं राहगीरों ने शरबत एवं लैया प्रसाद ग्रहण किया। उपस्थित लोगों ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता, जनसेवा एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने वाला प्रेरणादायक आयोजन बताया।

इस अवसर पर ओम प्रकाश वर्मा, कमल वर्मा, जीशान कदीर, राजा राम सहित अनेक गणमान्य नागरिक, श्रद्धालु एवं भक्तजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के बीच लोगों को राहत प्रदान करना तथा सेवा, सहयोग एवं मानवता के मूल्यों को बढ़ावा देना रहा। सभी सहयोगियों एवं स्थानीय नागरिकों के सामूहिक प्रयास, समर्पण एवं जनसहभागिता से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं सेवा भाव से प्रेरित कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया। छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस पर आयोजित यह सेवा कार्यक्रम समाज में परोपकार, राष्ट्रप्रेम एवं जनकल्याण की भावना को सुदृढ़ करने वाला एक अनुकरणीय प्रयास सिद्ध हुआ।

सरकारी नाला निर्माण में मानकों की उड़ रहीं धज्जियां, पीली ईंटों के इस्तेमाल पर उठे सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बांकेगंज, खीरी। विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर-10 में लाखों रुपये की लागत से कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि बांकेगंज-गोला मार्ग स्थित अनीस सरिया-सीमेंट प्रतिष्ठान के सामने बन रहे नाले में निर्धारित मानकों की अनदेखी करते हुए घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि नाला निर्माण में गुणवत्ताहीन पीली ईंटों और बालू का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी धन से बनने वाले इस महत्वपूर्ण निर्माण कार्य में मानकों का पालन नहीं किया जा रहा, जिसके चलते नाले की मजबूती और टिकाऊपन प्रभावित हो सकता है।ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण स्थल पर उपयोग की जा रही ईंटों की गुणवत्ता बेहद खराब दिखाई दे रही है। उनका कहना है कि यदि समय रहते संबंधित अधिकारियों द्वारा जांच नहीं कराई गई तो सरकारी धन से बना यह नाला कुछ ही समय में क्षतिग्रस्त हो सकता है।क्षेत्रीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा निर्माण कार्य में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।अब देखने वाली बात यह होगी कि संबंधित विभाग और पंचायत के जिम्मेदार अधिकारी ग्रामीणों की शिकायतों को कितना गंभीरता से लेते हैं और निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर क्या कार्रवाई की जाती है।ग्रामीणों की मांगः निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाए तथा मानक अनुरूप नाला निर्माण सुनिश्चित किया जाए।

ड्रंकन ड्राईविंग, मॉडिफाइड साइलेंसर व प्रेशर हॉर्न के खिलाफ चलाया अभियान

❐ चलाये गये अभियान में काटे गये 1013 वाहन के चालान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। एसपी के निर्देश पर जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से यातायात पुलिस व स्थानीय थाना पुलिस द्वारा लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है और नियमों का उलंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में शनिवार रात 08 बजे से 11 बजे तक यातायाता पुलिस ने स्थानीय थाना पुलिस के साथ ड्रंकन ड्राईविंग, मॉडिफाइड साइलेंसर व प्रेशर हॉर्न के खिलाफ विशेष अभियान चलाया और जनपद के टोल प्लाजा, हाइवे, रोडवेज बस स्टैंड सहित अन्य जगहों पर सघन चेंकिग व सुसंगत धाराओं में चारपहिया व दुपहिया वाहनों के 20 चालान ड्रंकन ड्राईविंग, 68 चालान मॉडिफाइड साइलेंसर, 13 चालान प्रेशर हॉर्न तथा हूटर, 166 चालान तेज गति से चलने वाले वाहनों और 240 चालान बिना हेलमेट सहित कुल 1013 चालान एमवी एक्ट के तहत किए। साथ ही 03 वाहनों को एमवी एक्ट के तहत सीज किया। अभियान के दौरान पुलिस टीम ने वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चलाने से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं एवं उनके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया और सुरक्षित वाहन संचालन के लिए प्रेरित किया। साथ ही चेकिंग के दौरान परिवार के साथ यात्रा करने वाले व्यक्तियों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछा और अपील की गई कि यातायात नियमों का पालन करें। चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट एवं दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग जरूर करें। अभियान के दौरान क्षेत्राधिकारी यातायात शुभम वर्मा के साथ यातायात प्रभारी निरीक्षक यातायात बच्चू सिंह, यातायात उपनिरीक्षक विनय पांडेय सहित स्थानीय थानों का पुलिस बल मौजूद रहा।

महमूदाबाद में बेखौफ चोरों का आतंक, एक ही रात में दो घरों को बनाया निशाना, नकदी-जेवरात लेकर फरार

महमूदाबाद, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। नगर के मोहल्ला पैगंबरपुर में रविवार तड़के चोरों ने दो घरों में घुसकर नकदी, सोने-चांदी के जेवरात तथा मोबाइल फोन चोरी कर लिया। घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, जबकि पीड़ित परिवारों में भारी चिंता व्याप्त है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 3 बजे मोहल्ला पैगंबरपुर निवासी इरफ़ान हुसैन पुत्र इसरार हुसैन के घर की दूसरी मंजिल पर अज्ञात चोर पहुंच गए। चोरों ने कमरे में रखे बॉक्स का ताला तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। इसी दौरान चोरों ने पड़ोस में स्थित शहाबुद्दीन पुत्र अब्दुर्रहीम के घर को भी निशाना बनाया। शहाबुद्दीन वर्तमान में सऊदी अरब में हैं, जबकि उनकी पत्नी नाजिरह बच्चों के साथ घर में सो रही थीं। चोर घर में घुस गए और कमरे में टंगे बैगों से सोने-चांदी के जेवरात, नकदी तथा एक मोबाइल फोन चोरी कर ले गए। बताया जाता है कि इसी बीच इरफ़ान हुसैन की नींद खुल गई। उन्हें दूसरी मंजिल का दरवाजा बंद होने की आवाज सुनाई दी। जब वह सीढ़ियों की ओर पहुंचे तो पाया कि चोरों ने जीने का दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था। इसके बाद उन्होंने शोर मचाया, जिस पर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए। हालांकि तब तक चोर फरार हो चुके थे। पीड़ित परिवार ने चोरी हुए मोबाइल पर कॉल किया तो फोन उठाने वाले व्यक्ति ने बताया कि मोबाइल उसे रेलवे स्टेशन के निकट अंधेरी होटल के पास पड़ा मिला था। परिजन बताए गए स्थान पर पहुंचे, जहां मोबाइल बरामद हो गया। मोबाइल मिलने वाले व्यक्ति ने बताया कि उसे यह फोन सुबह सड़क किनारे पड़ा मिला था। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची तथा घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू की। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से मोहल्ले के लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। पीड़ित इरफ़ान हुसैन के पुत्र काशिफ हुसैन ने मामले की लिखित शिकायत स्थानीय थाने में देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों का पता लगाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

तीन वाहन चोर गिरफ्तार, पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद

महमूदाबाद, सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। कोतवाली महमूदाबाद पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं का सफल अनावरण करते हुए तीन शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध महमूदाबाद और बाराबंकी जनपद में वाहन चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक सीतापुर अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर अपराध एवं वाहन चोरी की घटनाओं में संलिप्त अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी महमूदाबाद वेदप्रकाश श्रीवास्तव के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक भानु प्रताप सिंह की टीम ने शनिवार तड़के करीब 3:45 बजे बाबाकुटी पुलिया के पास से तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में सलमान पुत्र इस्लाम निवासी जलालपुर कस्बा बिसवां, छोटू यादव उर्फ राजकुमार यादव निवासी सेल्हवा थाना थानगांव तथा पंकज कुमार निवासी हरैया थाना सदरपुर शामिल हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने वर्ष 2025 और 2026 के दौरान महमूदाबाद क्षेत्र से तीन तथा बाराबंकी जनपद के फतेहपुर क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी की थी। इनमें पैतेपुर रोड स्थित शिखर आयरन स्टोर के पास, महमूदाबाद तहसील गेट के सामने, तहसील परिसर के बाहर तथा सीएचसी फतेहपुर से चोरी की गई मोटरसाइकिलें शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्प्लेंडर प्लस, एचएफ डिलक्स समेत कुल पांच मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। बरामद वाहनों में चार मोटरसाइकिलें विभिन्न दर्ज मुकदमों से संबंधित हैं, जबकि एक सफ़ेद रंग की अपाचे मोटरसाइकिल बिना नंबर प्लेट के बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों का लंबा आपराधिक इतिहास है और उनके विरुद्ध विभिन्न थानों में चोरी, आरम्स एक्ट, एससी-एसटी एक्ट तथा अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश किया है।इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक दीपक राठौर, उपनिरीक्षक विनोद कुमार गिरि, हेड कांस्टेबल वेगवान सिंह, हेड कांस्टेबल विशाल गुप्ता, कांस्टेबल बृजेश पांडेय, अखिलेश वर्मा, चन्द्र प्रकाश एवं दीपक कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भागवत कथा श्रवण मात्र से दूर होते हैं जीवन के सभी कष्टः अखिलेश जी महाराज

लहरपुर सीतापुर, कैनविज टाइम्स संवाददाता। विकास खंड क्षेत्र के ग्राम धौरहरा में चल रहे 15 वें श्री शतचंडी महायज्ञ विराट संत सम्मेलन एवं श्रीमद्भागवत कथा में प्रख्यात भागवताचार्य अखिलेश महाराज ने श्रीमद्भागवत कथा के दिव्य महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, भागवत कथा का श्रवण करने मात्र से ही मनुष्य के जीवन के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है, इस कलिकाल में श्रीमद् भागवत कथा परम मोक्षदायिनी है उन्होंने कहा कि भगवान ने आपको देव दुर्लभ शरीर दिया है मोह माया में न फंस कर भगवत भजन करें।महायज्ञ में मुख्य यजमान उमेश दीक्षित और ऋषिराज दीक्षित ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। शतचंडी महायज्ञ, संत सम्मेलन एवं श्रीमद्भागवत कथा के चलते संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय नजर आ रहा है।इस धार्मिक अनुष्ठान में क्षेत्र के भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रतिभाग किया।

मुख्यमंत्री योजना में करोड़ों के घोटाले की गूंज, लघु सिंचाई विभाग पर उठे बड़े सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ किसानों के नाम पर खेला गया भ्रष्टाचार का खेल, बोरिंग, पाइप और ट्रायल टेस्टिंग में वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप

❐ शिकायत के अनुसार मुख्यमंत्री मध्यम गहरी बोरिंग योजना के अंतर्गत किसानों को निर्धारित मानकों के अनुरूप लाभ नहीं दिया गया

लखीमपुर खीरी। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी लघु सिंचाई योजनाओं को लेकर जिले में भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप सामने आने के बाद प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। मुख्य विकास अधिकारी को भेजी गई शिकायत में लघु सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता श्याम सुन्दर यादव पर करोड़ों रुपये के सरकारी धन के दुरुपयोग, नियमों की अनदेखी और योजनाओं में व्यापक स्तर पर अनियमितताएं बरतने के आरोप लगाए गए हैं। शिकायत ने न केवल विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि किसानों के हित में चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की पारदर्शिता पर भी गंभीर चिंताएं पैदा कर दी हैं।

शिकायत के अनुसार मुख्यमंत्री मध्यम गहरी बोरिंग योजना के अंतर्गत किसानों को निर्धारित मानकों के अनुरूप लाभ नहीं दिया गया। आरोप है कि कई स्थानों पर बोरिंग की वास्तविक गहराई 140 से 160 फीट तक ही रही, जबकि सरकारी अभिलेखों में 200 फीट तक बोरिंग दर्शाकर भुगतान निकाल लिया गया। इससे न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग हुआ, बल्कि किसानों को भी योजनाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिल सका। शिकायतकर्ता का दावा है कि पूर्व में हुई जांचों में भी कई अनियमितताएं सामने आई थीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। मामले का दूसरा गंभीर पहलू उथले नलकूप योजना से जुड़ा हुआ है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक किसानों को मानकों के विपरीत और निम्न गुणवत्ता वाले पाइप उपलब्ध कराए गए। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों और संबंधित फर्मों की मिलीभगत से घटिया सामग्री की आपूर्ति कर सरकारी धन का बंदरबांट किया गया। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सीधे तौर पर किसानों के अधिकारों और सरकारी योजनाओं की विश्वसनीयता पर चोट माना जाएगा।

सबसे चौंकाने वाला आरोप ट्रायल टेस्टिंग के नाम पर कथित वित्तीय खेल को लेकर लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि कई मामलों में ड्रिल एजेंसियों द्वारा ट्रायल टेस्टिंग कराए बिना ही प्रति बोरिंग लगभग तीन हजार रुपये का भुगतान निकाल लिया गया। आरोप है कि केवल कागजी औपचारिकताओं के आधार पर भुगतान स्वीकृत किए गए, जिससे सरकारी खजाने को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचा।

शिकायत में विभागीय व्यवस्था पर और भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। आरोप लगाया गया है कि विभाग में कार्य करने वाली कई फर्में अधिकारियों, कर्मचारियों, ड्राइवरों और उनके रिश्तेदारों के नाम से संचालित हो रही हैं। यदि यह आरोप सत्य सिद्ध होते हैं तो यह हितों के टकराव और सरकारी खरीद प्रक्रिया की निष्पक्षता पर बड़ा प्रश्नचिह्न होगा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि जीएसटी अनियमितताओं में चिन्हित फर्मों को भी लगातार सरकारी कार्य आवंटित किए जाते रहे, जिससे भ्रष्टाचार के संदेह और गहरे हो गए हैं।

इसके अतिरिक्त मध्यम गहरी बोरिंग योजना में लगाए जाने वाले सबमर्सिबल पंपों की खरीद को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि अधिकांश पंप एक ही फर्म से खरीदे गए, जिससे प्रतिस्पर्धी खरीद प्रक्रिया और पारदर्शिता पर संदेह पैदा हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि किसी योजना में खरीद प्रक्रिया सीमित फर्मों तक सिमट जाए तो वित्तीय अनियमितताओं की संभावना बढ़ जाती है।

इन आरोपों के सामने आने के बाद जिले में चर्चा का विषय यह बन गया है कि किसानों के हित में संचालित योजनाओं का धन आखिर कहां और कैसे खर्च हो रहा है। जिन योजनाओं का उद्देश्य खेतों तक सिंचाई सुविधाएं पहुंचाना और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना है, कहीं वही योजनाएं कुछ लोगों के लिए कमाई का माध्यम तो नहीं बन गई हैं?

अब निगाहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो यह मामला जिले के सबसे बड़े विभागीय घोटालों में से एक साबित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर किसान और आमजन यह जानना चाहते हैं कि सरकारी योजनाओं के नाम पर खर्च होने वाला धन वास्तव में खेतों तक पहुंच रहा है या फिर भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है।

फिलहाल शिकायत ने लघु सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली को कठघरे में खड़ा कर दिया है और पूरे मामले में प्रशासनिक जवाबदेही को लेकर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

लुटेरे, चोर व गंभीर अपराध के पेशेवर अपराधियों की सतत निगरानी के निर्देश

❒ तेजतर्रार एसएसपी की क्राइम कंट्रोल को लेकर अहम बैठक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। जिले की तेजतर्रार एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा पुलिस लाइन्स सभागार कक्ष में जनपद के समस्त राजपत्रित अधि0गण एवं थाना प्रभारियों/शाखा प्रभारियों के साथ जनपद की मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गयी । गोष्ठी में जनपद में घटित अपराधों,लंबित विवेचनाओं,महिला एवं बाल अपराध,साइबर अपराध,गैंगस्टर एक्ट कार्यवाही,ई-साक्ष्य एप,निरोधात्मक कार्यवाही समीक्षा,ई-सम्मन,आपरेशन दहन,माल निस्तारण अभियान,एनडीपीएस एक्ट कार्यवाही,आईजीआरएस/पीजीआर पोर्टल एवं कानून व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गयी।

अपराध नियंत्रण व अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही हेतु थाना प्रभारियों को दिए गए सख्त निर्देश। थानो पर आने वाले शिकायतकर्ता की समस्याओ को सहानुभूतिपूर्वक सुनकर त्वरित व प्रभावी निस्तारण कराया जाये। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समयबद्ध जांच व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आईजीआरएस प्रभारी को दिए निर्देश। लुटेरे, चोर व गम्भीर अपराध के पेशेवर अपराधियों की सतत निगरानी व उनके विरुद्ध कड़ी कार्यवाही हेतु थाना प्रभारियों को दिये गये निर्देश। लम्बित विवेचनाओं, प्रार्थना पत्रों की समयबद्ध जांच व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के दिए निर्देश। महिला व बच्चों से जुड़ी शिकायतों पर अत्यंत गंभीरता बरतने व सम्बंधित अपहृता की सकुशल बरामदगी के लिए दिए गए कड़े निर्देश। मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले, अवैध शस्त्रों का निर्माण व संग्रहण करने वाले, टॉप-10, ईनामिया व हिस्ट्रीशीटर अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही करने के दिए गए निर्देश। सम्मन वारंट को समय से तामिल कर संबंधित न्यायालय को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया। गवाहों की समय से न्यायालय में गवाही कराने, महिला संबंधित मुकदमों में पैरवी कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। गैंगस्टर एक्ट के अभियोगों में अपराधियों की अवैध सम्पत्ति चिन्हित कर धारा 14(1) के अन्तर्गत सम्पत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।हिस्ट्रीशीटर, ईनामिया, टॉप-10 अपराधियों, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तथा अवैध शस्त्रों का निर्माण संग्रहण व बिक्री करने वाले अपराधियों के विरूद्ध त्वरित एवं कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए।

शासन द्वारा चलाए जा रहे आपरेशन त्रिनेत्र 2.0 अभियान के तहत सभी थाना क्षेत्रान्तर्गत मुख्य चौराहो/बाजारों व महत्पवपूर्ण स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए । उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फ़ेज-5.0) के तहत महिला हेल्पडेस्क,एंटी रोमियों टीम व शक्ति दीदी,महिला बीट आरक्षियों द्वारा गांवो, मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा स्कूल, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के प्रति तथा उन्हे सुरक्षित परिवेश की अनुभूति, जन-जागरूकता, आत्मरक्षा के बारे में, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों सहित जागरूकता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसएसपी द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को गोकशी, अवैध शस्त्र, मादक पदार्थ, शराब, जुआ/सट्टा की रोकथाम हेतु अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अवैध शस्त्र सत्यापन हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समस्त थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत पोस्टर पार्टी द्वारा चैकिंग हेतु निर्देश दिए गए। एसएसपी द्वारा निर्दि्शित किया गया कि जनपद के प्रमुख चौराहों,बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित रखा जाए तथा जाम की स्थिति उत्पन्न न होने पाए इसके लिये यातायात उ0नि0 को आवश्यक निर्देश दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मृत्यु को कम करने के लिए जीरो फैटिलिटी डिस्टिक्ट ड्ढक्क के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समस्त विवेचकों को लंबित विवेचाओं को समय से पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आपरेशन दहन के अन्तर्गत एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत माल निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। आपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत मुकदमें चिन्हित कर अपराधियों को ज्यादा-से-ज्यादा सजा दिलाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। यक्ष एप की शत-प्रतिशत फीडिंग करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। एसएसपी द्वारा विवेचना में एसआईडी के लिंक हेतु आवश्यक निर्देशित किया गया। बैठक में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फ़ेज-5.0) के तहत महिला हेल्पडेस्क,एंटी रोमियों टीम व शक्ति दीदी,महिला बीट आरक्षियों द्वारा गांवो, मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा स्कूल, कॉलेजों, कोचिंग संस्थानों में महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलम्बन के प्रति तथा उन्हे सुरक्षित परिवेश की अनुभूति, जन-जागरूकता, आत्मरक्षा के बारे में, विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों सहित जागरूकता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मासिक अपराध गोष्ठी के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदया द्वारा जनपद में घटित आपराधिक घटनाओं से संबंधित पंजीकृत अभियोगों एवं लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए समयबद्ध रुप से गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया । जनपद में अपराध की रोकथाम व शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसएसपी द्वारा आपरेशन दृष्टि/कनविक्शन/तरिनेत्र/दहन आदि के बारे में समीक्षा की गयी। सम्मन वारंट को समय से तामिल कर संबंधित को न्यायालय प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया । गैंगस्टर एक्ट के अभियोगों में अपराधियों की अवैध सम्पत्ति चिन्हित कर धारा 14(1) के अन्तर्गत सम्पत्ति जब्तीकरण की कार्यवाही करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि हिस्ट्रीशीटर, ईनामिया, टॉप-10 अपराधियों, अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले तथा अवैध शस्त्रों का निर्माण संग्रहण व बिक्री करने वाले अपराधियों पर त्वरित एवं कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। अभियोजन कार्यों की समीक्षा, साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने हेतु अधिकारी-कर्मचारीगण को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान एसएसपी द्वारा सड़क सुरक्षा, वाहन चालकों की जिम्मेदारी, हेलमेट व सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, नशे में वाहन न चलाने, एवं ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए । एसएसपी द्वारा कहा गया कि सड़क सुरक्षा केवल एक कानून नहीं, बल्कि हर नागरिक का नैतिक दायित्व है। ड्डक्टग् क्कद्बड्ढख्रन्ठ्ठ का लक्ष्य तभी संभव है जब जनता और पुलिस मिलकर इसे एक जनआंदोलन के रूप में अपनाएं।

एशिया स्पोर्ट्स क्लब का समर कैंप 2026 संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। एशिया स्पोर्ट्स क्लब रायबरेली द्वारा आयोजित सात दिवसीय ''एशिया स्पोर्ट्स समर कैंप 2026'' का समापन समारोह स्वराज नगर कॉलोनी स्थित एशिया लॉन में संपन्न हुआ। कमला फाउंडेशन, रायबरेली के प्रायोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में कमला फाउंडेशन की अध्यक्ष पूनम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। समारोह के दौरान पूनम सिंह ने समर कैंप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को ट्रॉफी एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करती हैं। समर कैंप का आयोजन 1 जून से 7 जून 2026 तक एशिया स्पोर्ट्स क्लब द्वारा किया गया।कार्यक्रम के कैम्प कोऑर्डिनेटर विवेक सिंह रहे, जबकि मोहम्मद कामरान सिद्दीकी एवं सैयद जिया अहमद नकवी ने आयोजक की भूमिका निभाई। कैंप में बच्चों को प्रशिक्षण देने का कार्य रजत सिंह एवं जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया। समापन समारोह में बड़ी संख्या में अभिभावक, खिलाड़ी एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे खेल शिविर बच्चों की प्रतिभा को निखारने और उन्हें सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर एशिया स्पोर्ट्स क्लब की पूरी टीम को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

आरोपी तीनों भाइयों पर प्रशासन ने कसा शिकंजा, पेश न होने पर कुर्क होगी संपत्ति

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। अमर ज्योति निवेश घोटाला मामले में फरार चल रहे आरोपी तीनों भाइयों पर प्रशासन ने कानूनी शिकंजा कस दिया है। मामले में कोर्ट ने धारा 82 के तहत कुर्की उद्घोषणा जारी करने के आदेश दिए हैं। इस पर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

बदायूं में करीब 200 करोड़ के अमर ज्योति निवेश घोटाले में फरार चल रहे तीनों भाइयों शशिकांत, सूर्यकांत और श्रीकांत की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाईकोर्ट द्वारा उनकी याचिका खारिज किए जाने के बाद अब सीजेएम कोर्ट ने धारा 82 के तहत कुर्की उद्घोषणा जारी करने के आदेश दिए हैं। इस कार्रवाई से हजारों निवेशकों को न्याय की उम्मीद जगी है, जिनकी गाढ़ी कमाई फंसी हुई है। तीनों भाइयों के खिलाफ पहले ही गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी हो चुके हैं। अब पुलिस जल्द ही आरोपियों के घरों और संभावित ठिकानों पर नोटिस चस्पा कर उन्हें निर्धारित समय के भीतर न्यायालय या पुलिस के समक्ष उपस्थित होने की चेतावनी देगी। यदि आरोपी कोर्ट में पेश नहीं होते हैं तो उनकी संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई भी की जा सकती है। घोटाले में हजारों निवेशकों की गाढ़ी कमाई फंसी है। हाईकोर्ट से राहत न मिलने और धारा 82 की कार्रवाई शुरू होने के बाद आरोपियों पर कानूनी दबाव बढ़ गया है। अदालत ने इससे पहले भी निवेशकों की धनराशि लौटाने के निर्देश दिए थे, लेकिन आरोपियों ने उसका पालन नहीं किया था। निवेशकों को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द कोई बड़ी कार्रवाई करेगा। हालांकि लोगों में यह चिंता भी है कि यदि आरोपी लंबे समय तक फरार रहे तो उनकी रकम वापस मिलने की प्रक्रिया और लंबी हो सकती है। जानकारी के अनुसार, बरेली निवासी तीनों भाई लंबे समय तक निवेशकों को भुगतान का आश्वासन देते रहे। कई बार लोगों को यह कहकर टाला गया कि कंपनी की आर्थिक स्थिति जल्द सुधर जाएगी। सभी का पैसा वापस कर दिया जाएगा। मई 2025 में अचानक कंपनी का कार्यालय बंद कर दिया गया और तीनों भाई फरार हो गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बदायूं में चार और बरेली में कई मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं शहर कोतवाल संजय सिंह ने बताया कि अमर ज्योति कंपनी घोटाले में तीनों भाइयों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी हो चुके हैं। कोर्ट ने धारा 82 में कुर्की की उद्घोषणा के आदेश दिए हैं। तीनों आरोपी बरेली जिले के निवासी हैं। पुलिस जल्द ही उनके घर जाकर यह कार्रवाई अमल में लाएगी। अगर फिर भी आरोपी कोर्ट में पेश नहीं हुए तो उनकी संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

पर्यटन विकास कार्यों से जनपद बदायूं को मिलेगी नई पहचान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा जनपद बदायूं में विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम मा0 मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति उ0प्र0 सरकार जयवीर सिंह व मा0 केन्द्रीय राज्य मंत्री बी0एल0 वर्मा द्वारा गुरूवार को किया जाएगा। कार्यक्रम में 565.62 लाख रूपए के पर्यटन विकास कार्यों का लोकार्पण तथा कछला गंगा घाट के 1792.18 लाख रूपए के शिलान्यास के कार्यो सहित कुल 2081.50 लाख रूपए के पर्यटन विकास कार्यों का शिलान्यास किया जाएगा।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी व आमजन व श्रद्धालु मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में वित्तीय वर्ष 2023-24 के अंतर्गत गंगा देवी मईया मंदिर पर्यटन विकास कार्य का लोकार्पण, जिसकी लागत 98.27 लाख रुपये है। इसके अतिरिक्त दुर्गा देवी भवन मंदिर पर्यटन विकास कार्य का लोकार्पण, जिसकी लागत 110.42 लाख रुपये है तथा परी माता मंदिर का सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण, जिस पर लगभग 92.14 लाख रुपये की लागत आई है, कराया जाएगां।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत पौराणिक तीर्थ स्थल सहस्रबाहू का पर्यटन विकास कार्य का लोकार्पण, जिसकी लागत 74.45 लाख रुपये है। तपोसिद्ध बाबा की मढ़ी का प्राचीन शिव मंदिर का पर्यटन विकास कार्य का लोकार्पण, जिसकी लागत 75.31 लाख रुपये है। श्री रामचन्द्र विराजमान मंदिर का पर्यटन विकास कार्य जिसकी लागत 115.03 लाख रूपए है, का लोकार्पण किया जाएगा।

वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत श्री बाबा देवादास मंदिर (अस्तल) का पर्यटन विकास कार्य जिसकी लागत 71.53 लाख रूपए है, का शिलान्यास किया जाएगा तथा प्राचीन मंदिर बहादुर सिंह हनुमान बाबा आश्रम का पर्यटन विकास कार्य जिसकी लागत 107.69 लाख रूपए है, का शिलान्यास किया जाएगा। माता मलाई देवी मंदिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास का कार्य जिसकी लागत 110.10 लाख रूपए है, का शिलान्यास किया जाएगा।

साथ ही वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतर्गत कछला गंगा घाट (पार्ट-ए) पर्यटन विकास कार्य, जिसकी लागत 1792.18 लाख रुपये है, का शिलान्यास किया जाएगा। इन परियोजनाओं से जनपद बदायूं में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिलेगी तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास से बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

सत्रहवीं मंजिल से छलांग लगाकर छात्र ने की आत्महत्या

नोएडा । उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर मे नशे में धुत होकर घर आए एक छात्र को जब उसके परिजनों ने डांटा तो वह उत्तेजित हो गया तथा उसने सत्रहवीं मंजिल से छलांग लगा दिया। उसे गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी निरीक्षक सर्वेश कुमार सिंह ने रविवार को बताया कि गौरव कुमार पुत्र अजय कुमार सेक्टर 151 स्थित जेपी अमन सोसायटी में रहते थे। वह नशे के आदि थे, तथा एक कॉलेज से पढ़ाई कर रहे थे।

ब्लूमिंगडेल स्कूल के छात्रों ने किया जनपद बदायूं का नाम रोशन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूँ। ब्लूमिंगडेल स्कूल के विद्यार्थियों ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए जनपद में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। विद्यालय के छात्र समृद्ध गुप्ता ने विज्ञान वर्ग (जीव विज्ञान) में 98.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जनपद बदायूं में टॉप किया। उनकी इस उपलब्धि से विद्यालय एवं परिवार में हर्ष का माहौल है। वहीं, कॉमर्स वर्ग की छात्र साइशा धींगडा ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया। दोनों विद्यार्थियों की मेहनत, लगन एवं अनुशासन की सभी ने सराहना की। विद्यालय का समग्र परीक्षा परिणाम भी अत्यंत उत्कृष्ट रहा। इस वर्ष विद्यालय के 28 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया।

विद्यालय की अध्यक्षा पम्मी मेहंदीरत्ता ने अपने संदेश में कहा, हमारे विद्यार्थियों ने अपनी कठिन मेहनत, समर्पण और अनुशासन के बल पर यह उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। समृद्ध गुप्ता एवं साइशा धींगडा की उपलब्धि पूरे विद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। हमें विश्वास है कि ये विद्यार्थी भविष्य में भी इसी प्रकार सफलता के नए आयाम स्थापित करेंगे और विद्यालय व जनपद का नाम रोशन करेंगे।

विद्यालय के उपप्रधानाचार्य परशुराम मिश्रा ने अपने सन्देश में कहा कि यह उपलब्धि केवल विद्यार्थियों की ही नहीं, बल्कि अभिभावकों, शिक्षकों एवं पूरे विद्यालय परिवार की संयुक्त मेहनत का परिणाम है। ब्लूमिंगडेल स्कूल सदैव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है। हमें अपने विद्यार्थियों की इस सफलता पर अत्यंत गर्व है और हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक ज्योति मेहंदीरत्ता, मैनेजिंग हेड ईशान व श्वेता मेहंदीरत्ता, कॉर्डिनेटर अंजला सोनी एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शहर में बिना पंजीकरण चल रहे 32 बरातघर

❒ इनमें से कई के पास अग्निशमन विभाग की एनओसी, पार्किंग व्यवस्था, प्रदूषण मानकों और स्थानीय निकाय से जरूरी अनुमति तक नहीं है

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बदायूं। शहर में बिना पंजीकरण संचालित मैरिज हॉल और बरातघरों पर प्रशासन की कार्रवाई फिलहाल नोटिस देने तक ही सिमटकर रह गई है। छह महीने पहले प्रशासन ने शहर के 32 बरातघर संचालकों को नियमों के उल्लंघन में नोटिस जारी किए थे, इसके बाद कार्रवाई आगे नहीं बढ़ सकी। न तो संचालकों ने पंजीकरण कराया और न ही प्रशासन ने कोई सख्त कदम उठाया। शहर में बड़ी संख्या में मैरिज हॉल और बरातघर आवासीय इलाकों और मुख्य मार्गों पर संचालित हो रहे हैं।

इनमें से कई के पास अग्निशमन विभाग की एनओसी, पार्किंग व्यवस्था, प्रदूषण मानकों और स्थानीय निकाय से जरूरी अनुमति तक नहीं है। बावजूद इसके इनका संचालन धड़ल्ले से जारी है। प्रशासन ने छह महीने पहले सर्वे के बाद 32 संचालकों को नोटिस भेजकर जवाब मांगा था। कई संचालकों ने जवाब तक नहीं दिया, जबकि कुछ ने पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया था।इसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। शादी समारोह के दौरान इन मैरिज हॉलों के बाहर जाम की स्थिति बन जाती है। कई बार फायर सेफ्टी के अभाव में हादसों का खतरा भी बना रहता है, फिर भी जिम्मेदार विभाग चुप्पी साधे हैं।

लोगों का आरोप है कि बिना मानकों के संचालित हो रहे मैरिज हॉलों के खिलाफ कार्रवाई न होना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। शहर के छोटे सरकार मार्ग पर बने द डायमंड लॉन के खिलाफ अगस्त 2025 में शिकायत मिली थी। जांच में प्रशासनिक टीम को कई कमियां मिली थीं। साथ ही उसको अवैध घोषित करते हुए संचालक को नोटिस भी भेजा गया था। नोटिस में कहा गया था कि अगर समय अवधि में जवाब नहीं दिया तो प्रशासनिक स्तर से कार्रवाई की जाएंगी। इसके बाद से सिर्फ नोटिस-नोटिस का खेल चल रहा है, कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई। हालत यहां तक हैं कि बरातघर के ऊपर से हाईटेंशन बिजली की लाइन तक जा रही है। ऐसे में जनहानि होने की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। प्रबंधक पूनम बैंक्वेट हाल, प्रबंधक ग्रीन फील्ड, प्रबंधक पर्ल बैंक्वेट हाल, प्रबंधक आरफीन बैंक्वेट हाल, प्रबंधक गौरीशंकर सहस्त्रधाम बैंक्वेट हाल, प्रबंधक सिद्धिविनायक बैंक्वेट हाल, प्रबंधक राहुल पैलेस, प्रबंधक ममता लॉन, प्रबंधक शिवांश लॉन, प्रबंधक पवन बैंक्वेट हाल, प्रबंधक साईं लॉन समेत 32 लॉन संचालक हैं। इन विभागों की जरूरी होती है अनुमती - नगर निकाय से पंजीकरण, अग्निशमन विभाग की एनओसी, प्रदूषण संबंधी मानक, पार्किंग व्यवस्था और भवन सुरक्षा मानक। पहले 32 मैरिज हॉल संचालकों को नोटिस जारी किए गए थे। कई ने जवाब नहीं दिया था, अब उनको फिर नोटिस जारी किए जा रहे हैं। उचित जवाब न मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। -सुरेश सिंह पाल, सिटी मजिस्ट्रेट

राणा बेनी माधव बक्स सिंह स्मारक परिसर में किया गया पौधारोपण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन फॉर इंडियन डेंटल एसोसिएशन के तत्वाधान में निर्माणाधीन राणा बेनी माधव बक्श सिंह स्मारक सभागार के परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ संजीव जायसवाल के नेतृत्व में आईएमए व इंडियन डेंटिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ आशीष पांडे के नेतृत्व में के चिकित्सकों ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर डॉ संजीव जायसवाल ने कहा कि पर्यावरण सप्ताह के अवसर पर हम सभी को एक एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। डॉ संजय रस्तोगी ने कहा कि यह हम सब के लिए सौभाग्य की बात है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की कृपा से बन रहे विशाल सभागार परिसर में पौधरोपण कर रहे हैं। यह सभागार जिले के लोगों के लिए एक वरदान साबित होगा। राना बेनी माधव बक्श सिंह स्मारक समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने सभी का स्वागत किया और बताया कि इसी माह सभागार पूर्ण रूप से तैयार हो जाएगा। राना जी की जयंती के अवसर पर 24 अगस्त को सभागार का लोकार्पण होगा। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष रवीन्द्र सिंह, राकेश भदौरिया, अभिषेक विक्रम सिंह,महेंद्र अग्रवाल, डॉ संजय रस्तोगी, डॉक्टर मनीष चौहान, डॉ बृजेश सिंह, आईएमए अध्यक्ष डॉक्टर संजीव जायसवाल, इंडियन डेंटिस्ट एसोसिएशन अध्यक्ष डॉ आशीष पांडे, सेक्रेटरी डॉ अनुराग श्रीवास्तव, डॉ जीके बरनवाल, डॉ गीता कुमार, डॉ नीतीश सिंह, डॉ रवि प्रताप सिंह , मंगलेश आदि उपस्थित रहे।

आबिद रज़ा ने ग्राम गाभियाई मे हदीरे वाले मियां साहब की दरगाह पर की चादरपोशी व गुलपोशी

बदायूं, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पूर्वमंत्री आबिद रज़ा ने ग्राम गाभियाई मे हदीरे वाले मियां साहब की दरगाह पर चादरपोशी व गुलपोशी कर अपनी अकीदत पेश की। दरगाह पर पहुँचने पर दरगाह कमेटी के अध्यक्ष अक्कन खां व सचिव अमीर उल्ला ने पूर्वमंत्री आबिद रज़ा का फूलमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया। उसके बाद पूर्व मंत्री आबिद रजा ने दरगाह शरीफ पर पहुंचकर सबसे पहले मजार पर चादर चढ़ाई और गुलपोशी की, साथ ही उन्होंने मुल्क में अमन–चैन, भाईचारे, तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ मांगी। उन्होंने अल्लाह से दुआ की कि देश में आपसी प्रेम और सौहार्द बना रहे तथा सभी लोगों की जिंदगी खुशहाल हो। पूर्व मंत्री आबिद रज़ा ने कहा कि उर्स जैसे धार्मिक आयोजन समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं। यहां हर धर्म और समुदाय के लोग एक साथ आकर दुआ करते हैं, जो हमारे देश की गंगा–जमुनी तहज़ीब की मिसाल है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है।इस मौके पर मुख्य रूप से अक्कन खां अध्यक्ष व अमीर उल्ला सचिव दरगाह कमेटी, नन्हें, अकरम, चंदा मियां प्रधान, हिफाजत भाई, हसन फौजी, अय्यूब, नवाजिश, सोहिल सिद्दीकी, हर्षित यादव, अनवर खां आदि लोग मौजूद रहें।

कांशीराम आवास कॉलोनी में अकेली रह रही वृद्धा का घर में मिला कंकाल

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बिसौली कस्बा के कांशीराम आवास कॉलोनी में रह रही अकेली वृद्धा का उसी के आवास में चारपाई पर कंकाल पड़ा मिला है। वह 10 दिन से घर से नहीं निकली थीं। बताते हैं कि पति के निधन के बाद से वह अकेली ही यहां रह रही थीं। सड़कों से कूड़ा–कचरा बीनकर गुजर–बसर किया करती थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कंकाल को सील कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया है। कांशीराम कॉलोनी के लोगों ने बताया कि कस्बा मुड़िया निवासी रामनिवास और उनकी पत्नी पतंग देवी पिछले 10 साल से कांशीराम आवास ब्लॉक–1 के क्वार्टर नं. सात में रह रहे थे। चार साल पहले रामनिवास की मौत के बाद पतंग देवी अकेली रह रही थीं। मोहल्ले वालों के मुताबिक, वह पिछले 10 दिन से घर से बाहर नहीं निकली थीं। मंगलवार को कुछ बच्चे खेलते–खेलते पतंग देवी के घर के पास पहुंचे। एक बच्चे ने दरवाजे से झांककर देखा तो खाट पर पतंग देवी का कंकाल पड़ा था। कमरे में तेज बदबू और कूड़े के ढेर लगे थे। बच्चों ने तुरंत मोहल्ले वालों को सूचना दी। बताया जा रहा है कि पतंग देवी का कोई बच्चा नहीं था। उनके पति भी घरों में सफाई कर परिवार का पेट पालते थे। कॉलोनी वालों की सूचना पर कोतवाल कमलेश मिश्र मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकलवाया।

प्रधान के भाई के मकान पर चला बुलडोजर, होलिका दहन स्थल पर कराया था अवैध निर्माण

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। अलापुर थाना क्षेत्र के ग्राम इकरी में होलिका दहन स्थल पर बने अवैध निर्माण को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के बाद हुई। आपको बता दें कि अलापुर थाना क्षेत्र के गांव इकरी में होली दहन स्थल की भूमि पर किए गए अवैध निर्माण के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। बताया जा रहा है कि ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से इस संबंध में शिकायतें की जा रही थीं, जिसके बाद जिला प्रशासन ने मामले का संज्ञान लिया।ग्रामीणों का आरोप था कि गांव में होली दहन के लिए निर्धारित सार्वजनिक स्थल पर अवैध रूप से मकान का निर्माण कर लिया गया था। इसके चलते प्रत्येक वर्ष होलिका दहन को लेकर ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता था। कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद जब समस्या का समाधान नहीं हुआ, तब मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचा। जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम गांव पहुंची और बुलडोजर चलाकर निर्माण को ध्वस्त कर दिया। बताया जाता है कि यह निर्माण ग्राम प्रधान के भाई तन्ना अंसारी का था। प्रशासन की इस कार्रवाई के दौरान गांव में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और होली दहन स्थल को अतिक्रमण मुक्त कराने पर संतोष व्यक्त किया।

वजीरगंज थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार सिंह लाइन हाजिर

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। एसएसपी अंकिता शर्मा ने वजीरगंज थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार सिंह को शनिवार रात लाइन हाजिर कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, सुरेंद्र कुमार सिंह की आयु 58 वर्ष पूर्ण होने के चलते उन्हें पुलिस लाइन भेजा गया है। वहीं, कुछ लोग हाल ही में हुए एक पुलिस एनकाउंटर के दौरान लाइव वीडियो बनाए जाने के मामले को भी इस कार्रवाई से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, पुलिस प्रशासन की ओर से लाइन हाजिर किए जाने के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। एसएसपी की इस कार्रवाई के बाद जिले के पुलिस महकमे में तरह–तरह की चर्चाएं चल रही हैं। अधिकारी फिलहाल इस मामले पर कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

पुलिस परीक्षा ड्यूटी में लगेंगे 500 से अधिक पुलिस कर्मी, आज होगी परीक्षा

बदायूँ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती–2025 की प्रवेश परीक्षा में जिले में विभिन्न जनपदों से करीब 34 हजार अभ्यर्थी तीन दिन में परीक्षा देने आएंगे। इसको लेकर पुलिस विभाग ने भी पूरी तैयारी कर ली है। परीक्षा की तैयारियों को लेकर शनिवार को पुलिस व अधिकारियों ने पूर्वाभ्यास भी किया है। जनपद के 15 केंद्रों पर होने वाली पुलिस लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून को होगी। पुलिस विभाग ने परीक्षा नकलविहीन और शांतिपूर्वक कराने के लिए जनपद में 500 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात किए हैं। परीक्षा के लिए 8 सीओ की ड्यूटी लगाई गई है। 15 परीक्षा केंद्रों पर 15 इंस्पेक्टर और 2 इंस्पेक्टर लाइन ऑर्डर के लिए और अन्य व्यवस्था के लिए 7 इंस्पेक्टर की तैनाती की गई है। इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था के लिए भी पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। एसपी सिटी अभिषेक कुमार सिंह ने बताया कि परीक्षा नकलविहीन और शांतिपूर्वक कराने का लक्ष्य प्राथमिकता है। इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। परीक्षा की सभी तैयारियों का शनिवार को रिहर्सल भी किया गया।

पूरे शिवा बख्तावर के आस - पास गांवों की हवा बिगाड़ रहा कूड़े का जहरीला धुआं

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । झंझरी बाईपास रोड़ के किनारे इकट्ठा कूड़े के ढेर में आग लगा दी जाती है।सुबह-शाम उधर उठे धुएं से कोहरा होने का आभास होता है।लेकि न यह धुआं लोगों की आंखों को बहुत परेशानी दे ता है।धुएं के कारण लोगों के आंखों से आंसू गिरने लगते हैं,वहीं सांस रोगियों की भी मुश्किल बढ़ जा ती है।गोंडा नगर पालिका परिषद की घोर लापरवा ही और गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली से पूरे शिव ब ख्तावर झंझरी ब्लॉक क्षेत्र को 'जहरीला कूड़ाघर' बना दिया है।वर्तमान में पूरे नगर पालिका परिषद का कूड़ा केवल झंझरी बाईपास मार्ग स्थित डंपिंग स्थल पर डाला जा रहा है,जबकि इस क्षेत्र के चारों ओर घनी आबादी गाँव और कॉलोनियां बसी हुई हैं। इससे हजारों लोगों का जीवन सीधे तौर पर खतरे में पड़ गया है।स्थिति इतनी भयावह है कि गर्मी शुरू होते ही कूड़े के ढेरों में लगातार आग लगाई जा रही है या स्वतःआग लग रही है।सूत्र बता रहे है कि

पिछले एक माह में चार बार आग लग चुकी है, जिससे उठने वाला जहरीला धुआं लोगों के फ़ेफड़ों में जहर घोल रहा है।बच्चों बुजुर्गों और महिलाओं के लिए सांस लेना तक मुश्किल हो गया है,लेकिन नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है।नगर का समूचा कूड़ा एक ही स्थान पर डंप किए जाने से यहां के हालात बेह द गंभीर हो गए हैं।चिंताजनक बात यह है कि इस डंपिंग स्थल के चारों ओर घनी आबादी और कई कॉलोनियां स्थित हैं,जिससे हजारों लोगों का जी वन सीधे तौर पर खतरे में पड़ गया है?

स्थानीय निवासियों की चिंता

झंझरी बाईपास मार्ग पर रहने वाले सर्वेश कुमार मिश्रा उर्फ़ ज्ञान,रमेश,फूलचद्र,भजनलाल, रोशन अमित, दीपक,नीरज मिश्रा आदि लोगों का कहना है कि नगर पालिका परिषद द्वारा बिना किसी वैज्ञा निक व्यवस्था के कूड़ा डाला जा रहा है। कूड़े के बड़े-बड़े ढेर में अक्सर आग लग जाती है।गर्मी का मौसम शुरू होते ही स्थिति

झंझरी बाईपास मार्ग पर सुलगता कचरा : बदबू और धूएं से दम घुटने को मजबूर स्थानीय लोग

और भयावह हो गई है पिछले एक माह के भीतर इस डंपिंग स्थल पर चा र बार आग लग चुकी है। उन्होंने दावा किया कि आग लगने के बाद उठने वाला जहरीला धुआं आ स पास की कॉलोनियों में फैल जाता है,जिससे लो गों को सांस लेने में भारी दिक्कत का सामना कर ना पड़ रहा है।बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर इसका सबसे अधिक असर देखने को मिल रहा है।लोगों का कहना है कि धुएं के कारण आंखों में जलन, खांसी और सांस संबंधी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं।आसपास कालोनियों में रहने वाले लो गों ने कई बार इस समस्या की शिकायत नगर पा लिका प्रशासन से की है लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।लोगों का आरोप है कि नगर पालिका प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बना हुआ है और समस्या को नजरअंदाज कर रहा है।

समाजसेवियों की आवाज

समाज सेवी सर्वेश कुमार मिश्रा उर्फ ज्ञान ने बता या कि वे कई बार इस मामले को नगर पालिका

जिला प्रशासन के अफसरों के समक्ष उठा चुके है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सबसे चौंकाने वाली बा त यह है कि यहां स्थापित कूड़ा निस्तारण प्लांट वल कागजों में 'संचालित' दिखाया जा रहा है, जब कि जमीनी हकीकत में वह पूरी तरह बंद पड़ा है।

पूर्व में कई बार इस गंभीर समस्या को लेकर शिका यतें की जा चुकी हैं,लेकिन नगर पालिका ने आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया।यह पूरा मामला राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के दिशा-निर्दे शों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 का खुला उल्लंघन है,जिसमें आबादी के पास कूड़ा डं पिंग और खुले में कूड़ा जलाना पूरी तरह प्रतिबंधि त है।इसके बावजूद नगर पालिका खुलेआम निय मों की धज्जियां उड़ा रही है।

दबंगों ने प्रधान को जान से मारने की दी धमकी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के करनैलगंज ब्लॉक की ग्राम पंचायत चंगैरिया के ग्राम प्रधान बाबूलाल कनौजिया ने आ रोप लगाया कि गाँव में काली स्थान के पास एक सौ वर्ष पुराना एक नीम का पेड़ ग्राम समाज की भूमि पर लगा था,जो आंधी तूफान में टूट कर गिर गया था।गिरे हुए पेड़ विपक्षी रामपाल, बृजपाल छांगुर, विकास, सर्वेश आदि लोगो के द्वारा पेड़ को जबरन काटा जा रहा था,पेड़ काटे जाने की सूचना ग्राम प्रधान ने पुलिस 112 को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने गिरे हुए पेड़ को ग्राम प्रधान के सुपुर्द कर दिया था। पुलिस के जाने बाद गाँव के कुछ दबंगो पर ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया है की कुछ लोग जान से मार देने की और गांव से पलायन, प्रधान पद से इस्तीफा देने की धमकी दे रहे हैं।वही ग्राम प्रधान ने इसकी लिखित शिकायत करनैलगंज के भभुआ चौकी पर शिकायत की है।

रिश्ते हुए कलंकित छोटे भाई ने बड़े भाई को पीट-पीट कर मार डाला, पुलिस हिरासत में आरोपी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सराय खत्री ग्राम पंचायत के जटमलपुर गांव में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है,जहां एक सनकी छोटे भाई ने अपने ही बड़े भाई की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी।आरोपी ने न सिर्फ भाई की जान ली,बल्कि अपने पिता को भी बुरी तरह पीटा और घर में आग लगा दी। आग लगने में लाखों का सामान जलकर राख हो गया और खूंटे पर बंधी एक भैंस की भी झुलसकर मौत हो गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, जटमलपुर गांव के रहने वाले भुल्लन निषाद का 18 वर्षीय छोटा बेटा अक्कू उर्फ हुलसी निषाद मंदबुद्धि किस्म का है और अक्सर घर में तोड़फोड़ व परि जनों से मारपीट करता रहता था।शनिवार देर रात उसने अचानक हिंसक होकर अपने 19 वर्षीय बड़े भाई अंकित निषाद पर शीशम के डंडे से ताबड़तो ड़ वार कर दिए, जिससे अंकित की मौके पर ही मौत हो गई।बीच-बचाव करने आए पिता भुल्लन को भी उसने डंडे से पीटकर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद आरोपी ने घर में आग लगा दी।देर रात जब ग्रामीणों ने भुल्लन के घर से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं, तो वे मौके पर भागे। वहां भुल्लन जमीन पर पड़े कराह रहे थे, कुछ दूरी पर अंकित का शव पड़ा था और उनकी एक भैंस भी मृत स्थिति में थी।ग्रामीणों ने तुरंत मामले की सूच ना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही वजीरगंज था ना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस ने त्व रित कार्रवाई करते हुए आरोपी भाई अक्कू उर्फ हुलसी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछ ताछ कर रही है।पीड़ित पिता का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

होटल - ढाबों में खप रही घरेलू गैस सिलिंडर के लिए धक्के खा रहे उपभोक्ता

होटलो में जल रहे घरेलू गैस सिलेंडर,गहरी में नींद में सौ रहे है जिम्मेदार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा। जिले में रसोई गैस सिलिंडर के किल्लत के चलते जहां लोगों के घरों में चूल्हा जलना मुश्किल हो रहा है।सिलिंडर के लिए लोग धक्के खा रहे हैं। वहीं,होटलों और ढाबों में घरेलू सिलिंडर का प्रयोग धड़ल्ले से किया जा रहा है।इससे आपूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, गैस एजेंसियों की तरफ से उपभोक्ताओं को बिना सि लिंडर दिए वापस लौटा दिया जा रहा है।पूर्ति वि भाग के अधिकारियों का दावा है कि जिले में गैस सिलिंडर की किल्लत नहीं है।बुकिंग के मुताबिक सभी उपभोक्ताओं को सिलिंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।विभाग के जिम्मेदारों के इस दावे की प ड़ताल गोंडा शहर में सरयू प्रसाद कन्या पाठशाला

बैंक आफ इंडिया के के पास संचालित एक मिठाई की दुकान पर घरेलू गैस सिलिंडर का प्रयोग किया जा रहा है।हालांकि गैस सिलिंडर का प्रयोग करने वाले संचालक कुछ बताने से इनकार करते रहे।

जबकि लोगों ने बताया कि यहां

पर घरेलू गैस सि लिंडर का प्रयोग लंबे समय से किया जा रहा है, जबकि इन्हें व्यावसायिक सिलिंडर की प्रयोग कर ना चाहिए।सूत्रों के अनुसार,होटल व ढाबा संचाल कों को घरेलू गैस सिलिंडर बिचौलिए उनसे संपर्क कर खुद पहुंचा दे रहे हैं।जिसके एवज में निर्धारित कीमत से एक हजार रुपये अधिक कीमत ले रहे हैं,इसके बावजूद इसका प्रयोग करने वालों को को ई एतराज नहीं है,क्योंकि व्यावसायिक सिलिंडर की मौजूदा कीमत करीब 34 सौ रुपये प्रति सिलिं डर है,ऐसे में उन्हें करीब 15 सौ रुपये की बचत हो रही है,वहीं,घरेलू रसोई गैस सिलिंडर की उपभोक्ता संजू देवी,उर्मिला सिंह ने बताया कि उन्हें पिछले ए क सप्ताह से लगातार आश्वासन दिया जा रहा है। लेकिन एजेंसी पर पहुंचने पर बिना गैस दिए ही य ह कहते हुए ही लौटा दिया जा रहा है,ऐसे में समय व धन दोनों की बर्बादी हो रही है, इसके बावजूद जिला प्रशासन की ओर से कोई ठोस इंतजाम नहीं किया जा रहा है।वही ग्रामीण इलाकों में उपभोक्ता ओं का आरोप है कि गैस बुकिंग के बाद मिलने वा ले डिलिवरी ऑथेंटिकेशन कोड के नाम पर खेल किया जा रहा है।कई बार सर्वर की समस्या या त कनीक का हवाला देकर उपभोक्ताओं को वापस लौटा दिया जाता है,जबकि दूसरी तरफ अवैध रूप से सिलिंडरों की कालाबाजारी जारी है। होटल व ढाबों पर घरेलू गैस सिलिंडर के प्रयोग पूरी तरह से रोक लगाई जाएगी।

इसके लिए विभाग की तरफ से कार्रवाई की तैयारी की जा रही है।जांच के दौरा न घरेलू गैस सिलिंडर का प्रयोग करते हुए पाए जा ने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।जिला पूर्ति अधिकारी, गोंडा..

सीडीओ साहब इटियाथोक में एपीओ,टीईए और मनरेगा बाबू की तिकड़ी से मनरेगा में लूट

ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत बगाही, हरदाई भट पुरवा,बिशनपुर माफी,रामवापुर नायक,निसरूपुर मेंहनोन में मची है लूट..की छूट....

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के इटियाथोक ब्लॉक में जिम्मेदारों की मिलीभगत से मनरेगा योजना में फर्जी मस्टर रोल का खेल जारी है।सूत्र बता रहे है कि एपीओ कि मिली भगत से सरकारीधन की बंदरबांट किया जा है धरातल पर कई जगहकार्य पहले हो चुके हैं अब अब वहां फर्जी मस्टर रोल जारी कराया जा रहा है और भिन्न-भिन्न कार्यों पर अपलोड की जा रही है। इतना बड़ा खेला होने के बाद भी जिम्मेदार अधि कारी आंखें बंद किए हुए हैं और प्रधान और अन्य जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी मनरेगा योजना का भट्ठा बैठाने में लगे हुए हैं।केंद्र व प्रदेश सरकार मनरेगा योजना में पारदर्शिता के लिए तमाम काय दे-कानून बना रखी है, जिससे श्रमिकों को गांव में ही काम मिल सके,परन्तु जिले के इटियाथोक ब्लॉ क

की ग्राम पंचायत बगाही,हरदाईभटपुरवा,विशुन

पुर माफी,रामवा पुर नायक,निसरूपुर, मेंहनोन के जिम्मेदार इस योजना में तमाम तरह के हथकंडे अ पनाकर शासनादेश की धज्जियां उड़ाने से नहीं चू क रहे हैं।इन ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्यों में च ल रहे मस्टर रोल में अधिक मजदूरों की जगह बहु त ही कम मजदूर कार्य करते दिखाई दिए। इतना ही नहीं,हद तो यह है कि एक ही कार्य के लिए कई बार मस्टर रोल में तैयार किया गया है।फर्जी मस्टर रोल के जरिए न सिर्फ सरकारी धन को चूना लगा या जा रहा है,बल्कि सरकार की मंशा पर पानी फ़े रने का भी काम किया जा रहा है।वहीं ग्रामीणों की मानें तो गांव में कराए जा रहे कार्यों पर कुछ मनरे गा मजदूर ही कार्य करते हैं, बाकी मजदूर कागजों में दिखाई देते हैं।ग्रामीणों के अनुसार, प्रधान द्वारा अपने स्वार्थ के लिए सैकड़ों की संख्या में मनरेगा योजना की लिस्ट में अपने चहेतों का नाम पहले से ही डलवा दिया गया है और उनके नाम पर भुगता न भी होता रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि अगर जिले के सम्बन्धित उच्चाधिकारी मनरेगा योजना के कार्यों का औचक निरीक्षण करें तो एपीओ और

टीईए की सच्चाई सरकार के सामने आ जाएगी और सरकार के करोड़ों रुपए गबन होने से बच जा एंगे और शायद ही इटियाथोक ब्लॉक भी सीबीआ ई जांच की जद में आने से बच जाएगा ईमानदारी पूर्वक जांच हुई तो तमाम जिम्मेदारों की गर्दनें फंस सकती हैं और ग्राम प्रधान और सचिव के भ्रष्टाचार की पोल खुल सकती है।

टीम गठित कर कराई जाएगी जांचः सीडीओ

इटियाथोक ब्लॉक की ग्राम पंचायतो में बड़े पैमाने पर की जा रही लूट के बारे में जिले के जिम्मेदार अधि कारी कुछ भी कहने से बच रहे हैं,इस संबंध में मुख्य विकास अधिकारी दयानन्द प्रसाद से बात की गयी तो उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में भ्र ष्टाचार किसी भी दशा में बर्दाश्त नहीं किया जाए गा।उन्होंने कहा कि टीम गठित कर मनरेगा योज ना में भ्रष्टाचार की जांच करा कर कार्रवाई की जाएगी।

हाईटेक लैब के साथ आईटीआई नानपारा में शुरू होंगी तीन नई ट्रेड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बंजारन टाड़ा, नानपारा में लगभग 3 करोड़ 29 लाख रुपये की लागत से अत्याधुनिक हाईटेक लैब स्थापित की जा रही है। निर्माण कार्य अंतिम चरण में है तथा शीघ्र ही आधुनिक मशीनों और उपकरणों की स्थापना शुरू होगी। इसके शुरू होने के बाद विद्यार्थियों को उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।

संस्थान की नोडल प्रधानाचार्य स्मृति शर्मा ने बताया कि हाईटेक लैब के संचालन के साथ ही संस्थान में एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग टेक्नीशियन (3डी प्रिंटिंग), एडवांस्ड सीएनसी मशीनिंग टेक्नीशियन तथा मैकेनिक इलेक्ट्रिक व्हीकल जैसी आधुनिक तकनीकों पर आधारित तीन नई

ट्रेडों का संचालन प्रारंभ किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को नवीनतम औद्योगिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनकी रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि लैब में स्थापित होने वाली अत्याधुनिक मशीनों और उपकरणों के माध्यम से प्रशिक्षार्थियों को आधुनिक उद्योगों में प्रयुक्त तकनीकों का प्रशिक्षण मिलेगा। इससे उन्हें देश-विदेश की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में रोजगार प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। नोडल प्रधानाचार्य ने बताया कि आगामी सप्ताह से इन ट्रेडों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी, ताकि इच्छुक अभ्यर्थी समय रहते आवेदन कर आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त कर सकें। संस्थान के प्रधानाचार्य सुनील कुमार मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुए संस्थान को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। नई ट्रेडों के संचालन से क्षेत्र के युवाओं को उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त होगा तथा उनके लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मत्स्य योजनाओ के लिए 08 जून से किये जा सकते हैं आनलाइन आवेदन

बहराइच । प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य बाबू राम ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में मत्स्य विभाग द्वारा संचालित राज्य सेक्टर की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जनसामान्य को ऑनलाइन आवेदन करने हेतु विभागीय पोर्टल फिशरीज़ डाट यूपी डाट जीओवी डाट इन 08 जून से 28 जून, 2026 तक खोला जा रहा है। विभिन्न योजनाओं में मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना एवं सघन मत्स्य पालन हेतु एयरेशन सिस्टम की स्थापना आदि सम्मिलित हैं।

सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया क़िविभागीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदक को योजनावार अलग-अलग आवेदन करने होंगे। योजना के अन्तर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले अभिलेख व अन्य विस्तृत विवरण भी सम्बन्धित पोर्टल पर उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि योजना में पूर्व के वर्षों में निरस्त/प्रतीक्षारत आवेदनकर्ता पुनः आवेदन कर सकते हैं। अन्य जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति विकास भवन के निकट सरस शो-रूम में स्थित जिला मत्स्य कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।

टैंपो से मंगलसूत्र चोरी के मामले में दो महिलाओं समेत तीन गिरफ्तार

हाथरस । उत्तर प्रदेश के जनपद हाथरस के सादाबाद कस्बे में टेंपो में सवार महिला का मंगलसूत्र चोरी करने के आरोप में पुलिस ने रविवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें टेंपो चालक और दो महिलाएं शामिल हैं। पुलिस ने चोरी किया गया मंगलसूत्र और अन्य सामान भी बरामद कर लिया है।

यह घटना 29 मई को हुई थी, जब गीगला गांव निवासी रानी अपने बीमार बेटे की दवा लेने के लिए टेंपो से आगरा जा रही थीं। रानी ने सादाबाद थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि जारऊ बंबा के पास टेंपो चालक और उसमें सवार महिलाओं ने उन्हें जबरन वाहन से उतार दिया। इसके बाद उन्होंने पाया कि उनके गले से मंगलसूत्र गायब था। पीड़िता ने टेंपो का नंबर नोट कर पुलिस को सूचना दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सादाबाद पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की। टेंपो चालक की तलाश के दौरान दो महिलाओं सहित तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया।

सुरक्षित भोजन और नशा मुक्ति को लेकर जनजागरण जरूरी : ज्योति बाबा

कानपुर। सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी महत्वपूर्ण आधार है। दूषित और मिलावटी खाद्य पदार्थों के बढ़ते खतरे से बचाव के लिए जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही युवाओं को नशे और असुरक्षित भोजन दोनों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाना चाहिए। यह बातें रविवार को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर आयोजित संगोष्ठी में अंतरराष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख योग गुरु ज्योति बाबा ने कहीं। विकास नगर स्थित संस्था कार्यालय में सोसाइटी योग ज्योति इंडिया एवं सूर्योदय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्लसुरक्षित भोजन, जहर मुक्त अन्न : नशा मुक्त तनङ्क रहा। मुख्य वक्ता ज्योति बाबा ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 60 करोड़ लोग दूषित भोजन से बीमार पड़ते हैं ।

अस्थाई गोआश्रय स्थल परसेण्डी का प्रभारी मंत्री ने किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । जनपद स्थापित गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों हेतु की गई व्यवस्थाओं का जायज़ा लेने के उद्देश्य से शनिवार शाम मा. राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात विभाग/प्रभारी मंत्री जनपद बहराइच श्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्वत व मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता के साथ तहसील व ब्लाक कैसरगंज में स्थित अस्थाई गोआश्रय स्थल परसेण्डी का भ्रमण किया गया। गो आश्रय स्थल पहुंचने पर सर्वप्रथम प्रभारी मंत्री श्री सिंह द्वारा गोआश्रय स्थल का निरीक्षण करते हुए गोपूजन कर गोवंशों को गुड़ व फल खिलाकर गौमाता व नंदी का सम्मान किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. राजेश उपाध्याय द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में वर्तमान समय में शहरी/ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 97

अस्थाई गोआश्रय स्थल, नगरीय क्षेत्र में 02 कान्हा गोशाला एवं 08 कांजी हाउस के साथ-साथ 10 वृहद गोसंरक्षण केन्द्रों में गोसंरक्षण का कार्य किया जा रहा है। जिसमें जनवरी 2019 से अब तक 33 हज़ार से अधिक गोवंशों को संरक्षण प्रदान करते हुए उनमें लगभग 2700 इच्छुक पशुपालकों एवं कृषकों को 7000 से अधिक गोवंशों को मुख्यमंत्री सहभागिता योजना अन्तर्गत सुपुर्दगी में दिया गया है। सीवीओ डॉ. उपाध्याय ने बताया कि माह अप्रैल 2026 तक गो आश्रय स्थलों एवं सुपर्दगी में दिये गये गोवंशों के भरण पोषण की धनराशि सम्बन्धित के बैंक खातों में अन्तरित करा दी गई है। माह मई 2026 के भुगतान की औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि गैर सरकारी संस्थाओं को गोआश्रय स्थलों के गुणवत्तापूर्ण बेहतर संचालन के लिए जनपद में कार्यवाही की जा रही है। अभी तक 03 एनजीओ द्वारा आवेदन किया गया है। सभी गोआश्रय स्थलों में भूसा/हरे चारे/चोकर/पशु आहार व गुड़ नमक की उपलब्धता है। सीवीओ ने बताया कि वर्तमान समय में अस्थाई गोआश्रय स्थल परसेण्डी में 457 गोवंश संरक्षित हैं। गोआश्रय स्थल में लगभग 4000 कुण्टल से अधिक भूसे का भण्डारण किया गया है। 50 कि.ग्रा. की 28 बोरी चोकर एवं 25 कि.ग्रा. की 21 बोरी पशु आहार के साथ पर्याप्त मात्रा में हरा चारा, गुड़ व नमक उपलब्ध है। गोआश्रय स्थल में स्थापित सीसीटीवी कैमरे क्रियाशील है। पशुओं के लिए पर्याप्त पशु शेड के साथ साथ चरनी व प्याऊ का भी प्रबन्ध है। गोआश्रय स्थल का भ्रमण करते हुए साफ-सफाई संतोषजनक पायी गयी। प्रभारी मंत्री ने गोआश्रय स्थल में कराये गये वृक्षारोपण कार्य की सराहना करते हुए निर्देश दिया कि इसी तरह से सभी गोआश्रय स्थलों वृक्षारोपण सुनिश्चित किया जाय तथा रोपे गये वृक्षों की ग्रोथ के लिए जिला उद्यान अधिकारी से तकनीकी सहयोग प्राप्त किया जाय। गो आश्रय स्थल परिसर में पटंजा बिछाकर सुरक्षित तरीके से किये जा रहे गोबर संचय कार्य की सराहना करते हुए प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिया कि उत्पादित गोबर से जैविक खाद तैयार की जाय जिससे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिल सके। इस सम्बन्ध में बीडीओ द्वारा बताया गया कि गोआश्रय परिसर में वर्मी कम्पोस्ट पिट बनायी गई है।

पेट्रोल-डीजल-गैस के नाम पर लूट मचा रहे व्यापारियों पर जदयू ने जताया कड़ा विरोध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जनता दल (यूनाइटेड) उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ ओम प्रकाश उपाध्याय ने पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी का हवाला देकर बाजार में हो रही मनमानी महंगाई और लूटपाट पर कड़ा विरोध जताया है।

श्री उपाध्याय ने कहा कि आज बाजार में हर चीज का रेट मनमाना हो गया है। व्यापारी लोग पेट्रोल-डीजल-गैस के दामों में बढ़ोतरी के नाम पर हर सामान पर अनाप-शनाप दाम वसूल रहे हैं। यह आम जनता के साथ खुली लूटपाट है जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि महंगाई के नाम पर मनमानी दाम बढ़ाना किसी भी रूप में जायज नहीं है। उन्होंने जिला प्रशासन से मांग की कि जिला सप्लाई ऑफिसर, इंस्पेक्टर और उनकी टीमों को बाजार का तत्काल सर्वे करना चाहिए और देखना चाहिए कि किस तरह लोग बिना कारण दाम बढ़ाकर जनता को लूट रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बाजार में नकली चीजों की भरमार है। खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा के सामान तक में मिलावट और नकली प्रोडक्ट धड़ल्ले से बिक रहे हैं। इस पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। श्री उपाध्याय ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से महंगाई और मिलावटखोरी पर रोक नहीं लगाई तो जदयू प्रबुद्ध प्रकोष्ठ जनता के साथ मिलकर प्रबल विरोध प्रदर्शन करेगा। जनता की गाढ़ी कमाई पर डाका डालने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने आम जनता से भी अपील की कि वे बिना बिल सामान न खरीदें और मनमाना दाम वसूलने वाले व्यापारियों की शिकायत तुरंत जिला प्रशासन को करें।

जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेसी नेता ने कराया लस्सी वितरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत दिलाने के लिए बेटे के जन्मदिन पर कांग्रेस नेता व अधिवक्ता प्रेम प्रकाश अग्रहरि ने अपने चौक स्थित कैंप कार्यालय पर लस्सी वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया।

कांग्रेस के विधि विभाग के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट मदन तिवारी पिछड़ा वर्ग के प्रदेश महासचिव मोहसिन सलीम कांग्रेस सेवा दल के नगर अध्यक्ष मानिकचंद श्रीवास्तव व कांग्रेस के आरटीआई के शहर अध्यक्ष शाईद खालिद की मौजूदगी में लस्सी वितरण कार्यक्रम की शुरुआत हुई । पैसे से अधिवक्ता प्रेम प्रकाश अग्रहरि बताते हैं कि गर्मी में बीते कई बरसों से वह इस कार्यक्रम का आयोजन करते हैं चौक क्षेत्र के व्यस्ततम बाजार में आने वाले राहगीरो ग्राहक व नागरिको के लिए शीतल लस्सी की व्यवस्था की जाती है। एक व्यापारी के नाते ग्राहकों की सेवा करना और बच्चों में ग्राहकों के प्रति आदर का संस्कार भरना ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। कार्यक्रम में अधिवक्ता वेद प्रकाश शुक्ल हरतोष मिश्रा एडवोकेट, हामिद राईनी, शब्बू भाई, मानिक चन्द्र श्रीवास्तव पूर्व सभासद बेनू शुक्ल मौजूद रहे।

नाबालिग से छेड़छाड़ और वीडियो बनाने का आरोपी फरार, परिजनों को दी थी दिनदहाड़े उठाने की धमकी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।कोतवाली पूरनपुर क्षेत्र के ग्राम टांडा छत्रपति में एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़, जबरन शारीरिक संबंध बनाने के प्रयास और ब्लैकमेलिंग का गंभीर मामला सामने आया है पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकद्दमा दर्ज कर लिया है पीड़ित पिता रामपाल के अनुसार, बीती 2 जून की शाम करीब 8:00 बजे उनकी नाबालिग पुत्री माधुरी देवी (बदला हुआ नाम) अपने ताऊ के घर से लौट रही थी तभी रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे आरोपी अर्जुन पुत्र डालचन्द्र ने उसे जबरन अपने घर के अंदर खींच लिया आरोप है कि अर्जुन ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं, जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर अपने मोबाइल में वीडियो बना ली लोक-लाज और बदनामी के डर से पीड़ित परिवार शुरुआत में थाने नहीं आया लेकिन हौसले बुलंद होने पर आरोपी अर्जुन ने 3 जून को पीड़ित परिवार को खुलेआम धमकी दी कि यदि माधुरी की शादी उसके साथ नहीं की गई, तो वह उसे दिनदहाड़े घर से उठा ले जाएगा इस धमकी के बाद से पूरा परिवार दहशत में आ गया पीड़ित परिवार की तहरीर पर कोतवाली पूरनपुर पुलिस ने आरोपी अर्जुन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट छेड़छाड़, आईटी एक्ट और जान से मारने की धमकी देने जैसी विभिन्न सक्षम व गंभीर धाराओं में मुकद्दमा पंजीकृत कर लिया है पुलिस मामले की जांच और आरोपी की तलाश में जुट गई है।

कौहार महिमापुर ड्रेन पर नव निर्मित पुल से आर्थिक विकास को नई गति प्रदान होगी : राकेश प्रताप सिंह

गौरीगंज के विधायक ने सोलह लाख पंचानबे हजार रुपये की लागत से निर्मित पुल का किया लोकार्पण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी । विधानसभा क्षेत्र गौरीगंज के विकास एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर संपर्क व्यवस्था सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में कौहार से महिमापुर लेन पर सोलह लाख पंचानवे हजार रुपये की लागत से निर्मित पुल का लोकार्पण विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह द्वारा किया गया।विधायक राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास तथा आमजन की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। यह पुल लंबे समय से क्षेत्रवासियों की आवश्यकता था, जिसके निर्माण से अब लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा प्राप्त होगी।इस पुल के निर्माण से जुड़ियापुर, महिमापुर, कटरा, कौहार एवं जेठौना सहित आसपास के गांवों के हजारों नागरिक लाभान्वित होंगे। विशेष रूप से किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों एवं ग्रामीणों को आवागमन में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी तथा बरसात के दिनों में संपर्क बाधित होने की समस्या का भी समाधान होगा।विधायक राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक विकास की किरण पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान मण्डल अध्यक्ष अजय सिंह गौर, ललित सिंह प्रधान सराय भगमानी, कृष्णकांत तिवारी, राम भवन पाल प्रधान जुड़ियापुर,पवन सिंह पठानपुर, प्रशांत पांडेय, शिवम पांडेय, बब्बन सिंह प्रधान, सोनू सिंह प्रधान जी जेठूमवई, संजय तिवारी सहित क्षेत्र के सम्मानित नागरिक, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने पुल निर्माण एवं लोकार्पण के लिए विधायक श्री राकेश प्रताप सिंह का आभार व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पंचायत सहायकों ने मानदेय बढ़ोत्तरी एवं अन्य मांगों को लेकर विधायक को सौंपा ज्ञापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

अमेठी,जनपद अमेठी की ग्राम पंचायतों में कार्यरत पंचायत सहायकों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन गौरीगंज के विधायक को सौंपा है। पंचायत सहायकों ने कहा कि हम समस्त पंचायत सहायक ग्राम पंचायतों में विभिन्न डिजिटल, प्रशासनिक एवं जनहित से जुड़े कार्यों का निरंतर निर्वहन कर रहे हैं। पंचायत स्तर पर शासन की योजनाओं एवं डिजिटल सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने में पंचायत सहायकों की महत्वपूर्ण भूमिका है किन्तु वर्तमान मानदेय एवं सेवा शर्तें अत्यंत अपर्याप्त एवं असंतोषजनक हैं।पंचायत सहायकों को मात्र छह हजार रुपया प्रतिमाह मानदेय प्राप्त हो रहा है जो वर्तमान महंगाई एवं जीवन-यापन की आवश्यकताओं को देखते हुये अत्यंत कम है। इस अल्प मानदेय में एक परिवार का भरण पोषण, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक खर्चों का वहन कर पाना अत्यंत कठिन हो गया है। परिणामस्वरूप पंचायत सहायकों एवं उनके परिवारों को गंभीर आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।पंचायत सहायकों ने लिखा है कि हम सबका मानदेय बढ़ाकर ग्राम पंचायत सचिव के समकक्ष तीस हजार रुपया प्रतिमाह किया जाए अथवा कम से कम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम कुशल मजदूरी दर लागू की जाय। पंचायत सहायकों की अनुबंध प्रणाली समाप्त कर स्थायी सेवा नियमावली बनाई जाय और विवाह उपरांत महिला पंचायत सहायकों हेतु स्थानांतरण/समायोजन नीति लागू की जाय। इसके साथ ही ग्राम पंचायत अधिकारी/ग्राम विकास अधिकारी के रिक्त पदों की भर्ती प्रक्रिया में पंचायत सहायकों को पचास प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाय।पंचायत सहायकों एवं उनके परिवारों को आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाय। गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि पंचायत सहायकों की उपरोक्त मांगों का पत्र मुख्यमंत्री को सौंप दिया जायेगा और उनकी मांगे पूरी किये जाने की सिफारिश भी करुंगा। इस मौके पर भूपेंद्र बहादुर सिंह,आदर्श पाण्डेय, अजीत यादव, अशोक कुमार,तृप्ति पाण्डेय, कोमल, सीमा देवी, पूजा सरोज सहित अन्य तमाम पंचायत सहायक मौजूद रहे।

दवा एजेंसी के नाम पर 44 लाख की ठगी का आरोप, पीड़ित ने सीओ से लगाई कार्रवाई की गुहार, मुकदमा दर्ज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। घुँघचिहाई क्षेत्र के ग्राम कबीरपुर कसंगजा निवासी राजेश कुमार ने दवा एजेंसी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी किए जाने का आरोप लगाते हुए क्षेत्राधिकारी पूरनपुर से कार्रवाई की मांग की है पीड़ित के अनुसार जिला अस्पताल में संविदा कर्मचारी के रूप में कार्यरत अरुण कुमार मौर्या जो हाल मे जेल भेजे जा चुके है ने खुद को आयुष्मान योजना और निजी अस्पतालों से जुड़ा प्रभावशाली व्यक्ति बताते हुए बड़ी दवा एजेंसी लेने के लिए आर्थिक मदद मांगी थी आरोप है कि अरुण कुमार मौर्या, उसके पिता रमाकांत, भाई पंकज मौर्य और पत्नी नीतू मौर्य समेत परिवार के अन्य लोगों ने भरोसे में लेकर रुपये निवेश करवाए राजेश कुमार का कहना है कि उन्होंने अलग-अलग बैंक खातों से आरटीजीएस के माध्यम से करीब 16 लाख 88 हजार रुपये भेजे, जबकि रिश्तेदारों और परिचितों से लेकर कुल लगभग 44 लाख रुपये अरुण कुमार को दिए गए आरोप है कि महीनों बीतने के बाद भी कोई एजेंसी नहीं खोली गई और रुपये वापस मांगने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी पीड़ित ने तहरीर में आरोप लगाया है कि आरोपी परिवार इसी तरह अन्य लोगों को भी ठगी का शिकार बना चुका है फिलहाल मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस से शिकायत की गई थी जिस पर मुकदमा दर्ज किया जा चुका है।

पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा में अठाइस हजार पांच सौ बारह अभ्यर्थी होंगे शामिल

अमेठी,जनपद अमेठी में आगामी आठ नौ एवं दस जून को प्रस्तावित उत्तर प्रदेश नागरिक पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा हेतु जनपद अमेठी में निर्धारित बारह परीक्षा केन्द्रों पर अठाइस हजार पांच सौ बारह अभ्यर्थी शामिल होंगे। उनकी सुरक्षा व्यवस्था हेतु पर्याप्त पुलिस बल लगाया गया है तीन जोन,बारह सेक्टर में ड्यूटियां लगायी गयी हैं। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने बताया कि अभ्यर्थियों को सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु सुचारु ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है।समस्त परीक्षा केन्द्रों पर यूपी 112 पीआरवी वाहन एवं एम्बुलेंस तैनात किया गया है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की व्यवस्था की गयी है।परीक्षा केन्द्रों के अन्दर एक विशेष सैनीटाइजेशन टीम तैनात किया गया है जो ऐसे स्थानों की चेकिंग करेंगे जहां प्रतिबंधित वस्तुएं छिपा कर रखी जा सकती हैं। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी ने बताया कि प्रत्येक थाना क्षेत्र में क्यूआरटी टीम तैनात करने, रेलवे स्टेशन, बस स्टैण्ड पर पर्याप्त होल्डिंग एरिया की व्यवस्था सुनिश्चित किया गया है।सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी को भ्रमणशील रहने का निर्देश दिया गया है।

कूड़े में भोजन तलाश रही गायों की पूजा कर जताया विरोध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। शहर की सड़कों पर लगे कूड़े के ढेरों में भोजन तलाश रहे गौवंशों की स्थिति को लेकर अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कूड़े के ढेर में भोजन खोज रही गायों की पूजा कर नगर पालिका परिषद की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि एक ओर गायों को गौमाता का दर्जा दिया जाता है, वहीं दूसरी ओर वे सड़कों पर कूड़ा और पॉलीथिन खाने को मजबूर हैं। नगर पालिका पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मानो गौवंशों के लिए असीमित एवं निशुल्क चारे की व्यवस्था कर दी गई हो, लेकिन यह चारा उनके लिए जानलेवा साबित हो रहा है। राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्लास्टिक और पॉलीथिन खाने से गायों के आमाशय में कचरा भर जाता है, जिसके कारण वे गंभीर बीमारियों का शिकार होती हैं और कई बार उनकी दर्दनाक मृत्यु तक हो जाती है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन से शहर में नियमित कूड़ा निस्तारण, गौवंशों के लिए चारे की व्यवस्था तथा सड़कों पर फैले कूड़े के ढेरों को तत्काल हटाने की मांग की। इस दौरान उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या न केवल गौवंशों बल्कि आम नागरिकों के स्वास्थ्य और यातायात व्यवस्था के लिए भी गंभीर चुनौती बनी रहेगी।

पूरनपुर को जाम से मिलेगी राहत, शेरपुर और माधोटांडा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज निर्माण की तैयारी तेज

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग अब जल्द पूरी होती नजर आ रही है पूरनपुर की शेरपुर और माधोटांडा रेलवे क्रॉसिंग पर भव्य ओवरब्रिज (फ्लाईओवर) निर्माण की प्रक्रिया तेज हो गई है विधायक बाबूराम पासवान द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद को पत्र भेजकर क्षेत्र की समस्या से अवगत कराया गया था, जिसके बाद अब परियोजना को गति मिलती दिखाई दे रही है शुक्रवार को शाहजहांपुर से आई उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम (यूपीएसबीसीएल) की टीम ने नगर पालिका, बिजली विभाग, वन विभाग और रेलवे अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वे किया सर्वे के दौरान ओवरब्रिज की जद में आने वाले भवनों, दुकानों, चबूतरों और अन्य निर्माणों को चिह्नित करते हुए उन पर क्रॉस के निशान लगाए गए सड़क के दोनों ओर लगभग 11-11 मीटर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया सेतु निगम के अधिकारियों ने बिजली विभाग को ओवरब्रिज निर्माण में बाधा बन रही बिजली लाइनें, खंभे और ट्रांसफॉर्मर शिफ्ट करने के निर्देश दिए हैं वहीं नगर पालिका से डिवाइडर और स्ट्रीट लाइट हटाने के लिए एस्टीमेट तैयार करने को कहा गया है माधोटांडा रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज के लिए पहले ही मंजूरी मिल चुकी है रेलवे बोर्ड द्वारा लगभग 13.46 करोड़ रुपये की लागत का आंकलन कर अग्रिम कार्रवाई को भेजा गया है वहीं अब शेरपुर रेलवे क्रॉसिंग पर भी निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने से लोगों में खुशी का माहौल है इन दोनों रेलवे क्रॉसिंग पर आए दिन लगने वाले जाम से हजारों लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है माधोटांडा क्रॉसिंग से उत्तराखंड और शेरपुर क्रॉसिंग से नेपाल, लखीमपुर सहित कई क्षेत्रों का आवागमन जुड़ा हुआ है इसके अलावा नगर पालिका के कई वार्डों और आसपास के गांवों के लोगों का मुख्य आवागमन भी इन्हीं मार्गों से होता है ओवरब्रिज बनने के बाद क्षेत्र को भीषण जाम से राहत मिलेगी और यातायात अधिक सुरक्षित व सुगम होगा हालांकि सर्वे के दौरान जिन दुकानों और भवनों पर निशान लगाए गए हैं, उनके स्वामियों में मुआवजे और हटाए जाने को लेकर चिंता भी देखी गई विधायक बाबूराम पासवान ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में बड़ा कदम बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का आभार जताया है लंबे इंतजार के बाद अब लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही पूरनपुर को आधुनिक यातायात सुविधा की सौगात मिलेगी।

स्टेशन परिसर में मारपीट, पुलिस चौकी और रेलवे चौकी में चला 'अधिकार क्षेत्र' का खेल

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्टेशन परिसर के अंदर पुलिस चौकी के पीछे मामूली कहासुनी को लेकर दो पक्षों के युवक आपस में भिड़ गए देखते ही देखते विवाद मारपीट में बदल गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में भी हड़कंप मच गया हैरानी की बात यह रही कि घटना पुलिस चौकी और रेलवे चौकी के बीच के क्षेत्र में होने के बावजूद दोनों चौकी प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र में मारपीट होने से इंकार करते रहे पुलिस चौकी इंचार्ज और रेलवे चौकी इंचार्ज एक-दूसरे पर अधिकार क्षेत्र का मामला बताकर जिम्मेदारी टालते नजर आए प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों पक्षों में काफी देर तक कहासुनी और धक्का-मुक्की होती रही बाद में मामला शांत कराया गया फिलहाल मामले में तहरीर दे दी गई है और पुलिस जांच की बात कह रही है वहीं लोगों में चर्चा है कि जब सुरक्षा एजेंसियां ही अधिकार क्षेत्र तय करने में उलझी रहेंगी तो स्टेशन परिसर में कानून व्यवस्था कैसे कायम रहेगी।

खारजा नहर में डूबे युवक का 24 घंटे बाद मिला शव

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। खारजा नहर में डूबे बरेली निवासी 21 वर्षीय मनीष का शव करीब 24 घंटे बाद गोताखोरों ने बरामद कर लिया युवक शनिवार को दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने आया था, तभी नहर में डूब गया था गौरतलब है कि हादसे से एक दिन पहले ही खबर के माध्यम से नहर किनारे सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक लापरवाही को लेकर चेतावनी दी गई थी, लेकिन कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हादसे के बाद प्रशासन हरकत में आया और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया रविवार को गोताखोरों ने युवक का शव नहर से बाहर निकाला परिजनों की लिखित सहमति के बाद पुलिस ने बिना पोस्टमार्टम शव उन्हें सौंप दिया इसके बाद शव को बरेली ले जाया गया घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है वहीं स्थानीय लोगों ने नहर किनारे सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है।

साइकिल यात्रा से दिया स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश, पीलीभीत में निकली जागरूकता रैली

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को लेकर एक अनोखी पहल देखने को मिली क्रीड़ा भारती पीलीभीत एवं अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के संयुक्त तत्वावधान में भव्य साइकिल जागरूकता यात्रा का आयोजन किया गया इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को फिटनेस, ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा सुबह 6:30 बजे गांधी स्टेडियम से शुरू हुई साइकिल यात्रा को नगर अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया इस दौरान करीब 60 से अधिक खिलाड़ियों, पूर्व सैनिकों, युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया साइकिल यात्रा गांधी स्टेडियम से शुरू होकर गनिया चौराहा, शुगर फैक्ट्री, रेलवे स्टेशन, छतरी चौराहा, मधुबन कॉलोनी और सुनगढ़ी थाना होते हुए पुनः गांधी स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने लोगों को साइकिल अपनाने, प्रदूषण कम करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया नगर अध्यक्ष डॉ. आस्था अग्रवाल ने कहा कि साइकिल चलाना शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का भी सबसे सरल माध्यम है वहीं अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष के.पी. वर्मा ने कहा कि नियमित साइकिल चलाने से अनेक बीमारियों से बचाव होता है और पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता भी कम होती है कार्यक्रम में जिला मंत्री क्रीड़ा भारती एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सतीश शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सेना से सेवानिवृत्त होने के बाद से वह लगातार साइकिल का उपयोग कर रहे हैं उन्होंने कहा कि इससे हर महीने करीब दो हजार रुपये के ईंधन की बचत हो रही है और पिछले सात वर्षों में यह बचत लगभग 1.68 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है, जिसे उन्होंने एसआईपी में निवेश किया है सीए संजय अग्रवाल ने कहा कि पहला सुख निरोगी काया की कहावत आज भी उतनी ही प्रासंगिक है और साइकिल स्वास्थ्य के लिए सबसे सस्ता और प्रभावी साधन है इस अवसर पर धर्मेंद्र कुमार, संजीव सक्सेना, संजय गंगवार, पूनम अग्रवाल, रोहित कुमार, महेश कुमार, दीपक सरकार, प्रदीप कुमार, बाबू भारती, इशांत शर्मा, अनुष्का, अविनाश सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे साइकिल यात्रा ने शहरवासियों को यह संदेश दिया कि यदि लोग रोजमर्रा की जिंदगी में साइकिल को अपनाएं तो न केवल स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि प्रदूषण और ईंधन खर्च में भी बड़ी कमी लाई जा सकती है।

घर की किराना दुकान से दिनदहाड़े पर्स चोरी, मोहल्ले में दहशत

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मोहल्ला कायस्थान स्थित जायसवाल कॉलोनी केएम लोधी वाली गली निवासी गणेश सत्यावली की पत्नी सोनी सत्यावली के घर में चल रही किराना दुकान से दिनदहाड़े पर्स चोरी होने का मामला सामने आया हैजिसका वीडियो भी सोशल मिडिया पर जमकर वायरल हो रहा है घटना के बाद मोहल्ले के लोगों में दहशत और आक्रोश का माहौल है बताया जा रहा है कि सोनी सत्यावली रोज की तरह घर में संचालित किराना दुकान संभाल रही थीं करीब 11:30 बजे वह कुछ देर के लिए दुकान छोड़कर अंदर दाल बनाने चली गईं इसी दौरान मौके का फायदा उठाकर एक उचक्का दुकान पर रखा पर्स लेकर फरार हो गया जब तक उनकी बेटी की नजर आरोपी पर पड़ी और शोर मचाया गया, तब तक वह गलियों के रास्ते रफूचक्कर हो चुका था पीड़ित परिवार के अनुसार पर्स में करीब 2500 रुपये नकद रखे हुए थे घटना के बाद आसपास के लोगों ने भी चिंता जताई है कि अब गली-मोहल्लों में भी चोरी की घटनाएं होने लगी हैं, जिससे आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर में उचक्कों और चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं और पुलिस प्रशासन का खौफ दिखाई नहीं दे रहा दिनदहाड़े हुई इस घटना ने पुलिस गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं वहीं पीड़ित परिवार ने कार्रवाई की मांग करते हुए मामले की शिकायत पुलिस से करने की बात कही है।

सम्पादकीय

धीमे जहर के कारोबारी: मुनाफ़े के लिये मिलावट घोषित हो अपराध

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं? पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफ़े के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं। पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफ़े से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं। हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है? यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन-देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं। अन्यथा ये सच कभी अनावृत न होते। ऐसी ही कोई कारगर तकनीक मिलावट रोकेगी। जयपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दिनों पैकेज्ड फूड आइटम्स पर लिखी एक्सपायरी डेट मिटाने वाले अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए। तो ऐसे में एक्सपायरी डेट देखकर सामान खरीदने वाला आम आदमी क्या करेगा? निश्चय ही अनैतिक रूप से मुनाफा कमाने वाले लोग सख्त सजा के हकदार हैं। देश में मिलावटखोरी रोकने के लिए तुरंत सख्त कानून बनाने की जरूरत है।

मिलावट-मुक्त भारत से ही विकसित भारत संभव

हर वर्ष 7 जून को मनाया जाने वाला विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस केवल सुरक्षित भोजन की आवश्यकता का स्मरण कराने वाला दिवस नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, आर्थिक समृद्धि और सतत विकास के लिए एक वैश्विक संकल्प का अवसर भी है। वर्ष 2026 की थीम ''खाद्य सुरक्षाः विज्ञान की सक्रिय भूमिका'' इस बात पर बल देती है कि विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक और प्रभावी निगरानी प्रणालियों के माध्यम से ही सुरक्षित खाद्य व्यवस्था सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन विडम्बना यह है कि भारत जैसे विशाल कृषि प्रधान देश में खाद्य पदार्थों, दवाइयों और दैनिक उपभोग की वस्तुओं में बढ़ती मिलावट इस लक्ष्य को गंभीर चुनौती दे रही है। मिलावट केवल खाद्य सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, यह राष्ट्र के स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, नैतिकता और वैश्विक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ विषय है। जिस देश को विश्वगुरु और विकसित भारत बनने का सपना है, वहां यदि दूध, घी, मावा, मसाले, अनाज, मिठाइयां, फल-सब्जियां और यहां तक कि जीवनरक्षक दवाइयां भी मिलावट की शिकार हों, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मानवता के विरुद्ध अपराध है। भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफ़े की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि नैतिक पतन का भी संकेत है। जब समाज में ईमानदारी और उत्तरदायित्व की भावना कमजोर पड़ती है, तब ऐसे अपराध फलने-फूलने लगते हैं। सरकारों ने समय-समय पर खाद्य सुरक्षा और मानक कानून बनाए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) सहित अनेक संस्थाएं निगरानी और परीक्षण का कार्य करती हैं। फिर भी जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और कानूनी प्रक्रियाओं की धीमी गति मिलावट के विरुद्ध अभियान को प्रभावी नहीं बनने देती। अनेक मामलों में दोषियों को दंड मिलने में वर्षों लग जाते हैं, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं, बल्कि उन्हें कठोरता और पारदर्शिता के साथ लागू करने की है। खाद्य पदार्थों की नियमित जांच, आधुनिक प्रयोगशालाओं का विस्तार, डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली, त्वरित न्याय व्यवस्था और दोषियों के लिए कठोर दंड आवश्यक हैं। मिलावट को सामान्य आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के विरुद्ध गंभीर अपराध माना जाना चाहिए। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस 2026 की थीम विज्ञान की भूमिका पर जोर देती है। विज्ञान और तकनीक मिलावट के विरुद्ध सबसे प्रभावी हथियार बन सकते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन आधारित आपूर्ति श्रृंखला, आधुनिक परीक्षण तकनीक, मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब तथा उपभोक्ता जागरूकता एप्लिकेशन खाद्य सुरक्षा को नई दिशा दे सकते हैं। वैज्ञानिक निगरानी से उत्पादन से लेकर उपभोग तक हर चरण में गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। लेकिन केवल सरकार या विज्ञान ही इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते। समाज और उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। जागरूक नागरिकों को संदिग्ध उत्पादों की शिकायत करनी चाहिए, प्रमाणित उत्पादों का उपयोग करना चाहिए तथा स्थानीय स्तर पर खाद्य सुरक्षा के प्रति जनजागरण अभियान चलाने चाहिए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संस्थाओं और धार्मिक संगठनों को भी इस विषय को सामाजिक आंदोलन का रूप देना होगा। भारत आज विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर यदि हम वास्तव में एक विकसित, स्वस्थ और सम्मानित भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो ह्लमिलावट-मुक्त भारतङ्क को राष्ट्रीय अभियान बनाना होगा। जिस प्रकार स्वच्छ भारत अभियान ने जनभागीदारी से व्यापक परिवर्तन लाया, उसी प्रकार मिलावट के विरुद्ध भी राष्ट्रीय चेतना का निर्माण आवश्यक है। भारत की पहचान योग, आयुर्वेद, शुद्ध आहार, नैतिक जीवन-मूल्यों और ह्लसर्वे भवन्तु सुखिनःङ्क की संस्कृति से रही है। यह पहचान तभी सार्थक होगी जब हमारे भोजन, दवाइयों और उपभोग की वस्तुओं में शुद्धता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। एक ऐसा भारत, जहां भोजन विश्वास का प्रतीक हो, जहां दवा जीवन का संरक्षण करे, जहां व्यापार नैतिकता पर आधारित हो और जहां उपभोक्ता निश्चिंत होकर बाजार से वस्तुएं खरीद सके-वही विकसित भारत का वास्तविक स्वरूप होगा। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित भोजन केवल स्वास्थ्य का अधिकार नहीं, बल्कि मानव गरिमा और राष्ट्रीय विकास की आधारशिला है। यदि हम आज मिलावट के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष का संकल्प लें, तो आने वाली पीढ़ियों को एक स्वस्थ, सुरक्षित और समृद्ध भारत दे सकते हैं। ह्लशुद्ध आहार, स्वस्थ परिवार, मिलावट-मुक्त भारत, विकसित भारत का आधारङ्क, यही 2047 के विकसित भारत की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदम होगा और यही विश्व समुदाय के समक्ष भारत को एक आदर्श राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। -ललित गर्ग

भारत में मिलावट का कारोबार आज एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और सिंथेटिक रसायनों का प्रयोग, मावे में स्टार्च और रासायनिक पदार्थों की मिलावट, मसालों में रंग और धूल, शहद में चीनी सिरप, खाद्य तेलों में सस्ते तेलों का मिश्रण तथा फलों और सब्जियों को कृत्रिम रसायनों से पकाना आम बात हो गई है। बाजार में बिकने वाले अनेक उत्पाद देखने में आकर्षक होते हैं, लेकिन भीतर से विषैले सिद्ध होते हैं। स्थिति तब और भयावह हो जाती है जब दवाइयों में मिलावट या नकली दवाओं का मामला सामने आता है। पिछले वर्षों में विभिन्न राज्यों में नकली अथवा घटिया दवाओं के सेवन से अनेक लोगों की मृत्यु और गंभीर स्वास्थ्य संकट की घटनाएं सामने आईं। राजस्थान के कोटा सहित कई स्थानों पर ऐसी खबरों ने पूरे देश को झकझोर दिया। जब जीवन बचाने वाली दवा ही मौत का कारण बनने लगे, तब यह केवल स्वास्थ्य व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। मिलावट का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ता है। कैंसर, किडनी रोग, हृदय रोग, यकृत संबंधी विकार, हार्मोन असंतुलन, बच्चों में कुपोषण, महिलाओं में स्वास्थ्य समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी अनेक गंभीर समस्याओं का संबंध दूषित एवं मिलावटी खाद्य पदार्थों से जुड़ता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षित भोजन के कारण हर वर्ष करोड़ों लोग बीमार पड़ते हैं। भारत में भी स्वास्थ्य पर पड़ने वाला यह बोझ लगातार बढ़ रहा है। किन्तु मिलावट का संकट केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रहार करता है। जब किसी देश के खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता संदिग्ध हो जाती है, तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में उसकी विश्वसनीयता प्रभावित होती है। निर्यात घटता है, विदेशी निवेश प्रभावित होता है और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में देश पिछड़ जाता है। भारत कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का एक बड़ा केंद्र बन सकता है, लेकिन मिलावट की समस्या उसकी संभावनाओं पर ग्रहण लगा रही है। इससे भी अधिक चिंता का विषय यह है कि मिलावट सामाजिक मूल्यों के क्षरण का प्रतीक बनती जा रही है। कुछ लोग त्वरित लाभ और अधिक मुनाफ़े की लालसा में दूसरों के जीवन से खिलवाड़ कर रहे हैं।

शिक्षाविद् के शिक्षा मंत्री बनने तक विद्यार्थियों पर अत्याचार होता रहेगा

पूरन चंद सरीन

शिक्षा को लेकर हंगामा बरपा है। पढ़े लिखे बेरोजगारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। शिक्षा संस्थान कुव्यवस्था, भ्रष्टाचार और विद्यार्थियों के जीवन से खिलवाड़ करने का अड्डा बन चुके हैं। पड़ताल करें तो सच का सामना होते देर नहीं लगेगी। शिक्षा मंत्रियों की उदासीनता रू हकीकत है कि आजादी के बाद से जितने भी महानुभाव इस पद पर आसीन हुए, उनकी शिक्षा प्रणाली बनाने और एक ऐसी नीति निर्धारण करने में न रुचि थी न योग्यता, जिससे भारत का भविष्य अर्थात बच्चे और युवा जुड़ सकें। सबसे पहले मौलाना अबुल कलाम आजाद, जिन्होंने 1947 से 1958 तक पढ़ाई-लिखाई के लिए अंग्रेजों की मैकाले पद्धति और पारंपरिक इस्लामी शिक्षा को लागू रखने के अलावा कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया। वैसे उन्हें भारतीय शिक्षा का शिल्पकार कहा जाता है क्योंकि पंडित नेहरू के विशेष कृपा पात्र होने से उनके नेतृत्व में यू.जी.सी. और वैज्ञानिक शिक्षा की नींव रखी गई लेकिन वे भूल गए कि देश को मजबूत शिक्षा नीति की जरूरत है। विरोधाभास शुरू हुआ। देश ने विश्वस्तरीय उच्च शिक्षण संस्थान बनाए, परंतु प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को कोई महत्व नहीं मिला। शिक्षा का एक ऐसा ढांचा विकसित हुआ, जिसमें कुछ संस्थान छोड़कर अधिकांश स्कूल औसत या कमजोर बने रहे। उनके बाद के.एल. श्रीमाली, हुमायूं कबीर, एम.सी. छागला, फखरुद्दीन अली अहमद 1967 तक रहे, जिनकी डिग्रियां उनके व्यवसाय के अनुसार थीं लेकिन शिक्षा के मामले में निल बटा सन्नाटा। 1968 में महान शिक्षाविद् दौलत सिंह कोठारी के नेतृत्व में पहली शिक्षा नीति बनी। इसे आधे-अधूरे मन से थोड़ा-बहुत लागू किया लेकिन महत्वपूर्ण सिफारिशों को कचरे में फैंक दिया। त्रिगुणा सेन और डॉक्टर वी.के.आर.वी. राव से लेकर नूरुल हसन जैसे महानुभाव आए, जिनकी कोई बात नहीं सुनी गई। बाकियों के पास स्नातक या उसके आसपास की डिग्रियां थीं लेकिन उनके नाम कोई ऐसा कारनामा नहीं, जो शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए किया हो। शिक्षक सबसे कमजोर कड़ी रू किसी भी शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता उसके शिक्षकों से तय होती है। फिनलैंड में शिक्षक बनने के लिए सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन होता है। जापान में शिक्षक को सामाजिक सम्मान प्राप्त है। दक्षिण कोरिया में शिक्षक राष्ट्रीय विकास के भागीदार माने जाते हैं। भारत में आज भी हजारों पद रिक्त हैं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता असमान है। अनेक शिक्षक प्रशासनिक कार्यों में उलझे रहते हैं। जब शिक्षक ही सशक्त नहीं होगा तो विद्यार्थी कैसे होगा? राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री बने तो 1986 में नई शिक्षा नीति सामने आई, जिसमें कम्प्यूटर शिक्षा पर जोर दिया। अब तक की दोनों नीतियों में शिक्षक की कहीं कोई भूमिका नहीं थी। उनके लिए कोर्स बने लेकिन जब वे पढने के बाद पढ़ाने गए तो पता चला कि विद्यार्थियों को साधारण अक्षर ज्ञान और गणित के जमा-घटा तक का ज्ञान नहीं है। वे कुछ बोलते तो प्रशासनिक अधिकारी यह कहकर चुप करा देते कि तुम्हें हमसे ज्यादा नॉलेज है तो इसे अपने पास रखो। नीति इतनी व्यापक थी कि घोटाले करने की पूरी छूट थी। पढना-लिखना इतना महंगा हो गया कि अमीर लोगों की जेब में समा गया। यही नहीं, एक कमरे के विश्वविद्यालय अस्तित्व में आ गए और घर के मामूली पढ़े-लिखे चांसलर हो गए। नाम के आगे डॉक्टर लगाना तो मामूली बात थी। सरकारें बदलीं लेकिन लक्ष्य यही रहा कि अंधा बांटे रेवड़ी, फिर-फिर अपने को दे। रटंत विद्या का बोलबाला हुआ, चीटिंग की आदत ने कबाड़ा किया और सभी नामचीन या अंधेरी गलियों में खुले खोखे सिर्फ नोट छापने की मशीन बन गए। भाजपा सरकार ने तो 12वीं पास स्मृति ईरानी को शिक्षा की बागडोर सौंप दी। धर्मेंद्र प्रधान तक पूरा हिसाब-किताब जोड़कर देख लीजिए कि क्या किसी भी दल की सरकार ने शिक्षा को गंभीरता से लिया? निष्कर्ष 'नहीं' में निकलेगा। इसका कारण यह है कि इनमें से कोई इतिहासकार और कानून का जानकार होने का दावा भले ही करे लेकिन शिक्षा प्रणाली या नीति बनाने में कोई रुचि न थी। यह काम विभिन्न आयोगों और नौकरशाही के हाथ का खिलौना बनकर रह गए। 1968 की पहली शिक्षा नीति का शिक्षा पर 6 फीसदी खर्च का लक्ष्य आज तक अधर में लटका हुआ है। तीन भाषा फार्मूला विवादों का पिटारा और सबसे अधिक गिरावट ग्रामीण क्षेत्रों की अनदेखी के कारण हुई। भानुमति का कुनबा और जादू की छड़ी घूमते ही पूरे देश में शिक्षा क्रांति करने के लिए 2020 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने घोषणाओं की झड़ी लगा दी, जिन्हें पूरा करना ईश्वर के अधिकार में तो हो सकता है लेकिन इंसान तो अगले सौ साल में भी नहीं कर सकता।

सेहत मंत्र

जोड़ों का दर्द, नहीं है लाइलाज

आज पूरे विश्व में 40 प्रतिशत से अधिक लोग जोड़ों के दर्द से परेशान हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक 30 साल से अधिक उम्र की तकरीबन 20 प्रतिशत शहरी आबादी किसी न किसी जोड़ के दर्द से पीड़ित है। महिलाओं में यह रोग अधिक पाया जाता है। आमतौर पर कोई भी इस रोग का शिकार हो सकता है लेकिन दुर्घटनाग्रस्त लोग, मोटे और आरामपरस्त, कम्प्यूटर ऑपरेटर, दुपहिया चालक, क्लर्क, घरेलू एवं अनियमित माहवारी वाली महिलाएं तथा और भी अनेकों लोग जोड़ों के दर्द से पीड़ित हैं। इस रोग के उत्पन्न होने का कारण देह में एकत्रित विजातीय द्रव्य का हड्डियों के जोड़ में प्रविष्ट हो जाना है। इससे जोड़ों में सूजन और पीड़ा पैदा हो जाती है जिससे कई बार ज्वर भी हो जाता है। इस रोग का उपचार करने के लिये शरीर और जोड़ों में एकत्रित मल को तेजी से निकालना आवश्यक है। यह दूषित मल शरीर के सभी मार्गों से निकालना पड़ता है। मल और मूत्र निकालने वाले दोनों मार्ग तो शरीर की सफाई के प्रधान साधन होते ही हैं पर त्वचा और सांस भी इस कार्य में सहयोग देते हैं। रोगी को कभी-कभी एनिमा भी देना चाहिये। भोजन में फल और तरकारियों का प्रयोग अधिक करना चाहिए। इस रोग का उपचार करने में तुलसी बड़ी कारगर भूमिका निभाती है क्योंकि तुलसी में वात विकार को मिटाने का प्राकृतिक गुण होता है। तुलसी का तेल बनाकर दर्द वाली जगह लगाने से तुरंत आराम मिलता है। यदि नाड़ियों में दर्द हो तो तुलसी के काढ़े का प्रयोग करें। यह बहुत हितकारी होता है। तुलसी के रस को पीने से भी जोड़ों का दर्द ठीक होता है। तुलसी की जड़, पत्ते, डण्ठल, मंजरी व बीज, इन पांचों का समान भाग लेकर, कूट छानकर 6 ग्राम मात्रा उतने ही पुराने गुड़ के साथ मिला लें। इसका प्रातः व सायंः दूध के साथ सेवन करें। बकरी का दूध मिल जाये तो और भी अच्छा है।

जोड़ों का दर्द होने पर क्या करें: तकलीफ होने पर नमक मिले गरम पानी का सेवन व हल्के गुनगुने सरसों के तेल की मालिश करें। मोटापे पर नियंत्रण रखें। नियमित सूक्ष्म व्यायाम व योगाभ्यास करें। शरीर में यूरिक एसिड अधिक होने पर चिकित्सक से सलाह अवश्य लें।

धर्म मंत्र

दुख की पराकाष्ठा

दुख की पराकाष्ठा जब हो जाती है तब उस समय मनुष्य स्वयं को असहाय अनुभव करने लगता है। उसकी उस स्थिति में अपने साथ नहीं निभा पाते अथवा निभाना नहीं चाहते। तब अपनों से बेज़ार होकर, वह सबसे कटकर अलग-थलग हो जाता है। रिश्तों को निभाने के उसके सभी प्रयास खोखले दिखाई देने लगते हैं। वास्तव में दुख एक मानसिक, शारीरिक अथवा भावनात्मक कष्ट की अवस्था है। दुख तब उत्पन्न होता है जब इच्छाएं, अपेक्षाएं या परिस्थितियाँ मनुष्य के अनुकूल नहीं होतीं। यह किसी महत्वपूर्ण हानि जैसे किसी प्रियजन की मृत्यु का होना, किसी रिश्ते के टूटने या असफलता के कारण होने वाली एक प्राकृतिक और भावनात्मक प्रतिक्रिया है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि दुख मन की वह व्याकुलता है जो किसी हानि या प्रतिकूल परिस्थिति के कारण पैदा होती है। यह स्थिति व्यक्ति को व्यथित करती रहती है। मनीषी कहते हैं कि ऐसे कठिन समय में जब अपनी परछाई तक साथ छोड़ देती है, तब मनुष्य अनहोनी के भय से कदम-कदम पर चौंकने लगता है। अपनों के प्यार-दुलार से ठुकराए जाते हुए मनुष्य को कहीं ठौर नहीं मिलता। ऐसे कष्ट के समय पति को अपनी पत्नी का और पत्नी को अपने पति का सहारा मिल जाए तो ईश्वर की बड़ी कृपा समझो। यदि उनके बच्चे माता अथवा पिता के दुख को समझने वाले हों और उन्हें सहारा देने वाले हों तो सोने पर सुहागे जैसी स्थिति बन जाती है। मनुष्य अपने दुखों से जूझने में एक हद तक सफल हो जाता है। दुख एक अस्थायी स्थिति है परन्तु इसे स्थायी मान लेने पर व्यक्ति बहुत अधिक दुखी हो जाता है। दुख केवल दुखद भावनाओं तक सीमित नहीं होता बल्कि इसमें शारीरिक पीड़ा, अवसाद, और मानसिक अशान्ति भी शामिल किया जा सकता है।

पर्यटन

ताड़केश्वर महादेव मंदिर ट्रेकिंग और प्रकृति प्रेमियों के लिए बेहतरीन धार्मिक स्थल

आजकल लोगों में घूमने-फिरने का चलन अधिक बढ़ गया है। ऑफिस की थकान और सुकून के पल बिताने के लिए लोग पहाड़ों पर घूमने जरुर जाते हैं। लोग पहाड़ों पर ट्रेंकिग करना पसंद करते हैं। वैसे तो उत्तराखंड में ऊंचाई पर महादेव के कई मंदिर हैं। केदारनाथ, तुंगनाथ, त्रियुगीनारायण, मध्यमहेश्वर, रुद्रनाथ, कल्पेश्वर जैसे कई मंदिर हैं। इन्हीं में से एक है ताड़केश्वर महादेव मंदिर है। शिव भक्तों की यहां हमेशा भीड़ लगी रहती है। यहां पर लोग लंबी ट्रेकिंग करके पहुंचते हैं। यह मंदिर घने देवदार और चीड़ के जंगलों के बीच मौजूद ये मंदिर समुद्र तल से करीब 5900 फीट की ऊंचाई पर मौजूद है। उत्तराखंड में बसे लैंसडाउन से ये मंदिर करीब 38 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप गर्मी से राहत पाना चाहते हैं और धार्मिक स्थल पर भी जाना है, तो आप इस मंदिर के दर्शन करने जरुर जाए। ताड़केश्वर महादेव मंदिर उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में है। ये मंदिर लैंसडाउन के पास घने जंगलों में बना हुआ है। यहां प्राकृतिक नजारा देखने के लायक होता है। यहां पर आपको ट्रेकिंग करके जाना होगा, लेकिन यहां की खूबसूरती अद्भुत है। आपकी सारी थकान चुटकियों में खत्म हो जाएगी। मंदिर के चारों ओर लगे ऊंचे-ऊंचे देवदार के पेड़ इसकी खूबसूरती को और चार चांद लगा देते हैं। अगर आप 1800 मीटर की चढ़ाई करके ताड़केश्वर महादेव मंदिर पहुंचना चाहते हैं, तो इसके लिए अप्रैल से जून तक का समय सबसे बेस्ट है। इसके अलावा, सितंबर से नवंबर का महीना घूमने के लिए बढ़िया है। इस समय यहां का मौसम और नजारे बेहद ही खूबसूरत होते हैं। यह मंदिर प्रतिदिन सुबह 6:00 बजे से लेकर शाम 7:00 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहता है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय यहां का मनमोहक वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य देखने लायक होता है। मंदिर परिसर को आराम से घूमने और इसकी विशेषताओं का आनंद लेने के लिए लगभग 2 घंटे का समय पर्याप्त माना जाता है।

सवर्ण समाज को हक अधिकार के लिए एकजुट करना ही एकमात्र लक्ष्य : सर्वेश पांडेय

सवर्णों की एकजुटता पर दिया गया जोर, सवर्ण आर्मी की मासिक बैठक संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी।लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित नारायण रेस्टोरेंट पर रविवार को सवर्ण आर्मी की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सवर्ण आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश पाण्डेय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।बाराबंकी पहुंचने पर सर्वप्रथम उन्होंने भिटरिया स्थित छोटी हनुमान गढ़ी में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद बैठक स्थल पहुंचकर विभिन्न क्षेत्रों से आए सवर्ण समाज के लोगों को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने सवर्ण समाज की एकता और संगठन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में सवर्ण समाज को एकजुट होकर अपने अधिकारों और हितों के लिए संगठित होना चाहिए।राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी राजनीतिक दल का समर्थन या विरोध करना नहीं है, बल्कि समाज को एक मंच पर लाकर उसकी ताकत को बढ़ाना है। उन्होंने कहा, ङ्कोई व्यक्ति किसी भी राजनीतिक पार्टी से जुड़ा हो, यदि वह सवर्ण समाज का है तो वह मेरा है और मैं उसका हूं।ङ्क उन्होंने सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग और संगठन की मजबूती पर विशेष जोर दिया।बैठक में संगठन के विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राहुल बाजपेई, जिला संयोजक मनोज शुक्ला, जिला महासचिव अमित मिश्रा, करणी सेना के जिला अध्यक्ष कौशलेंद्र प्रताप सिंह, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र सिंह रिंकू, संदीप पाठक, कीर्तिमान पाण्डेय, अनिल मिश्रा, भक्तिमान पांडेय, दीपेश पाण्डेय , अनुपम पाण्डेय, करन पाण्डेय, हिमांशु शुक्ला, विवेक शुक्ला, विनय तिवारी, संजयमिश्रा, गुड्डू सिंह, शिवम पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मत्स्य विभाग की तीन योजनाओं के लिए आवेदन शुरू, 28 जून तक करें ऑनलाइन पंजीकरण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मत्स्य पालकों और मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिए अच्छी खबर है। मत्स्य विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, निषादराज बोट सब्सिडी योजना तथा सघन मत्स्य पालन हेतु ऐरेशन सिस्टम स्थापना योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। इच्छुक लाभार्थी 08 जून से 28 जून 2026 तक विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मत्स्य अछेलाल निषाद ने बताया कि प्रत्येक योजना के लिए अलग-अलग आवेदन करना अनिवार्य होगा। पूर्व में निरस्त या लंबित रहे आवेदक भी पुनः आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने मत्स्य पालकों से समय रहते आवेदन कर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

योजनाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण, बाराबंकी कार्यालय अथवा विभागीय वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। सहायता के लिए कार्य दिवसों में दूरभाष संख्या 05248-358643 पर संपर्क किया जा सकता है।

अजगर के साथ दबोचा गया तस्कर, वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

रामनगर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। वन्यजीव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बाराबंकी वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। रामनगर रेंज की टीम ने एक व्यक्ति को जीवित अजगर के साथ गिरफ्तार कर उसके खिलाफ वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

प्रभागीय वनाधिकारी आकाश दीप बधावन के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में वन विभाग को सूचना मिली थी कि थाना रामनगर क्षेत्र के ग्राम भगौतीपुर में एक व्यक्ति के पास अजगर रखा गया है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और छापेमारी कर आरोपी को जीवित अजगर के साथ पकड़ लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राजू पुत्र खेला, निवासी भितरकनिका, जाजपुर (उड़ीसा) बताया। वन विभाग ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध वन अपराध संख्या 21/2026-27 दर्ज की है। उस पर वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम की धारा 9, 39, 48ए एवं 51 के तहत कार्रवाई की गई है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वन अधिकारियों ने बताया कि अजगर संरक्षित वन्यजीव श्रेणी में आता है और उसका शिकार, कब्जा, परिवहन या व्यापार कानूनन अपराध है। विभाग ने स्पष्ट किया कि वन्यजीवों की तस्करी और अवैध गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त अभियान जारी रहेगा। कार्रवाई में उप क्षेत्रीय वन अधिकारी मनोज कुमार यादव, वन दरोगा सचिन पटेल, वन रक्षक रमन तिवारी तथा कर्मचारी रामानन्द शामिल रहे।

वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वन्यजीवों के अवैध शिकार, तस्करी या संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तत्काल विभाग को दें, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की बदहाली से जनता त्रस्त, 2027 में होगा बदलाव: गौरव रावत

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। समाजवादी पार्टी के विधायक गौरव कुमार रावत ने कहा कि प्रदेश में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं से आमजन कराह रहा है। भाजपा सरकार की नीतियों से किसान, नौजवान और व्यापारी सभी वर्ग परेशान हैं। किसानों को समय पर खाद नहीं मिल रही है और फसलों का उचित मूल्य भी नहीं मिल पा रहा, जिससे खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है।

रविवार को ज्योरी रोड स्थित सपा नेता पप्पू वर्मा के प्रतिष्ठान पर विधानसभा जैदपुर के ब्लॉक मसौली अंतर्गत सेक्टर रजईपुर, सादामऊ, नैनामऊ और सद्दीपुर के सेक्टर एवं बूथ अध्यक्षों की बैठक को संबोधित करते हुए विधायक गौरव रावत ने कहा कि चारों ओर महंगाई का हाहाकार है। रसोई गैस, खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के बढ़ते दामों ने आम परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार जनसमस्याओं के समाधान में विफल साबित हुई है।

विधायक ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाएं तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करें। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। इसके लिए बूथ एवं सेक्टर अध्यक्षों को अपने-अपने क्षेत्रों की मतदाता सूची का बारीकी से सत्यापन कर त्रुटियों की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देनी होगी। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद उबेद शानू, ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश यादव, विधानसभा महासचिव प्रेम किशोर वर्मा (पप्पू), जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान संजय, प्रधान मोबिन सिकंदर, प्रधान इसरार, मास्टर प्रेमचंद वर्मा, वीरपाल वर्मा, अनिल वर्मा, सुरेश वर्मा, उत्तम वर्मा, अवध राम वर्मा, जगरूप वर्मा, दिनेश रावत, धीरज रावत, रमेश रावत, खुर्शीद, रिजवान अहमद जकरिया, फकीर अली, ताजुद्दीन अंसारी, पप्पू अंसारी, पप्पू रावत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि, बलिदान की गाथाओं का किया स्मरण

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार फाउंडेशन द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को आयोजित किए जाने वाले श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत पटेल संस्थान स्थित लौहपुरुष एवं भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा तथा ग्राम गोछौरा निवासी महान स्वतंत्रता सेनानी स्व. सुखनंदन वर्मा के निर्वाण दिवस पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार वर्मा के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। इस अवसर पर जनपद के सभी स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों को भी नमन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर सेनानियों की स्मृतियों को संजोए रखने के लिए ऐसे कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाते रहेंगे। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी विकास भूषण ने स्व. सुखनंदन वर्मा के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्हें लगान बंदी आंदोलन में भाग लेने पर वर्ष 1932 में छह माह के कठोर कारावास एवं 100 रुपये जुर्माने की सजा मिली थी। वहीं भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका के कारण वर्ष 1942 में डेढ़ वर्ष का कठोर कारावास और 100 रुपये का जुर्माना भुगतना पड़ा। वे मंडल कांग्रेस कमेटी के सदस्य भी रहे। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष जमीलुररहमान ने किया। इस अवसर पर संरक्षक डॉ. राजकुमार, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार, उपेंद्र कुमार, तहसील प्रभारी अरुण कुमार वर्मा, डॉ. प्रियंका, दीपिका, विकास भूषण सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पीएम आवास, किस्त हड़पने का आरोप बीडीओ समेत छह पर एफआईआर

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। प्रधानमंत्री आवास योजना की लाभार्थी की दूसरी किस्त की धनराशि कथित रूप से गबन किए जाने के मामले में न्यायालय के आदेश पर तत्कालीन खंड विकास अधिकारी, ग्राम प्रधान सहित छह लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

बनीकोडर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम ककरहा मजरे छेंदवल निवासी सुनीता पत्नी रामलखन ने न्यायालय में दायर परिवाद में आरोप लगाया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 40 हजार रुपये मिले थे, जिसके बाद उन्होंने आवास निर्माण शुरू कराया। लेकिन दूसरी किस्त के 70 हजार रुपये स्वीकृत होने के बावजूद उनके बैंक खाते में नहीं पहुंचे।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों में 112 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरौलीगौसपुर के अंतर्गत बदोसराय, सैदनपुर और महमूदाबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री आरोग्य मेलों का आयोजन किया गया। मेलों में कुल 112 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं वितरित की गईं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बदोसराय में 45 मरीजों का उपचार किया गया। यहां डॉ. संतोष शुक्ला, एएनएम ज्योति यादव और फार्मासिस्ट त्रिभुवन सिंह सहित स्वास्थ्यकर्मियों ने सेवाएं प्रदान कीं। सैदनपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 38 मरीजों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाएं दी गईं। इस दौरान डॉ. संजय कुमार गुप्ता, एएनएम सरला तथा अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। वहीं महमूदाबाद प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर आयोजित मेले में 29 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं वितरित की गईं।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. आरिफ सिद्दीकी ने बताया कि भीषण गर्मी और मौसम में बदलाव के कारण मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा कि अत्यावश्यक कार्य न होने पर दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच घर से बाहर निकलने से बचें। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और धूप से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी।

नवागत डीआईओएस अमिता सिंह का शिक्षकों ने किया स्वागत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। जनपद की नवागत जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) श्रीमती अमिता सिंह का आदर्श माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने उनके कार्यालय पहुंचकर स्वागत किया और जनपद आगमन की बधाई दी।

संघ के प्रांतीय संयोजक एवं सिटी इंटर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य वी.पी. सिंह तथा शिक्षक राजन सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने जिले में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने, विद्यालयों में शैक्षिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा विभागीय कार्यों में पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

पदाधिकारियों ने कहा कि उनके नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा मिलेगी तथा शिक्षकों और कर्मचारियों की समस्याओं का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित होगा। कार्यक्रम में प्रधान लिपिक कुंवर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष अंजू रानी, प्रांतीय संयोजक अभय प्रताप सिंह, जिला मंत्री श्रीकांत शर्मा सहित अनेक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बालू लदा ट्रक पलटा, चालक की मौत; कंडक्टर घायल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बेलहरा बाराबंकी। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में रविवार तड़के बालू से लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे में चालक की मौत हो गई, जबकि कंडक्टर घायल हो गया। जानकारी के अनुसार गनेशपुर घाट से बालू लेकर सिधौली जा रहा ट्रक भोर करीब तीन बजे फतेहपुर-सूरतगंज मार्ग पर रायपुर गांव के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ग्रामीणों के मुताबिक तेज धमाके की आवाज सुनकर वे मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस व ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से बचाव कार्य शुरू किया। ट्रक के क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे चालक को बाहर निकालने में करीब तीन घंटे लगे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक की पहचान सीतापुर जनपद के अटरिया थाना क्षेत्र के मनवा गांव निवासी 25 वर्षीय उबैद अहमद पुत्र गुड्डू के रूप में हुई। घायल कंडक्टर, जो मृतक का चचेरा भाई बताया जा रहा है, को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर में भर्ती कराया गया है।

प्रारंभिक जांच में चालक को झपकी आना हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। थाना प्रभारी अमित सिंह भदौरिया ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। उबैद पांच भाइयों और दो बहनों में दूसरे नंबर पर था। उसकी असामयिक मौत से परिवार में शोक व्याप्त है।

रेलमेध यज्ञ भारतीय संस्कृति का वाहक : महेंद्र यादव

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। रसौली रेलवे स्टेशन पर आयोजित रेलमेध यज्ञ कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र यादव (प्रधान) ने कहा कि रेलमेध यज्ञ भारतीय संस्कृति और सेवा भावना को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अश्वमेध यज्ञ का घोड़ा आगे बढ़ते हुए धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदेश का प्रसार करता था, उसी प्रकार रेलमेध यज्ञ के माध्यम से धर्मसेवक रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों को जल और मिष्ठान वितरित कर सेवा एवं सद्भाव का संदेश दे रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक अधिवक्ता अमित अवस्थी ने बताया कि धर्मजागरण के तत्वावधान में पिछले पांच वर्षों से जनपद के सभी 19 रेलवे स्टेशनों पर रेलमेध यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य सेवा, संस्कार और सामाजिक समरसता के भाव को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के अंत में रसौली रेलवे स्टेशन के प्रभारी सर्वेश मौर्य ने उपस्थित धर्मसेवकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुरेश चंद्र गौतम, आशीष द्विवेदी, अमरीश यादव, युगल किशोर दीक्षित, देवेंद्र सिंह, बच्चन वर्मा, उमेश रावत सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अयोध्या कप पर बलिया वॉरियर्स का कब्जा, बी.के. सिंह के ऑलराउंड प्रदर्शन से फाइनल एकतरफा

बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। लॉर्ड्स बालाजी क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित बेसिक टीचर्स लेदर बॉल नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट-2026 (अयोध्या कप सीजन-2) का खिताब बलिया वॉरियर्स ने अपने नाम कर लिया। फाइनल मुकाबले में बलिया की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रतापगढ़ पाइरेट्स को 76 रन के बड़े अंतर से पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी बलिया वॉरियर्स ने संयमित और आक्रामक बल्लेबाजी का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 155 रन बनाए। टीम की जीत की नींव बी.के. सिंह ने नाबाद 50 रन की जिम्मेदार पारी खेलकर रखी। उन्हें चांद बाबू (34 रन) और वी.के. यादव (24 रन) का भी अच्छा साथ मिला। प्रतापगढ़ की ओर से मन्नू ने दो विकेट झटके, जबकि अनुपम यादव, सुजीत शर्मा और अभिषेक श्रीराम ने एक-एक सफलता प्राप्त की।

156 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी प्रतापगढ़ पाइरेट्स की शुरुआत से ही लड़खड़ा गई। बलिया के अनुशासित और धारदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने प्रतापगढ़ की पूरी टीम 13.4 ओवर में मात्र 79 रन पर सिमट गई। विकास सौरभ ने सर्वाधिक 41 रन बनाकर संघर्ष जरूर किया, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका।

बलिया वॉरियर्स की जीत में आलोक कुमार और बी.के. सिंह ने अहम भूमिका निभाई। दोनों गेंदबाजों ने तीन-तीन विकेट लेकर प्रतापगढ़ की बल्लेबाजी को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया।

मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार बी.के. सिंह को दिया गया। उन्होंने बल्ले से नाबाद अर्धशतक जड़ने के साथ गेंद से तीन विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में निर्णायक योगदान दिया।

तेंदुआ पल्हरी स्थित मैदान में आयोजित टूर्नामेंट समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। योगेश राणा को 'मैन ऑफ द सीरीज' एवं 'सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज', अभिषेक श्रीराम को 'सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज' तथा रवि सोनकर को 'सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक' के पुरस्कार से नवाजा गया।

पुरस्कार वितरण समारोह में डिवाइन एंटरप्राइजेज के फाउंडर आशीष कुमार श्रीवास्तव, आयोजन समिति के सचिव लोकेश शुक्ला, आलोक पाठक, प्रवीण सिंह, जॉन्टी दादा, नित्यानंद और विनीत सिंह सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। आयोजन समिति ने सभी टीमों, खिलाड़ियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए टूर्नामेंट की सफलता का श्रेय सभी प्रतिभागियों को दिया।

सीएचसी सिद्धौर में खराब पड़ा वाटर कूलर, भीषण गर्मी में प्यासे भटक रहे मरीज

सिद्धौर बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। भीषण गर्मी के बीच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिद्धौर में पेयजल व्यवस्था बदहाल हो गई है। अस्पताल परिसर में लगा वाटर कूलर लंबे समय से खराब पड़ा है और महज शोपीस बनकर रह गया है। इसके चलते मरीजों व तीमारदारों को ठंडे पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है।

स्थिति यह है कि वाटर कूलर के पास रखी पानी की टंकी में टोटी तक नहीं लगी है, जिससे लोगों को पानी भरने में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों मरीज अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन गर्मी के इस मौसम में उन्हें बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों ने अस्पताल प्रशासन की लापरवाही पर नाराजगी जताते हुए वाटर कूलर की तत्काल मरम्मत कराने तथा पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

बल्लेबाजों के धमाके के बाद गेंदबाज चमके, भारत के खिलाफ टेस्ट में बैकफुट पर अफगानिस्तान

एजेंसी

मुल्लांपुर। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ खेले जा रहे टेस्ट में अपनी पकड़ काफी मजबूत कर ली है। मैच के दूसरे दिन स्टंप के समय अफगानिस्तान ने 113 रन बनाने में 5 विकेट खो दिए थे। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरे दिन भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 8 विकेट 564 रन बनाकर घोषित कर की। भारत के पास पहली पारी में अभी भी 451 रनों की बढ़त है। अफगानिस्तान के खिलाफ यह किसी भी टीम का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। 2023 के बाद भारतीय टीम ने पहली बार 550 से ज्यादा रनों का स्कोर बनाया है। टेस्ट के दूसरे दिन की शुरुआत शुभमन गिल और ऋषभ पंत ने 48 रन जोड़कर की। कप्तान गिल 177 गेंदों का सामना करने के बाद 126 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 15 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं, पंत शतक लगाने

से चूक गए और 81 रन बनाकर आउट हुए। ध्रुव जुरेल (19) बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और मानव सुथार ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर सातवें विकेट के लिए 54 रनों की साझेदारी बनाई। अपनी डेब्यू पारी में मानव 28 रन बनाकर आउट हुए। मानव के आउट होने के बाद उतरे मोहम्मद सिराज ने भी 12 गेंदों में 22 रनों का योगदान। सुंदर एक छोर संभालकर खड़े रहे और नाबाद 52 रन बनाए। मैच के पहले दिन केएल राहुल ने 165 गेंदों में 100 रनों की दमदार पारी खेली थी। साई सुदर्शन के बल्ले से 81 रन निकले थे। अफगानिस्तान की ओर से मोहम्मद सलीम सफी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 6 विकेट चटकाए। वहीं, जियाउर रहमान और हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। अफगानिस्तान के लिए सलामी बल्लेबाज अब्दुल मलिक और सेदिकुल्लाह अटल ने संभालकर शुरुआत की। डेब्यू कर रहे मानव सुथार को कप्तान शुभमन गिल 5वें ओवर में लेकर आए। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में विकेट ले लिया। मावन ने मलिक (18) को आउट किया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने 9वें ओवर में अटल को बोल्ड कर दिया। उन्होंने 17 रनों की पारी खेली। रहमनुल्लाह गुरबाज (12) भी कुछ खास नहीं कर सके और मानव सुथार की गेंद पर आउट हो गए। चौथे विकेट के लिए रहमत शाह के साथ कप्तान हशमतुल्लाह शहीदी ने चौथे विकेट के लिए 36 रन जोड़े। प्रसिद्ध कृष्णा ने शहीदी को एलबीडब्ल्यू करके साझेदारी को तोड़ा। शहीदी ने 48 गेंद पर 20 रन बनाए। दिन की आखिरी गेंद पर अफसर जजई मानव की गेंद पर आउट हुए। स्टंप के समय रहमत 43 रन बनाकर नाबाद थे।

गंभीर के भरोसे ने बढ़ाया सुदर्शन का आत्मविश्वास

एजेंसी

मुल्लांपुर। मुख्य कोच गौतम गंभीर के भरोसे ने युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन को मानसिक रूप से काफी मजबूती दी जिससे उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के पहले दिन खुलकर खेलने की आजादी मिली। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से पहले गंभीर ने कहा था कि तमिलनाडु के बाएं हाथ के बल्लेबाज को खुद को साबित करने के लिए पर्याप्त मौके दिए जाएंगे। उनका मानना है कि केवल छह मैचों के आधार पर किसी खिलाड़ी की प्रतिभा का आकलन नहीं किया जा सकता। सुदर्शन ने कोच के इस भरोसे पर खरा उतरते हुए 81 रन की आकर्षक पारी खेली। भारत ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक तीन विकेट पर 368 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। कप्तान शुभमन गिल 103 जबकि ऋषभ पंत 50 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। केएल राहुल ने 100 रन बनाये। दिन का खेल खत्म होने के बाद सुदर्शन ने कहा, ''जब कोच, कप्तान और पूरी टीम आपका समर्थन करती है, तो इससे बहुत आत्मविश्वास मिलता है। यह जानकर अच्छा लगता है कि वे चाहते हैं कि आप देश और टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करें और मैच जिताएं। उन्होंने कहा, ''ऐसे माहौल में आप पूरी आजादी के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा सकते हैं। तब यह चिंता नहीं रहती कि अगला मैच मिलेगा या नहीं। टीम से मिले इस भरोसे के कारण मन पूरी तरह खेल पर केंद्रित रहता है। सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी की। इसमें उनके 81 रन शामिल थे। हालांकि उन्होंने कहा कि यह किसी एक बल्लेबाज के हावी होने की साझेदारी नहीं थी। उन्होंने बताया, ''हमारी बातचीत पिच के व्यवहार और गेंदबाजों की रणनीति को समझने पर केंद्रित थी। केएल भाई काफी संयमित रहते हैं और बल्लेबाजी के दौरान आत्मविश्वास देते हैं। बल्लेबाज के तौर पर इससे काफी मदद मिलती है वह खेल को बहुत अच्छी तरह पढ़ते हैं और उनकी सलाह काफी मददगार होती है। दक्षिण अफ्रीका के पिछले भारत दौरे पर भारतीय टीम को स्पिनरों की मददगार पिचों पर मुश्किल का सामना करना पड़ा था। ऐसे में इस मैच में स्पिनरों पर दबाव बनाने और रन बनाने की रणनीति पर विशेष चर्चा हुई। उन्होंने कहा, ''हमारी सबसे बड़ी चर्चा यही थी कि स्पिन को बेहतर तरीके से कैसे खेला जाए और परिस्थितियों का फायदा उठाकर रन कैसे बनाए जाएं। सिर्फ समय बिताने के बजाय रन बनाने पर जोर था। सुदर्शन ने कहा, ''मानसिक रूप से मैं अपनी क्षमताओं पर भरोसा बनाए रखना चाहता था। वहीं रणनीतिक तौर पर हम यह सोच रहे थे कि गेंदबाजों कैसे हावी हो कर लगातार स्कोरबोर्ड चलाते हुए उन पर दबाव कैसे बनाए रखा जाए। सुदर्शन ने कहा कि आने वाले दिनों में पिच से अधिक टर्न मिलने की संभावना है। इसके साथ गेंद धीमी होती जायेगी और उछाल में कमी आयेगी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि अगले कुछ दिनों में गेंद नियमित रूप से टर्न करेगी। पिच और धीमी तथा नीची भी हो सकती है। फिलहाल उसका व्यवहार इसी ओर संकेत कर रहा है।

मीरा आंद्रीवा ने रचा इतिहास, बनीं ग्रैंड स्लैम चैंपियन

एजेंसी

पेरिस। रूस की टेनिस सनसनी मीरा आंद्रीवा ने यहां फ्रेंच ओपन महिला एकल के फाइनल में पोलैंड की माया च्वालिंस्का को 6-3, 6-2 से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। आंद्रीवा ने विश्व रैंकिंग में 114वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी के खिलाफ केवल 19 वर्ष की आयु में करियर का पहला ग्रैंड स्लैम जीतकर टेनिस जगत में नया अध्याय जोड़ दिया है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष मानी जा रही है क्योंकि वह 1992 के बाद सबसे कम उम्र की महिला चैंपियन बनी हैं। यह रिकॉर्ड मोनिका सेलेस के नाम है जिन्होंने 18 वर्ष की आयु में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। मैच के अंतिम क्षण में जब विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज आंद्रीवा ने बैकहैंड क्रॉस-कोर्ट विनर लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया तो वह भावुक होकर

क्ले कोर्ट पर घुटनों के बल बैठ गईं और जीत का जश्न मनाया। दूसरी ओर क्वालीफायर से फाइनल तक का सफर तय करने वाली च्वालिंस्का इतिहास रचने से चूक गईं। वह रोलां गैरो में खिताब जीतने वाली पहली क्वालीफायर खिलाड़ी बनने की कोशिश में थीं। आंद्रीवा को टेनिस जगत ने पहली बार 2023 मैड्रिड ओपन में पहचान मिली थी, जब 15 वर्ष की उम्र में उन्होंने डब्ल्यूटीए 1000 स्तर पर मुख्य ड्रॉ मैच जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ियों में जगह बनाई और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचीं। यूक्रेन युद्ध के चलते रूस के खिलाड़ियों पर लगे प्रतिबंधों के कारण आंद्रीवा को तटस्थ खिलाड़ी के रूप में खेलना पड़ा और उन्हें अपने देश का झंडा उपयोग करने की अनुमति नहीं मिली। सेमीफाइनल में उन्होंने यूक्रेन की खिलाड़ी मार्ता कोस्त्युक को हराया। इस मैच के बाद कोस्त्युक ने पारंपरिक खेल भावना के विपरीत उनसे हाथ मिलाने से इनकार कर दिया। कोर्ट फिलिप शात्रीये पर खेले गए इस फाइनल में मौसम मुख्यतः साफ रहा, लेकिन तेज हवा ने दोनों खिलाड़ियों के खेल को प्रभावित किया। स्थानीय दर्शकों में पोलैंड समर्थकों की बड़ी मौजूदगी रही जिन्होंने च्वालिंस्का के समर्थन में झंडे लहराए और नारे लगाए। वहीं आंद्रीवा को सीमित समर्थन मिला। वहीं पुरुष युगल के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त स्पेन की जोड़ी मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस ने हैरी हेलिओवारा और हेनरी पैटन को 6-4, 6-2 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा।

भारत के कप्तान के तौर पर अच्छा करेगा श्रेयसः रोहित

एजेंसी

मुंबई। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि हाल के वर्षों में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में श्रेयस अय्यर की शानदार कप्तानी को देखते हुए लगता है कि मुंबई का यह बल्लेबाज भारतीय टीम में नयी भूमिका में सफल होने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्रेयस को सबसे छोटे प्रारूप में भारत का नया कप्तान घोषित किया गया जबकि सूर्यकुमार यादव को टीम से बाहर कर दिया गया। तीन बार की विश्व कप विजेता टीम ने इस साल के एशिया कप, 2028 का ओलंपिक और टी20 विश्व कप जैसे अहम टूर्नामेंट को ध्यान में रखते हुए कप्तानी में बदलाव किया। रोहित ने कहा कि आईपीएल में कप्तान के तौर पर श्रेयस का प्रदर्शन उन्हें भारतीय कप्तान की भूमिका के लिए जरूरी अनुभव देगा। आईपीएल में श्रेयस ने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ 2024 का खिताब जीता और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल

तक पहुंचाया। टी20 मुंबई लीग के ब्रांड दूत रोहित ने शनिवार को यहां कहा, ''मुझे यकीन है कि पिछले कुछ वर्षों में अपनी फ्रेंचाइजी के लिए उन्होंने जिस तरह से कप्तानी की है, उसे देखते हुए उनका समय अच्छा रहेगा। रोहित की कप्तानी में भारत ने 2024 में अपना दूसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता था। उन्होंने कहा कि मुंबई के क्रिकेटर के लिए कुछ भी आसानी से नहीं मिलता, लेकिन श्रेयस जानते होंगे कि कप्तानी ऐसी चीज है जिसे हासिल करना पड़ता है। उन्होंने कहा, ''देखिए, मुंबई में खेलना और मुंबई का प्रतिनिधित्व करना आपको बहुत कुछ सिखाता है। अगर आप हमसे पहले भारत या मुंबई की कप्तानी करने वाले किसी भी खिलाड़ी से पूछेंगे तो वे आपको यही बात बताएंगे। यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता। मुझे पूरा यकीन है कि दूसरी जगहों पर भी ऐसा ही होता है। लेकिन यहां कुछ भी आसानी से नहीं मिलता, मैं सिर्फ मुंबई की बात कर रहा हूं। उन्होंने कहा, ''आपको वास्तव में इसे हासिल करना होता है इसलिए कप्तानी भी ऐसी चीज है जिसे आपको हासिल करना होता है और अपने आस पास के लोगों का सम्मान पाना होता है, और इन सभी खिलाड़ियों में यह खूबी है। रोहित ने भारत के कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार के कार्यकाल की भी जमकर तारीफ की जिसके दौरान राष्ट्रीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अपना तीसरा टी20 विश्व कप खिताब जीता था। रोहित ने कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि कुछ भी आसानी से नहीं मिला, खासकर सूर्या के लिए। अगर मैं गलत नहीं हूं तो उन्होंने 30 या 31 साल की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया, जिसका मतलब है कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी। वह हमेशा मुकाबले में बने रहना चाहते थे और जब मौका मिला, उसे दोनों हाथों से भुनाना चाहते थे, और उन्होंने ऐसा किया भी। ''

एफपीआई ने जून के पहले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार से 43,000 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजार से अपनी हिस्सेदारी कम करना जारी रखा है और जून के पहले सप्ताह में करीब 43,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। यह रुझान वैश्विक पूंजी के प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े अवसरों की ओर झुकाव तथा रुपये में जारी कमजोरी के बीच देखने को मिला है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, इस निकासी के साथ ही वर्ष 2026 में अब तक भारतीय शेयरों से एफपीआई की कुल निकासी बढ़कर 2.67 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गई है, जो पूरे 2025 में निकाले गए 1.66 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों, रुपये में गिरावट और वैश्विक बाजारों में विशेषकर प्रौद्योगिकी एवं एआई क्षेत्र में आकर्षक निवेश अवसरों के कारण एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से दूरी बना रहे हैं। एल्फा एएमसी के संस्थापक राजेश सिंगला ने कहा, 'अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी और डॉलर की मजबूती के अलावा, वैश्विक निवेशक वर्तमान में दुनिया भर में उभर रहे सबसे बड़े प्रौद्योगिकी और एआई-संबंधित सार्वजनिक बाजार के अवसरों की ओर पूंजी को स्थानांतरित कर रहे हैं। आगामी स्पेसएक्स के आईपीओ और अग्रणी एआई कंपनियों के इर्द-गिर्द संभावित पूंजी बाजार गतिविधियों के कारण वैश्विक नकदी वहां आकर्षित हो रही है। इससे भारत सहित अन्य उभरते बाजारों से अस्थायी रूप से पूंजी बाहर जा रही है। आंकड़ों के अनुसार, 2026 में फरवरी को छोड़कर हर महीने एफपीआई शुद्ध विक्रेता रहे हैं। जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जबकि फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया गया, जो पिछले 17 महीनों में सबसे अधिक मासिक निवेश था।

भारत की अगले दशक में वैश्विक तेल मांग वृद्धि में होगी आधी हिस्सेदारी: रोसनेफ्ट सीईओ

एजेंसी

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस की तेल कंपनी रोसनेफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) इगोर सेचिन ने कहा है कि आने वाले एक दशक में वैश्विक तेल मांग में होने वाली वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा भारत से आएगा। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' की शनिवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, सेचिन ने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक तेल बाजार में भारत का विशेष स्थान है। सेचिन ने कहा, अगले 10 वर्षों में वैश्विक तेल मांग में होने वाली वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा इसी देश (भारत) से आएगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि साल 2035 तक भारत की तेल खपत लगभग 80 लाख बैरल प्रतिदिन तक

है। इसके उलट, इस अवधि के दौरान कुल वैश्विक मांग में केवल पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। रोसनेफ्ट के प्रमुख ने यह भी कहा कि अप्रैल 2022 से रूसी तेल की आपूर्ति ने भारत और चीन के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ पैदा किए हैं। सेचिन ने दावा किया कि इन लाभों का कुल संचयी मूल्य 40 अरब डॉलर से अधिक रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के साथ रूस की आर्थिक साझेदारी ने ऊर्ज़ा की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद की है। इसके साथ ही उन्होंने तर्क दिया कि रूस को वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं से बाहर नहीं किया जा सकता है। सेचिन ने चेतावनी दी कि होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होने वाली आपूर्ति में किसी भी प्रकार की बाधा से उर्वरक और खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल आ सकता है, और इस प्रभाव को लेकर सबसे संवेदनशील देशों में भारत भी शामिल है। 'तास' ने सेचिन के हवाले से कहा कि साल के पहले चार महीनों में उर्वरकों की कीमतों में लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आपूर्ति में रुकावट और प्रभावित बाजारों में रणनीतिक भंडार की कमी ने वैश्विक खाद्य संकट के जोखिम को बढ़ा दिया है। सेचिन ने कहा कि उर्वरक आपूर्ति में व्यवधान से उत्पन्न होने वाले खाद्य-मूल्य संकट के प्रति भारत के साथ अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देश सबसे अधिक संवेदनशील होंगे।

वाणिज्यिक वाहनों के लिए इलेक्ट्रिक, हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी में निवेश जारी रखेगी टाटा मोटर्स:चेयरमैन

एजेंसी

नयी दिल्ली। टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी वाणिज्यिक वाहनों के क्षेत्र में इलेक्ट्रिक और हाइड्रोजन आधारित प्रौद्योगिकी में निवेश जारी रखेगी। उनका मानना है कि स्वच्छ परिवहन की ओर बढ़ने के लिए केवल एक प्रौद्योगिकी पर निर्भर रहने के बजाय इलेक्ट्रिक, हाइड्रोजन और अधिक स्वच्छ आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) प्रौद्योगिकी का संतुलित उपयोग आवश्यक है। वित्त वर्ष 2025-26 की वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए चंद्रशेखरन ने कहा कि डिजिटल प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआई) परिवहन उत्पादों के डिजाइन, उपयोग और सेवाओं को तेजी से बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्ज़ा की ओर बढ़ता रुझान, सुरक्षा संबंधी बढ़ती अपेक्षाएं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव प्रतिस्पर्धा की नई परिभाषा तय कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी शून्य-उत्सर्जन वाले इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन के पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है, वहीं भारी वाहनों के लिए हाइड्रोजन आधारित प्रौद्योगिकी के विकास पर भी ध्यान दे रही है। उनके अनुसार, भविष्य की सुरक्षित, कुशल और बुद्धिमान परिवहन व्यवस्था के लिए कनेक्टेड व्हीकल्स, एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस प्रणाली (एडीएएस), डेटा आधारित फ्लीट सेवाएं और नई पावरट्रेन प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण होंगी। चंद्रशेखरन ने कहा कि मजबूत बही-खाते, बेहतर वित्तीय प्रदर्शन और जुझारू क्षमता कंपनी की लाभदायक विकास यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। कंपनी का लक्ष्य उभरते परिवहन रुझानों के अनुरूप पूंजी का विवेकपूर्ण निवेश करते हुए उद्योग में अग्रणी विकास, लाभप्रदता और बेहतर रिटर्न सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में टाटा मोटर्स ने 83,855 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक राजस्व दर्ज किया है, जो पिछले वित्त वर्ष के 76,359 करोड़ रुपये की तुलना में 9.8 प्रतिशत अधिक है।

पश्चिम एशिया संघर्ष, तेल की कीमतें और विदेशी निवशकों की गतिविधियां तय करेंगी बाजार की दिशा

शेयर समीक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, कच्चे तेल की कीमतों पर इसके प्रभाव और विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों पर निर्भर करेगी। विश्लेषकों ने यह राय व्यक्त की है। एक विशेषज्ञ ने कहा कि सप्ताहांत में अमेरिकी बाजारों में आई भारी गिरावट के बाद कारोबारी सप्ताह की शुरुआत सतर्कता के साथ हो सकती है। इसके अलावा मानसून और मुद्रास्फीति के आंकड़ों की घोषणा भी महत्वपूर्ण कारक होंगे जिन पर नजर रखनी होगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के शोध प्रमुख अजित मिश्रा ने कहा, ''इस सप्ताह बाजार की दिशा प्रमुख मुद्रास्फीति और वैश्विक व्यापक आर्थिक आंकड़ों से तय होगी। भारत में निवेशक 12 जून को जारी होने वाले मई माह के मुद्रास्फीति के आंकड़ों और विदेशी मुद्रा भंडार आंकड़ों पर बारीकी से नजर रखेंगे। मिश्रा ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर अमेरिका-ईरान वार्ता और कच्चे तेल की कीमतें, मुद्रा का उतार-चढ़ाव और समग्र जोखिम लेने की धारणा पर पड़ने वाले प्रभाव पर निवेशकों की नजर रहेगी। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए, नैस्डैक कंपोजिट में 4.18 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एसएंडपी 500 में 2.64 प्रतिशत और डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.35 प्रतिशत की गिरावट आई। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''वैश्विक बाजारों, विशेष रूप से एआई (कृत्रिम मेधा) से संबंधित प्रौद्योगिकी शेयरों में आई भारी गिरावट के बाद आने वाले सप्ताह के दौरान निवेशकों के अधिक सतर्कता बरतने की संभावना है। सकारात्मक पक्ष देखें तो, घरेलू बाजारों को कुछ सहायक कारक मिल रहे हैं, जैसे कि मजबूत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि के आंकड़े, आरबीआई की नीतिगत घोषणा के बाद रुपये में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट। उन्होंने कहा कि अमेरिका-ईरान घटनाक्रम बेहद अनिश्चित बने हुए है और वैश्विक बाजारों में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं। पिछले सप्ताह बीएसई का सेंसेक्स 532.4 अंक यानी 0.71 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 181.05 अंक यानी 0.76 प्रतिशत टूटा था। लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के. ने कहा, ''नैस्डैक में चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जो अप्रैल, 2025 के बाद से एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट है। निवेशकों ने सेमीकंडक्टर और प्रौद्योगिकी शेयरों में अपना निवेश तेजी से कम किया है। भारतीय सूचकांकों में आईटी शेयरों का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण यह कमजोरी घरेलू बाजारों पर भी असर डाल सकती है और सप्ताह के शुरुआती दिनों में बाजार की धारणा पर दबाव बनाए रख सकती है।''

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात का बाजार पूंजीकरण 1.25 लाख करोड़ रुपये घटा

नयी दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से सात के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। सप्ताह के दौरान बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 532.40 अंक (0.71 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 181.05 अंक (0.76 प्रतिशत) नीचे आया। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 39,718 करोड़ रुपये घटकर 17,47,321.40 करोड़ रुपये रह गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 20,134.66 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,95,346.09 करोड़ रुपये पर आ गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 18,736.04 करोड़ रुपये घटकर 10,96,150.49 करोड़ रुपये रह गई। एलएंडटी का मूल्यांकन 16,880.20 करोड़ रुपये की कमी के साथ 5,43,956.44 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके अलावा एलआईसी का बाजार मूल्य 14,610.74 करोड़ रुपये घटकर 5,05,873.32 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 9,681.36 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 5,53,580.97 रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 5,909.23 करोड़ रुपये घटकर 4,98,301.31 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 12,692.09 करोड़ रुपये बढ़कर 9,02,523.63 करोड़ रुपये रहा। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 4,484.86 करोड़ रुपये बढ़कर 9,05,074.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 4,101.47 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी के साथ 11,50,743.31 करोड़ रुपये रहा।

विद्यार्थी परिषद् ने देश में सांस्कृतिक और राष्ट्रीय चेतना का वातावरण बनाया : सुनील आंबेकर

एजेंसी

शिमला, 07 जून (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि छात्रों ने हमेशा विपरीत परिस्थितियों में कार्य करते हुए राष्ट्र जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया है। छात्रों को राष्ट्र हित में एक जुट करने का कार्य अपनी स्थापना काल से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् करता रहा। जिन मुद्दों को लेकर विद्यार्थी परिषद वर्षों से जनजागरण कर रही थी, उनमें से कई आज वास्तविकता बन चुके हैं। सुनील आंबेकर अ. भा. विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) द्वारा रविवार को आयोजित 'स्मृति 2026-वरिष्ठ कार्यकर्ता सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। आंबेकर ने विद्यार्थी परिषद् के आंदोलनों और मांगों के बारे कहा कि धारा 370 को हटाने की मांग लंबे समय से उठाई जा रही थी और आज यह हट चुकी है। कश्मीर में आतंकवाद समाप्ति के कगार पर है तथा पूर्वोत्तर राज्यों, विशेषकर मिजोरम में भी परिस्थितियों में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि परिषद के कार्यों का प्रभाव समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि एक समय पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश के महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में नक्सलवाद का व्यापक प्रभाव था, लेकिन विद्यार्थी परिषद ने जागरूकता और वैचारिक संघर्ष के माध्यम से इस विचारधारा को अन्य क्षेत्रों में फैलने से रोकने का कार्य किया। सकारात्मक वातावरण निर्माण में परिषद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और यह कार्य आगे भी निरंतर जारी रखना होगा। श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का उल्लेख करते हुए आंबेकर ने कहा कि इसका मूल उद्देश्य देश के सांस्कृतिक प्रतीकों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना था। इस आंदोलन ने देश में व्यापक सांस्कृतिक जागरण का कार्य किया, जिसके प्रभाव को समझने से अनेक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रश्नों के उत्तर मिल सकते हैं। आंबेकर ने अमरनाथ यात्रा और बालटाल भूमि आंदोलन का उदाहरण देते हुए कहा कि जब समाज किसी विषय पर एकजुट होता है तो उसके समाधान का मार्ग भी सहज हो जाता है। उन्होंने कहा कि देश में जो परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह बहुत पुराना नहीं है बल्कि समाज और राष्ट्रवादी संगठनों के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज भारत माता की जय का उद्घोष पूरे देश में सहज रूप से सुनाई देता है। विद्यार्थी परिषद के लिए यह कार्य विशेष महत्व का रहा क्योंकि संगठन युवाओं के बीच कार्य करता है। उन्होंने कहा कि पहले भारत की बात करने पर प्रश्न उठाए जाते थे, जबकि आज समाज अपेक्षा करता है कि राष्ट्रीय विषयों पर संगठन और अधिक सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि भारत के पास जब भी शक्ति आई है, उसका उपयोग मानवता और समाज के कल्याण के लिए हुआ है। वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में भारत को अपनी सोच और दृष्टिकोण के अनुरूप गति तेज करनी होगी, तभी वह विश्व को नेतृत्व प्रदान कर सकेगा। इसके लिए स्वयं से शुरूआत करनी होगी। समाज में परिवर्तन दूसरों से अपेक्षा करने से नहीं, बल्कि स्वयं बदलाव लाने से शुरू होता है। जब कोई सकारात्मक प्रयास सफल होता है तो पूरा समाज उसका अनुसरण करता है।

तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत, मुंगेर में संघ शिक्षा वर्ग के दौरान स्वयंसेवकों का करेंगे मार्गदर्शन

पटना,। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन राव भागवत शनिवार दोपहर अपने तीन दिवसीय बिहार प्रवास पर पटना पहुंचे। पटना हवाई अड्डे पर उनका स्वागत प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया।

पटना पहुंचने के बाद डॉ. भागवत शाम को मुंगेर के लिए रवाना होंगे, जहां वे 7 जून से 9 जून तक आयोजित विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान उनका प्रमुख कार्यक्रम मुंगेर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज परिसर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल होना है। संघ के इस प्रशिक्षण वर्ग में बिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 700 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं।

संघ शिक्षा वर्ग को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माना जाता है। इस वर्ग में स्वयंसेवकों को संगठन की कार्यपद्धति, अनुशासन, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्र जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। डॉ. भागवत अपने प्रवास के दौरान स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करेंगे और उनसे संवाद भी करेंगे।

संघ प्रमुख अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को संघ की विचारधारा, संगठन के आगामी कार्यक्रमों और शताब्दी वर्ष के आयोजनों के संबंध में जानकारी देंगे। साथ ही वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में स्वयंसेवकों की भूमिका, सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार साझा करेंगे।

संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर देशभर में विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसी क्रम में स्वयंसेवकों को अधिक सक्रिय भूमिका निभाने, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संवाद बढ़ाने तथा सेवा गतिविधियों को विस्तार देने पर भी जोर दिया जाएगा।

अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान डॉ. भागवत संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ भी बैठक कर सकते हैं, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों, विस्तार योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा किए जाने की संभावना है। हालांकि आधिकारिक तौर पर बैठक के विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी साझा नहीं की गई है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से संघ अपनी विचारधारा, सेवा गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों को समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। बिहार दौरे को भी इसी व्यापक अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने अभिनेता सलीम कुमार के निधन पर जताया शोक

एजेंसी

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अभिनेता सलीम कुमार के निधन पर गहरा शोक जताया।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, ''दिग्गज अभिनेता सलीम कुमार के निधन से मैं अत्यंत व्यथित हूं। अपने विशिष्ट करियर के दौरान, उन्होंने विभिन्न भूमिकाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और यादगार प्रदर्शनों से अमिट छाप छोड़ी। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं। ओम शांति!''

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता सलीम कुमार को बुखार और सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहाँ शनिवार रात 10:43 बजे हृदयाघात के कारण मौत हो गयी।वह 56 साल के थे। प्रशंसकों ने 'आदमिंते मकान अबू' और 'पुलिवल कल्याणम' जैसी 300 से अधिक फिल्मों में उनकी यादगार भूमिकाओं को याद किया। उनके परिवार में पत्नी सुनीता और तीन बच्चे हैं। केरल ने उनके अंतिम संस्कार के लिए राजकीय सम्मान प्रदान किया है।

मप्र से राज्यसभा की तीसरी सीट को लेकर सस्पेंस, भाजपा अध्यक्ष का इंकार

एजेंसी

भोपाल, 07 जून (हि.स.)। मध्य प्रदेश से राज्यसभा की रिक्त होने वाले तीन सीटों की पूर्ति के लिए द्विवार्षिक निर्वाचन को लेकर सियासी उठापटक जारी है। मप्र विधानसभा में विधायकों की संख्या के हिसाब से राज्यसभा की दो सीटों पर भाजपा और एक सीट पर कांग्रेस की जीत तय है, लेकिन मुख्यमंत्री के संकेतों में भाजपा की नजर तीसरी सीट पर भी है जबकि भाजपा अध्यक्ष इंकार कर रहे हैं। इससे सियासी गलियारों में नया सस्पेंस खड़ा हो गया है।

दरअसल, मध्य प्रदेश विधानसभा में वर्तमान में 228 सदस्य मतदान के पात्र हैं। राज्यसभा की एक सीट जीतने के लिए 58 वोटों की आवश्यकता है। भाजपा के पास 164 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास 63 विधायक हैं। दो सीटों पर अपने उम्मीदवारों को निर्वाचित कराने के बाद भाजपा के पास लगभग 48 वोट बचेंगे। ऐसे में तीसरी सीट जीतने के लिए उसे अतिरिक्त 10 वोटों की जरूरत होगी। यही वजह है कि कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग की आशंका और भाजपा की संभावित रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज हैं। हालांकि, भाजपा ने अभी केवल दो उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग और प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने एक दिन पहले यानी शनिवार को ही अपने नामांकन भी दाखिल कर दिए हैं। वहीं, कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार घोषित किया है और पार्टी ने दावा किया कि पूरी पार्टी उनके साथ है। इसी बीच भाजपा की ओर से दावा किया गया कि पार्टी पूरी तरह मजबूत स्थिति में है और यदि तीसरा उम्मीदवार भी उतारा जाए तो उसकी जीत तय है। भाजपा संगठन की ओर से भले ही अब तक तीसरे उम्मीदवार को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन मुख्यमंत्री मोहन यादव के एक बयान से तीसरी सीट को लेकर सियासी अटकलें तेज हो गई हैं। दरअसल, मुख्यमंत्री शनिवार को इंदौर पहुंचे थे। यहां देर शाम जब पत्रकारों ने राज्यसभा की तीसरी सीट को लेकर सवाल किया तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि तीसरी सीट आएगी नहीं तो कहां जाएगी। इसके अलावा शनिवार की रात मुख्यमंत्री निवास में हुई भाजपा विधायक दल की बैठक में सभी विधायकों को 8 जून तक भोपाल नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। इससे भी सियासी अटकलों को हवा मिली है। हालांकि, इन अटकलों के बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने स्पष्ट किया कि तीसरी सीट पर उम्मीदवार उतारने की पार्टी की कोई रणनीति नहीं है।

,खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने अभाविप के प्रस्ताव को दी मंजूरी, पंजाब विश्वविद्यालय में बनेगा ओलंपिक स्तर का सिंथेटिक ट्रैक

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और खिलाड़ियों की सुविधाओं में विस्तार के लिए सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। पंजाब विश्वविद्यालय में लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने वहां ओलंपिक मानक वाले सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के निर्माण को मंजूरी दे दी है। आगामी दो से तीन महीनों में इस परियोजना पर जमीनी काम शुरू होने की उम्मीद है।

यह निर्णय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद आया है। शनिवार देर शाम अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने खेल मंत्री से मुलाकात की और देश में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक व्यापक ज्ञापन सौंपा।

अभाविप ने वर्ष 2036 में भारत की संभावित ओलंपिक मेजबानी की तैयारियों से लेकर ग्रामीण प्रतिभाओं को निखारने के लिए कई सुझाव दिए, जिन पर खेल मंत्री ने सकारात्मक रुख अपनाया। इनमें ओलंपिक की तैयारियों के लिए अभी से एक मजबूत राष्ट्रीय ढांचा विकसित करने की मांग, प्रत्येक राज्य में खेल विश्वविद्यालयों की स्थापना और हर जिले में खेल उत्कृष्टता केंद्र व मल्टी-स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स का निर्माण, देश के दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों से खेल प्रतिभाओं को ढूंढने के लिए विशेष अभियान, एथलीटों के लिए स्वास्थ्य और दुर्घटना बीमा सुनिश्चित करना, एक 'राष्ट्रीय डिजिटल एथलीट पोर्टल' का निर्माण और 'माई भारत' वालंटियर्स के मानदेय में वृद्धि करना शामिल है।

केंद्रीय खेल मंत्री ने अभाविप द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए सुझाए गए 'स्पोर्ट्स सामग्री बैंक' के आइडिया की विशेष रूप से सराहना की।

पेज एक का शेष

घरेलू...

दिए जा चुके हैं।

एलपीजी..

उपलब्धता और उपभोग को लेकर समस्याएं क्यों बनी हुई हैं।

खरगे ने दावा किया कि पिछले चार महीनों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 89 रुपये की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में लगातार इजाफा परिवारों के मासिक खर्च को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है और इसका सबसे अधिक असर निम्न एवं मध्यम आय वर्ग पर पड़ रहा है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उल्लेख करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में योजना के 5.56 करोड़ लाभार्थी परिवारों ने केवल एक या उससे कम बार गैस सिलेंडर रिफिल कराया। उन्होंने दावा किया कि इनमें से लगभग 3.30 करोड़ परिवार ऐसे हैं जिन्होंने एक भी सिलेंडर रिफिल नहीं कराया। उनके अनुसार यह स्थिति दर्शाती है कि बढ़ती कीमतों के कारण बड़ी संख्या में गरीब परिवार एलपीजी का नियमित उपयोग करने में कठिनाई महसूस कर रहे हैं।

उन्होंने केंद्र सरकार से जवाब मांगते हुए कहा कि क्या यह स्थिति गैस की लगातार बढ़ती कीमतों और मौजूदा नीतियों का परिणाम नहीं है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में असफल रही है और इसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान भाजपा और नरेन्द्र मोदी महंगाई के मुद्दे को लेकर लगातार सरकार की आलोचना करते थे। उन्होंने दावा किया कि पिछले 12 वर्षों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत में लगभग 530 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ा है।

खरगे ने मांग की कि केंद्र सरकार एलपीजी की कीमतों में राहत देने के लिए प्रभावी कदम उठाए और गरीब परिवारों को सस्ती रसोई गैस उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल करे, ताकि उज्ज्वला योजना सहित अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक रूप से जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सके।

'राष्ट्र प्रथम...

मासिक बैठकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निचले स्तर के कार्यकर्ताओं से सतत संवाद संगठन की मजबूती का आधार है। उन्होंने शक्तिकेंद्र स्तर की बैठकों में बूथों की कमियों की समीक्षा कर उनके समाधान पर काम करने की बात कही।

भाजपा अध्यक्ष ने सभी मोर्चों का गठन मंडल स्तर तक पूरा करने और प्रत्येक मंडल में कम से कम 100 सक्रिय कार्यकर्ताओं की टीम तैयार करने का लक्ष्य निर्धारित करने का सुझाव दिया। साथ ही जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे पुराने और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को सम्मानपूर्वक संगठन से जोड़े रखें तथा लंबे समय से जुड़े कार्यकर्ताओं की सूची तैयार कर उन्हें पुनः सक्रिय भूमिका में लाएं।

नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा में व्यक्ति से अधिक संगठन महत्वपूर्ण है। उन्होंने वरिष्ठ और युवा कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही संगठन मजबूत हो सकता है। उन्होंने जिला और मंडल कोर कमेटियों की नियमित बैठक सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी कार्यालय केवल प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र नहीं होना चाहिए, बल्कि वह संगठनात्मक संवाद, विचार-विमर्श और कार्यकर्ता संपर्क का सक्रिय मंच बने। जिला अध्यक्षों को कार्यालयों को अधिक व्यवस्थित और सक्रिय बनाने की जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया गया।

बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर भी चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी स्तरों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को इस अभियान को गंभीरता से लेने तथा इसकी नियमित समीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शक्तिकेंद्र स्तर तक बैठकें आयोजित कर दैनिक रिपोर्टिंग व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया।

संगठन विस्तार के लिए नियमित प्रवास को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से लेकर मंडल अध्यक्ष तक सभी पदाधिकारियों को लगातार क्षेत्रीय दौरे करने और प्रत्येक तीन माह पर उसकी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही विचार परिवार से जुड़े संगठनों और कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बढ़ाने पर भी बल दिया।

नितिन नवीन ने प्रत्येक जिले में 500 प्रमुख प्रबुद्ध नागरिकों की सूची तैयार कर उनके साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका विचार और नेतृत्व है, जिसकी पहुंच बूथ स्तर तक है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत-2047 के संकल्प का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब संगठन मजबूत होगा और कार्यकर्ता पूर्ण समर्पण के साथ जनता के बीच काम करेंगे। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से नए उत्साह, नई ऊर्जा और नए संकल्प के साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया।

बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का राजनीतिक सफर भाजपा की कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि संगठन में समर्पण, निष्ठा और ईमानदारी के साथ काम करने वाले प्रत्येक कार्यकर्ता को सम्मान और अवसर मिलता है।

वहीं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य की झारखंड मुक्ति मोर्चा-कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार और विकास कार्यों से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जनहित के मुद्दों पर विफल रही है और जनता विभिन्न समस्याओं से जूझ रही है।

बैठक का संचालन प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अमर कुमार बाउरी ने दिया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, केंद्रीय एवं प्रदेश स्तर के अनेक वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और जिला प्रभारी उपस्थित थे।

सिर्फ 5 दिन ....

कारण अदालत ने उनके प्रतिनिधित्व के लिए एक सरकारी वकील नियुक्त किया। सरकारी वकील ने राणा को मृत्युदंड के बजाय उम्रकैद और खातून को ज्यादा कठोर सजा नहीं दिए जाने का आग्रह किया। लड़की के पिता ने कहा कि वह फैसले से संतुष्ट हैं और उम्मीद करते हैं कि इसे जल्द से जल्द लागू किया जाएगा।

एंगाल...

ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

इस समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा करेंगे। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव, नुप्रिया पटेल, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलीला श्रीवास्तव और पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र परिवारों को गंभीर बीमारियों के इलाज (माध्यमिक और तृतीयक चिकित्सा) के लिए प्रति वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मिलता है।

केंद्र सरकार के अनुसार पश्चिम बंगाल में इस योजना के शुरू होने से राज्य के लाखों गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को महंगे इलाज के खर्च से मुक्ति मिलेगी। साथ ही, इसके तहत 'पोर्टेबिलिटी' की सुविधा मिलती है। जिसका मतलब है कि पश्चिम बंगाल का लाभार्थी देश के किसी भी राज्य में सूचीबद्ध सरकारी या निजी अस्पताल में अपना मुफ्त इलाज करा सकेगा।

सरकार के अनुसार यह कदम न केवल पश्चिम बंगाल के नागरिकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करेगा बल्कि राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को भी और अधिक मजबूत तथा सुलभ बनाएगा।

नशा मुक्त ...

जांच के लिए आने वाले हर मरीज का पूरा रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है और उनके मोबाइल नंबर दर्ज कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि, अब सभी मरीजों का वर्गीकरण कर यह तय किया जाएगा कि किसे कीमोथेरेपी, किसे रेडियोथेरेपी, किसे बायोप्सी और सर्जरी की आवश्यकता है। डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम मरीजों की स्थिति के अनुसार उपचार की रूपरेखा तय करेगी और संबंधित अस्पतालों को चिन्हित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र मरीजों का उपचार कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा और आवश्यकता पड़ने पर अन्य व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएंगी। हमारा लक्ष्य है कि कोई भी मरीज उपचार से वंचित न रहे और प्रत्येक बहन-भाई का इलाज पूरी जिम्मेदारी के साथ कराया जाए।

कैंसर के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया जाएगा

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि जांच के दौरान यह साफ हुआ है कि विशेष रूप से महिलाओं में कैंसर के प्रति जागरूकता का अभाव है। संकोच और जानकारी की कमी के कारण कई महिलाएं समय रहते अपनी समस्या नहीं बतातीं, जिससे बीमारी गंभीर रूप ले लेती है। उन्होंने कहा कि स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर जैसी बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान संभव है, लेकिन जांच नहीं होने से उपचार में देरी हो जाती है। उन्होंने कहा कि उपचार व्यवस्था के साथ-साथ व्यापक जनजागरूकता अभियान भी प्रारंभ किया जाएगा, ताकि लोग बिना किसी झिझक के समय पर जांच कराएं और बीमारी की शुरुआती अवस्था में ही उसका उपचार संभव हो सके।

14 वर्ष तक की बेटियों को एचपीवी वैक्सीन जरूर लगवाएं

केंद्रीय मंत्री चौहान ने महिलाओं और बेटियों के स्वास्थ्य को लेकर विशेष अपील करते हुए कहा कि सर्वाइकल कैंसर आज देश की महिलाओं के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है। यह महिलाओं में पाया जाने वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है और हर वर्ष देश में इसके एक लाख 20 हजार से अधिक नए मामले सामने आते हैं, जबकि करीब 80 हजार महिलाओं की असमय मृत्यु हो जाती है।

उन्होंने कहा कि यह कैंसर ह्यूमन पैपिलोमावायरस (एचपीवी) संक्रमण के कारण होता है और चिकित्सा विज्ञान में यह ऐसा कैंसर है, जिसकी रोकथाम प्रभावी टीकाकरण से संभव है। उन्होंने कहा कि 14 वर्ष तक की बेटियों को एचपीवी वैक्सीन जरूर लगवाएं। यह केवल एक टीका नहीं, बल्कि बेटियों के स्वस्थ, सुरक्षित और कैंसर मुक्त भविष्य का सुरक्षा कवच है। भारत सरकार, सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर यह टीका निशुल्क उपलब्ध करवा रही है और वैज्ञानिक शोधों के मुताबिक यह 93 से 100 प्रतिशत तक प्रभावी है। उन्होंने समाज से आह्वान किया कि संकोच और जागरूकता की कमी को छोड़कर हर परिवार अपनी बेटियों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित करे, क्योंकि स्वस्थ नारी ही सशक्त भारत की आधारशिला है।

नशा मुक्ति और कैंसर रोकथाम के लिए बनेगा व्यापक रोडमैप

केंद्रीय मंत्री ने बहनों और बेटियों से आत्मीय अपील करते हुए कहा कि यदि स्तन में गांठ, असामान्य बदलाव या कोई अन्य स्वास्थ्य संबंधी लक्षण दिखाई दें तो बिना संकोच चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समय पर जांच से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का इलाज संभव है, जबकि लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने भाइयों और परिवार के अन्य सदस्यों से भी आग्रह किया कि वे महिलाओं को जांच कराने के लिए प्रेरित करें और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को छिपाने के बजाय खुलकर सामने आने का वातावरण बनाएं। कैंसर का इलाज आवश्यक है, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि कैंसर होने ही न पाए। इसके लिए तंबाकू, सुपारी, गुटखा, बीड़ी, पान मसाला और शराब जैसी आदतों के खिलाफ व्यापक नशा मुक्ति अभियान चलाने का रोडमैप तैयार किया जाएगा।

कार्यक्रम में बताया गया कि कैंसर जांच एवं परामर्श निःशुल्क दो दिवसीय शिविर में 2598 मरीजों की जांच की गई, जिसमें से 286 मरीज कैंसर रोग से पीडित पाए गए, जबकि 254 मरीजों में कैंसर रोग की संभावनाएं पाई गई।

विपक्षी ...

को कमजोर कर रही है । और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।

दिग्विजय सिंह....

है, जबकि स्कूलों को 1 जुलाई से नई व्यवस्था लागू करनी है। ऐसे में छात्रों के हित में जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचना चाहिए।

उन्होंने कहा कि लाखों विद्यार्थियों का शैक्षणिक भविष्य सुविचारित और तैयार नीति निर्णयों पर निर्भर करता है, इसलिए इस विषय पर संवेदनशीलता और गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

विकसित...

रूप से महत्वपूर्ण योगदान दिया था। भारतीय उद्योग जगत ने हमेशा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी है और संकट के समय देश के साथ खड़ा रहा है।

बिरला ने कहा कि यदि आने वाली पीढ़ियों को समाज, संस्कृति और सेवा के मूल्यों से नहीं जोड़ा गया तो गौरवशाली परंपराओं को आगे बढ़ाना कठिन होगा। उन्होंने शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता को सामाजिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम बताते हुए युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

पेपरलीक....

युद्ध नहीं बल्कि बुद्ध का हिमायती रहा है। बुद्ध के विचारों पर चलते हुए वैश्विक शांति की ओर पहल करनी चाहिए। उन्होंने एक सवाल के जबाब में कहा कि उनकी पार्टी आरपीआई भी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ेगी। चार से पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी है। भाजपा के पास यह प्रस्ताव भेजा गया है। उम्मीद भी है कि भाजपा नेतृत्व इस पर सहमत भी होगा।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार ने गुंडाराज को खत्म किया। 2047 के विकसित भारत संकल्प को भी पूरा करने में उत्तर प्रदेश की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। उन्होंने दावा किया कि यूपी के 2027 विधानसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल और बिहार से कहीं ज्यादा भाजपा गठबंधन सीट जीतेगी। यहां फिर भाजपा गठबंधन की सरकार बनेगी। जिसमें गठबंधन में शामिल सभी दलों की बड़ी भूमिका होगी।

हरिद्वार : सुल्तानपुर मस्जिद की अवैध ऊंची मीनारों को हटाने का काम शुरू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। उत्तराखंड की सरकार राज्य में अवैध निर्माण को लेकर लगातार सख्ती बरत रही है। तीर्थनगरी हरिद्वार जिले के सुल्तानपुर नगर पंचायत क्षेत्र में निर्माणाधीन मस्जिद की अनधिकृत व अवैध रूप से बनी ऊंची मीनारों को हटाने का काम शुरू हो गया है।

जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 में पुरानी जामा मस्जिद की जगह नई और बड़ी मस्जिद के निर्माण का कार्य शुरू किया गया था। वर्ष 2025 में मस्जिद की मीनार की ऊंचाई को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें निर्धारित सीमा से अधिक ऊंचाई होने का दावा किया गया था। मामले ने तूल पकड़ा तो मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जांच के निर्देश दिए थे। जांच में मस्जिद और ऊंची मीनारों को मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया और न ही इसके निर्माण के लिए जिला प्रशासन अथवा प्राधिकरण से कोई अनुमति ली गई थी। तब डीएम हरिद्वार ने इसके निर्माण पर रोक लगाते हुए नोटिस जारी किया था, जिसके बाद उक्त मस्जिद के निर्माण कार्य को रोक दिया गया था। जानकारी के अनुसार सुल्तानपुर की इस मस्जिद के निर्माण से पूर्व इसका नक्शा पास नहीं करवाया गया और फायर सेफ्टी व लोकनिर्माण सहित अन्य किसी विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं लिया गया। बावजूद इसके मस्जिद में 250 फिट ऊंची मीनारें खड़ी कर दी गईं। बताया गया कि इस मस्जिद को राज्य की सबसे बड़ी मस्जिद बता कर धन संग्रह किया गया है। विदित हो कि सुप्रीम कोर्ट का 2009 और 2016 का ऐसा निर्देश है कि कोई भी धार्मिक भवन या संरचना बिना जिला अधिकारी की अनुमति के नहीं बनाई जा सकती। इसके पीछे वजह यही थी कि एक तो धार्मिक संरचना, सरकारी भूमि पर न बने और इसके निर्माण में सुरक्षा के हर पहलू का ध्यान रखा जाए। सुल्तानपुर मस्जिद निर्माण को लेकर हरिद्वार के डीएम मयूर दीक्षित का कहना है कि बीते अक्टूबर में ये विषय संज्ञान में आया था तब वहां नोटिस देकर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया था। अब मस्जिद कमेटी ने स्वयं मीनारों को हटाने का प्रस्ताव दिया, जिसे प्रशासन ने स्वीकृति दे दी है। मीनारों की ऊंचाई को देखते हुए उसे मैन्युअली ही हटाना संभव है, क्योंकि मशीनों के प्रयोग से दुर्घटना का भय है। फिलहाल लक्सर एसडीएम अनिल शुक्ला उक्त मस्जिद की ऊंची मीनारों को हटाने के लिए मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड राज्य में कई मस्जिदों ने निर्माण की अनुमति नहीं ली है। राज्य सरकार के आंकड़ों के अनुसार उत्तराखंड में 722 से अधिक मस्जिदों का निर्माण हो चुका है। इनमें सबसे ज्यादा 322 मस्जिदें हरिद्वार जिले में है। देहरादून जिले में 155, उधमसिंह नगर में 144 और नैनीताल जिले में 48 मस्जिदें है। खास बात यह कि इनमें से शायद ही कोई ऐसी मस्जिद हो जिसमें भव्यता का निर्माण कार्य न चल रहा हो। यहां सबसे ऊंची मीनार बनाने या सबसे बड़ी मस्जिद बनाने का कंप्टीशन सा चल रहा। जांच में सामने आया है कि अधिकांश मस्जिदों के निर्माण संबंधी अनुमति नहीं ली गयी है। अनुमति के लिए भूमि, संस्था पंजीकरण, आय व्यय का ब्यौरा और अन्य दस्तावेज दिखाने पड़ते है जोकि बहुत से मस्जिद प्रबंधकों के पास नहीं हैं। इनमें से कई मस्जिद व मजार नुमा इमारतें ऐसी है जोकि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा करके बनाई गई है और फिर उन्हें वक्फ बोर्ड में पंजीकृत करवा दिया गया है।

पंजाब कांग्रेस ने झाड़ू तोड़कर विरोध प्रदर्शन किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

होशियारपुर। कांग्रेस की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा राज्य में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सरकारी मशीनरी के कथित दुरुपयोग के विरोध में झाड़ू तोड़कर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शन किया। यह विरोध प्रदर्शन कांग्रेस समर्थक अर्शदीप सिंह से जुड़े एक राजनीतिक विवाद के बाद हुआ। अर्शदीप को आम आदमी पार्टी (आप) के चुनाव चिह्न झाड़ू का कथित रूप से अपमान करने के आरोप में हिरासत में लिया गया और बाद में न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। हालांकि, उन्हें बाद में रिहा कर दिया गया। एक शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 29 मई को नगर निगम चुनाव परिणामों के बाद जश्न के दौरान, मोहल्ला अहियापुर में एक आप पदाधिकारी के आवास के बाहर युवाओं का एक समूह एकत्र हुआ और उन्होंने उपद्रव किया, झाड़ू (के रेशे) बिखेरे, धमकियां दीं और सोशल मीडिया पर इससे संबंधित सामग्री प्रसारित की, जिससे सार्वजनिक व्यवस्था भंग हो सकती थी। पुलिस ने इस शिकायत पर रोजनामचा में रिपोर्ट दर्ज की। इस मामले में कथित तौर पर की गई कठोर कार्रवाई की निंदा करते हुए, वडिंग ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया, जिसमें झाड़ू तोड़कर विरोध जताया गया। उन्होंने अर्शदीप और उनके परिवार से भी मुलाकात की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने एकजुटता व्यक्त करते हुए उनसे कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता उनके साथ खड़े हैं।

किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता: डॉ. इन्द्रेश

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. इन्द्रेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी का अहित न करना ही सबसे बड़ी निरोगता है और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए स्वस्थ विचारों का होना अनिवार्य है।

डॉ. इन्द्रेश कुमार ने यह बात दिल्ली स्थित कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में शुक्रवार को स्वस्थ, संतुलित एवं तनावमुक्त जीवन के सूत्रों को समाहित करने वाली पुस्तक ''निरोगता के सूत्र - गुरबाणी एवं श्रीमद्भगवद्गीता के आलोक में के लोकार्पण के दौरान कही। पुस्तक के लेखक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कर्मठ स्वयंसेवक डॉ. शाम लाल कठपालिया के जीवन, व्यक्तित्व एवं चिंतन को स्मरण करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उनका जीवन भारतीय संस्कृति, सेवा, स्वास्थ्य, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों का जीवंत उदाहरण रहा है। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. इन्द्रेश कुमार ने कहा, ह्न अहित करने के लिए व्यक्ति को अपने भीतर ईर्ष्या, क्रोध और नकारात्मक भावों को स्थान देना पड़ता है, जो अंततः तन और मन दोनों को अस्वस्थ बनाते हैं। उन्होंने डॉ. शाम लाल कठपालिया के साथ बिताए अपने अनेक संस्मरण साझा किए तथा पुस्तक की विषयवस्तु को वर्तमान समय के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में दधीचि देह दान समिति के संस्थापक एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने कहा कि ह्नस्वङ्ग का वास्तविक अर्थ ईश्वर है और मनुष्य का लक्ष्य अपने भीतर स्थित उस दिव्यता को पहचानना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहाँ ह्नस्वङ्ग है, वहीं वास्तविक स्वास्थ्य और निरोगता है। उन्होंने पुस्तक को भारतीय जीवन-दर्शन और स्वास्थ्य चेतना का महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। आध्यात्मिक गुरु बाबा भूपिंदर सिंह पटियाला ने डॉ. शाम लाल कठपालिया के साथ अपने आत्मीय संबंधों को याद करते हुए कहा कि उनके पास ऐसा आध्यात्मिक और वैचारिक खजाना है, जिसे पूरे विश्व तक पहुँचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब तक मनुष्य अपने भीतर नहीं झाँकता, तब तक वास्तविक निरोगता प्राप्त नहीं कर सकता। डॉ. शाम लाल कठपालिया की पुत्री गीता कठपालिया आहूजा ने कहा कि आज की भाग-दौड़ और तनावपूर्ण जीवन में यह पुस्तक लोगों को अपनी संस्कृति और जीवन मूल्यों के अनुरूप जीवन जीने की प्रेरणा देगी। कार्यक्रम की सफलता में उनके समर्पण, समन्वय एवं अथक प्रयासों की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसकी उपस्थित अतिथियों ने मुक्तकंठ से सराहना की। समारोह संचालन समाजसेवी मंगेश बापट ने किया। उन्होंने अपनी सहज, सशक्त एवं संवादात्मक शैली से कार्यक्रम की विभिन्न कड़ियों को उत्कृष्ट रूप से जोड़ा तथा पूरे समारोह को सुव्यवस्थित एवं प्रेरणादायी स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के बाद में, परिवार के बच्चों द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय (पुरुषोत्तम योग) का संस्कृत में पाठ किया गया।

बेली ब्रिज पर वाहनों का परिचालन शुरू, पथ निर्माण मंत्री ने किया उद्घाटन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। पथ निर्माण मंत्री इंजीनियर शैलेन्द्र द्वारा रविवार को बेली ब्रिज का उद्घाटन किए जाने के साथ ही प्रशासनिक निगरानी में बेली ब्रिज पर वाहनों का परिचालन शुरू करा दिया गया। मंत्री ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बेली ब्रिज का विधिवत उद्घाटन किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ नवल किशोर चौधरी, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रमोद कुमार, नगर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार समेत बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के अधिकारी, पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह से पहले पथ निर्माण मंत्री ने बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन के पदाधिकारियों और कर्मियों, पथ निर्माण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा निर्माण कार्य में सहयोग करने वाले पुलिसकर्मियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री ने सभी के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से कम समय में यह महत्वपूर्ण कार्य पूरा किया जा सका है। मंत्री ने कहा कि मात्र 15 से 16 दिनों के भीतर बेली ब्रिज का निर्माण कार्य पूरा कर इसे आम जनता को समर्पित किया गया है। उन्होंने कहा कि विक्रमशिला सेतु पर परिचालन प्रभावित होने के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसे देखते हुए युद्धस्तर पर निर्माण कार्य कराया गया। पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि बेली ब्रिज पर फिलहाल अस्थायी रूप से वाहनों का परिचालन शुरू किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा 30 नवंबर की समय-सीमा निर्धारित की गयी है और सरकार उसी लक्ष्य के अनुरूप कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि हम निर्धारित समय पर विक्रमशिला सेतु का निर्माण कार्य पूरा कर 30 नवंबर तक इसे जनता को समर्पित करेंगे। मंत्री ने बेली ब्रिज निर्माण में योगदान देने वाली बीआरओ की टीम, जिला प्रशासन, पथ निर्माण विभाग और पुलिस प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी विभागों के समन्वय और मेहनत से यह कार्य संभव हो पाया है। बेली ब्रिज शुरू होने से भागलपुर और नवगछिया के बीच आवागमन करने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

एजीटीएफ, फिरोजपुर और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई, हत्या के मामले में राजस्थान के दो शूटर गिरफ्तार

चंडीगढ़/फिरोजपुर। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने फिरोजपुर पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में राजस्थान के दो शूटरों को जम्मू-कश्मीर से गिरफ्तार किया है, जो फिरोजपुर जिले के मखू निवासी गुरचरण सिंह गाबा की हत्या के मामले में वांछित थे। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से एक .30 बोर की बेरेटा पिस्तौल और .30 बोर के 10 जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी आपराधिक गतिविधियों में लंबे समय से शामिल रहे हैं। उनके खिलाफ जबरन वसूली, लूटपाट, डकैती, चोरी तथा शस्त्र अधिनियम के तहत विभिन्न मामले दर्ज हैं। राजस्थान पुलिस ने दोनों आरोपियों पर 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित कर रखा था।

राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार में ई-जागृति को रजत सम्मान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग के डिजिटल मंच 'ई-जागृति' को उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली में डिजिटल बदलाव और सरकारी प्रक्रियाओं को सरल व तेज बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की ओर से राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार-2026 में रजत सम्मान प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार 'प्रौद्योगिकी के उपयोग से सरकारी प्रक्रियाओं के पुनर्गठन और डिजिटल परिवर्तन' श्रेणी में दिया गया है। 341 नामांकनों के बीच हुए मूल्यांकन के बाद ई-जागृति का चयन किया गया। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने रविवार को बताया कि 01 जनवरी 2025 को शुरू किए गए ई-जागृति मंच ने उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रणाली को डिजिटल, पारदर्शी और अधिक सुलभ बनाया है। इस मंच के जरिए अब तक 2.29 लाख से अधिक उपभोक्ता मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें से 2.07 लाख मामलों का निपटारा किया जा चुका है। मंच की कुल निपटान दर 90.75 प्रतिशत रही है। मंत्रालय के अनुसार, ई-जागृति ने ओसीएमएस, ई-दाखिल, एनसीडीआरसी सीएमएस और कन्फोनेट जैसी चार पुरानी प्रणालियों को एकीकृत कर एआई-सक्षम और पूर्णतः पेपरलेस मंच उपलब्ध कराया है। वर्तमान में इस पर 4.15 लाख से अधिक उपयोगकर्ता पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उपभोक्ता आयोगों में 1.65 लाख से अधिक मामले दर्ज हुए, जबकि 1.52 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया गया। इस अवधि में निपटान दर बढ़कर 92.30 प्रतिशत हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 89.47 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि वर्चुअल सुनवाई व्यवस्था में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 30,683 मामलों का संचालन किया गया, जबकि 87,083 सुनवाई ऑनलाइन हुईं। वर्चुअल माध्यम से 4,941 मामलों का निपटारा किया गया। ई-जागृति मंच के माध्यम से उपभोक्ता देश और विदेश से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकते हैं, दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं, मामले की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और वर्चुअल सुनवाई में भाग ले सकते हैं। मंच पर बहुभाषी सुविधा, एआई चैटबॉट, वॉयस-टू-टेक्स्ट, ऑनलाइन भुगतान, एसएमएस और ई-मेल अलर्ट जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे संघ प्रमुख मोहन भागवत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

■ मुंगेर में संघ शिक्षा वर्ग के दौरान स्वयंसेवकों का करेंगे मार्गदर्शन

पटना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन राव भागवत शनिवार दोपहर अपने तीन दिवसीय बिहार प्रवास पर पटना पहुंचे। पटना हवाई अड्डे पर उनका स्वागत प्रदेश के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित संघ और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने किया। पटना पहुंचने के बाद डॉ. भागवत शाम को मुंगेर के लिए रवाना होंगे, जहां वे 7 जून से 9 जून तक आयोजित विभिन्न संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान उनका प्रमुख कार्यक्रम मुंगेर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर, पुरानीगंज परिसर में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल होना है। संघ के इस प्रशिक्षण वर्ग में बिहार सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 700 स्वयंसेवक भाग ले रहे हैं। संघ शिक्षा वर्ग को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में माना जाता है। इस वर्ग में स्वयंसेवकों को संगठन की कार्यपद्धति, अनुशासन, सामाजिक दायित्वों और राष्ट्र जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाता है। डॉ. भागवत अपने प्रवास के दौरान स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन करेंगे और उनसे संवाद भी करेंगे। संघ प्रमुख अपने संबोधन में स्वयंसेवकों को संघ की विचारधारा, संगठन के आगामी कार्यक्रमों और शताब्दी वर्ष के आयोजनों के संबंध में जानकारी देंगे। साथ ही वे राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में स्वयंसेवकों की भूमिका, सामाजिक समरसता, सेवा कार्यों तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच संगठन की पहुंच बढ़ाने जैसे विषयों पर भी विचार साझा करेंगे। संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर देशभर में विशेष कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है। इसी क्रम में स्वयंसेवकों को अधिक सक्रिय भूमिका निभाने, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में संवाद बढ़ाने तथा सेवा गतिविधियों को विस्तार देने पर भी जोर दिया जाएगा। अपने तीन दिवसीय प्रवास के दौरान डॉ. भागवत संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ भी बैठक कर सकते हैं, जिसमें संगठनात्मक गतिविधियों, विस्तार योजनाओं और आगामी कार्यक्रमों की समीक्षा किए जाने की संभावना है। हालांकि आधिकारिक तौर पर बैठक के विस्तृत कार्यक्रम की जानकारी साझा नहीं की गई है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। इन आयोजनों के माध्यम से संघ अपनी विचारधारा, सेवा गतिविधियों और संगठनात्मक कार्यों को समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है। बिहार दौरे को भी इसी व्यापक अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है।

दिल्ली सरकार का 14 जून को यमुना स्वच्छता अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार यमुना नदी को उसका गौरव लौटाने, नदी के तटों को स्वच्छ बनाने व पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून को यमुना तट स्वच्छता अभियान का आयोजन करेगी। इस अभियान में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता स्वयं शामिल होंगी। मुख्यमंत्री ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि यमुना केवल नदी नहीं बल्कि दिल्ली की सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यावरणीय धरोहर है। यमुना के संरक्षण का दायित्व सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का भी है। इसी सोच को जन-जन तक पहुंचाने और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए यह व्यापक अभियान आयोजित किया जा रहा है। 14 जून को यमुना रिवरफ्रंट के प्रमुख घाटों पर एक साथ स्वच्छता और जन-जागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। अभियान में लगभग 500 सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और स्वयंसेवी संगठनों के साथ हजारों स्वयंसेवकों की भागीदारी होगी।

मायावती आश्रम में देश-विदेश के साधकों ने किया सामूहिक योगाभ्यास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

चंपावत। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में मायावती स्थित विश्व प्रसिद्ध अद्वैत आश्रम में आयोजित विशेष योग सत्र ने योग, स्वास्थ्य और अध्यात्म के समन्वय का सशक्त संदेश दिया। हिमालय की शांत वादियों में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, देश-विदेश से पहुंचे श्रद्धालुओं और योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के लिए योग को अपनाने का आह्वान किया। जिलाधिकारी मनीष कुमार के निर्देशन तथा जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. प्रकाश सिंह के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम की थीम ''स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग'' रखी गई थी। कार्यक्रम का शुभारंभ अद्वैत आश्रम के अध्यक्ष स्वामी सुहृदयानंद द्वारा भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद पूरे परिसर में योग और आध्यात्मिक चेतना का वातावरण दिखाई दिया। अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि बढ़ती उम्र के साथ स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए योग सबसे प्रभावी माध्यम है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नयन का भी मार्ग है। योग अनुदेशिका लीला जोशी के निर्देशन में आयोजित योगाभ्यास सत्र में योग अनुदेशक विजय देउपा और सोनिया आर्या ने प्रतिभागियों को कॉमन योगा प्रोटोकॉल के अनुरूप विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान प्रक्रियाओं का अभ्यास कराया। योग प्रशिक्षकों ने वृद्धजनों के लिए उपयोगी योग क्रियाओं की जानकारी देते हुए नियमित योगाभ्यास के लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। अद्वैत आश्रम प्रबंधन समिति के सहयोग से आयोजित इस विशेष समूह योग कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधाकर गंगवार ने किया। कार्यक्रम में जिला आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. प्रकाश सिंह, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2026 के जिला नोडल अधिकारी डॉ. उमेश भारती, आश्रम से जुड़े संत-महात्मा, योग साधक, श्रद्धालु तथा आयुर्वेद विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान योग और अध्यात्म के गहरे संबंध पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। मायावती आश्रम जैसे आध्यात्मिक केंद्रों में आयोजित ऐसे कार्यक्रम न केवल स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि लोगों को प्रकृति और आत्मचिंतन से जोड़ने का कार्य भी करते हैं। हिमालय की गोद में आयोजित यह आयोजन स्वास्थ्य, अध्यात्म और भारतीय योग परंपरा के प्रति लोगों की बढ़ती आस्था का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - राकेश कुमार पाण्डेय कार्यकारी सम्पादक* - अरशद सईद खान स्टेट हेड - संदीप मिश्रा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 **e-mail** : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063